जबलपुर, सोमवार 6 जुलाई 2026 ■ आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-6 ■ वर्ष : 21, अंक : 65 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 27 न्यून. 24 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आज से कल तक डेढ़ दर्जन जिलों में तेज से अति भारी बारिश का अलर्ट भोपाल में ऐसा ही रहेगा मौसम

बादल...बारिश...बिजली

पांढुर्णा जिले में सीतापार के पगड़ी गांव में आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत

भोपाल में 325 मिमी से अधिक बारिश

हरिभूमि न्यूज ›› भोपाल

तीन शब्दों में प्रदेश के मौसम की तस्वीर है। कहीं बादल छाए हैं। कहीं झमाझम है तो कहीं बिजली गिर रही है। राजधानी सहित करीब दो दर्जन शहरों में रविवार को सुबह से बादल और धूप का असर रहा। दोपहर बाद भोपाल में बादल गहराए और शाम 5 बजे से झमाझम बारिश हुई। इसके बाद देर रात तक रिमझिम का दौर चला। मौसम केंद्र ने सोमवार को भी करीब डेढ़ दर्जन शहरों में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में मानसून की झमाझम के बीच रविवार दोपहर पांढुर्णा जिले में सीतापार के पगड़ी गांव में आकाशीय बिजली गिरने से 48 वर्षीय सुलोचना तड़ाम की मौत हो गई। वहीं, भोपाल में कई जगह पानी भर गया। राजधानी में रविवार तक कुल 325.8 मिमी बारिश हुई। यह सामान्य से 138 मिमी अधिक है। शाम 5 बजे से साढ़े 5 बजे के बीच अरेरा हिल्स में बौछारें पड़ीं, जबकि बैरागढ़ में 2 मिमी बारिश दर्ज हुई।

यहां जमकर बरसे बादल- रविवार को दोपहर बाद से देर रात तक मुरैना, भिंड, ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, दतिया, गुना, अशोकनगर, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, सागर, नीमच, मंदसौर, भोपाल, विदिशा में मध्यम बारिश हुई। भोपाल में कुछ हिस्सों में तेज तो कुछ हिस्सों में 2 मिमी तक बारिश हुई है। इसके अलावा जबलपुर, रायसेन, नरसिंहपुर, राजगढ़, दमोह, पन्ना, सतन, मैहर, शाजापुर, बैतूल, नर्मदापुरम, अनुपपुर, छतरपुर, उमरिया, रीवा, निवाड़ी, टीकमगढ़, इंदौर, देवास, सीहोर, उज्जैन, रतलाम, हरदा, कटनी, सीधी, सिंगरौली में भी हल्की बारिश दर्ज हुई।

आज यहां अति भारी बारिश- सोमवार को बैतूल, बड़वानी, धार, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा में अति भारी बारिश का अलर्ट है। रायसेन, नर्मदापुरम, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, अलीराजपुर, रतलाम, उज्जैन, देवास, अनुपपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी में भारी बारिश होगी। भोपाल, विदिशा, सीहोर, राजगढ़, खरगौन, झाबुआ, इंदौर, शाजापुर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, शहडोल, उमरिया, जबलपुर, नरसिंहपुर, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और मैहर में सामान्य बारिश होगी।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल न. 1155 | airtel चैनल न. 366

खबर संक्षेप

साइकिल से सीहोर पहुंचे पटवारी, लगाया आरोप

भोपाल। मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी रविवार सुबह अनोखे अंदाज में साइकिल चलाते हुए सीहोर पहुंचे। कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत के बाद उन्होंने प्रसिद्ध चिंतामन गणेश मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अद्भुत और अकल्पनीय भ्रष्टाचार का बोलबाला है।

आईआरसीटीसी: विशेष यात्रा पैकेज की घोषणा

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी ने पितृ पक्ष के पवित्र अवसर पर भारत गौरव स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन के तहत एक विशेष यात्रा पैकेज की घोषणा की है। मात्र 18,040 की शुरुआती कीमत वाले इस पैकेज में यात्रियों को पुरी, भुवनेश्वर, गंगासागर और बाबा बैद्यनाथ धाम (झारखंड) जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

भाजपा सांसद संबित पात्रा का वाट्सएप हैक

नई दिल्ली। ओडिशा की पुरी सीट से भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा का रविवार को वाट्सएप अकाउंट हैक हो गया। हैकर्स ने उनके नंबर से अर्जेंट 65 हजार रुपए की जरूरत है, जैसे भ्रामक संदेश भेजकर पैसों की मांग की। संबित पात्रा ने एक्स पर लोगों को आगाह करते हुए वित्तीय लेन-देन न करने की अपील की। उनका अकाउंट रिकवर कर लिया गया।

सीएम डॉ. यादव ने किया 2500 करोड़ की अडाणी डिफेंस यूनिट का शिलान्यास

शिवपुरी में बनेंगी मॉडर्न मिसाइलें 5 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

चंबल ने जब-जब भी कदम बढ़ाया, तब-तब देशभक्ति का नया गीत गाया

सीएम ने कहा कि यहां से जो मिसाइल बनेगी, वो लंबी दूरी तय करके दुश्मन के देश में गिरेगी और भारत का मान-सम्मान बढ़ाएगी

हरिभूमि न्यूज ›› भोपाल/शिवपुरी

अब मध्यप्रदेश देश की रक्षा में बड़ी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिवपुरी जिले में 2,500 करोड़ की लागत के अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास किया। उनके साथ केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया,अदाणी ग्रुप के युवा नेतृत्व करण अदाणी,जीत अदाणी भी मौजूद थे। इस मौके पर सीएम डॉ. यादव ने 211 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चंबल की ये धरा कई सौ साल से अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रही है। चंबल ने जब-जब भी कदम बढ़ाया, तब-तब देशभक्ति का नया गीत गाया है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि आज नया इतिहास लिखा गया है। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण ने मथुरा में कंस को मारने के बाद मध्यप्रदेश में शिक्षा ग्रहण की।

यह दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा निजी प्लांट

कार्यक्रम में प्रदर्शनी का अवलोकन करते सीएम और केंद्रीय मंत्री सिंधिया

सीएम ने शिवपुरी में किया 211 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा शिव की नगरी में लिखी जा रही इतिहास की नई इबारत

मुख्यमंत्री कीं ये घोषणाएं

- शिवपुरी को नेशनल हाईवे से जोड़ने के लिए 120 करोड़ की लागत से 14 किमी की फोरलेन सड़क बनाई जाएगी।
- मेडिकल कॉलेज में कार्डियोलॉजी यूनिट की स्थापना की जाएगी। खोड में कला-वाणिज्य-विज्ञान का नया कॉलेज स्थापित किया जाएगा।
- शिवपुरी में नवीन तहसील सुभाषपुरा बनाई जाएगी। पिछोर में एक नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया जाएगा।
- भितरवार रोड से समोहा डैम तक नई सड़क बनाई जाएगी।
- खनियाधाना कृषि उपज मंडी की स्थापना की जाएगी। ग्राम पंचायत खतौरा में सांदीपनि विद्यालय की स्थापना की जाएगी। शिवपुरी में 200 बिस्तरों का मातृ-शिशु अस्पताल स्थापित किया जाएगा।

सांदीपनि विद्यालय देश का सबसे अच्छा स्कूल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुछ दिनों पहले गुना में सीमेंट फैक्ट्री का उद्घाटन हुआ। इस तरह यह पूरा ग्वालियर-गुना क्षेत्र बदलने वाला है। सुदामा-कृष्ण की जोड़ी हमारे लिए सबक है। अगर संकट के समय दोस्त आपके पास आए तो आप उसे नहीं भूलना। मित्रता के समय भाव बराबर होना चाहिए, पैसा तो आता-जाता रहेगा। भगवान कृष्ण ने सुदामा को अपने पास 8 महीने रखा, जाते वक्त कुछ हाथ में नहीं दिया।

शिवपुरी नया सितारा बन कर चमकेगा: सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भगवान शिव की शिवपुरी में आधारशिला रखी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत बन रहा है। उनके नेतृत्व में भारत का मान बढ़ा है। संकट के समय विश्व भारत की ओर आशा से देखता है। विकसित भारत-2047 मां भारती का लक्ष्य बन चुका है। शिवपुरी नया सितारा बन कर चमकेगा।

राम मंदिर ट्रस्ट की बड़ी बैठक आज

चंपत राय और अनिल मिश्रा की रवानगी पर होगा फैसला

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने भी दोषियों पर सख्त कार्रवाई का किया समर्थन

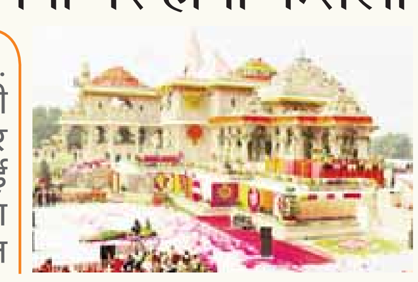

एजेंसी ›› नई दिल्ली

चंपत राय

अनिल मिश्रा

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के विवाद के बीच 6 जुलाई को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास (ट्रस्ट) की एक बेहद महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर अंतिम फैसला हो सकता है। इस बात पर भी मंथन होगा कि क्या मंदिर की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए किसी प्रशासनिक अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की जाए। महासचिव पद के लिए विहिप के महामंत्री बजरंग लाल बागड़ा इस रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। पहली बार कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि कमान संभालेंगे। चंदा चोरी केस में अयोध्या पुलिस को कोर्ट से अनुमति मिल गई है, जिसके बाद पुलिस जेल में बंद 5 आरोपियों से पूछताछ करेगी। बैठक में इस मामले की जांच कर रही एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट पेश की जाएगी। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि किया वे इस मामले पर सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले द्वारा दिए गए बयान से पूरी तरह सहमत हैं।

संघ प्रमुख को दिग्विजय का न्योता

डॉ. मोहन भागवत

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने संघ प्रमुख डॉ. भागवत को अपनी आगामी पदयात्रा में शामिल होने का खुला निमंत्रण दिया है। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर डॉ. मोहन भागवत से 2 अक्टूबर 2026 को उज्जैन के महाकाल मंदिर से अयोध्या तक शुरू होने वाली इस यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने लिखा कि धर्म को चंदा चोरों से बचाने के लिए संघ और विहिप को आगे आना चाहिए।

मेटा को सरकार का कड़ा नोटिस

विज्ञापनों में अश्लील कंटेंट हटाने के दिए सख्त आदेश

चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर 7 दिन में मांगा जवाब

एजेंसी ›› नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने इंस्टाग्राम पर पेड विज्ञापनों के जरिए बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री को बढ़ावा देने के मामले में मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी) को कड़े शब्दों में नोटिस जारी किया है। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के निर्देश के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कंपनी से 7 दिनों के भीतर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। यह कार्रवाई बीबीसी की एक खोजी रिपोर्ट के बाद हुई है, जिसमें दावा किया गया था कि इंस्टाग्राम का एल्गोरिदम बच्चों के यौन शोषण से जुड़े वीडियो और विज्ञापनों को प्रमोट कर रहा है।

नर्मदापुरम: धार्मिक सामग्री नदी में फेंकी

गौरीशाह बाबा दरगाह में तोड़फोड़ और चोरी, तनाव

इलाके में भारी पुलिस बल तैनात, फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ›› नर्मदापुरम

जिले के माखननगर थाना क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध गौरीशाह बाबा की दरगाह में अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ और चोरी की घटना के बाद इलाके में भारी तनाव व्याप्त हो गया है। ग्राम बागरा तवा में हुई इस घटना से स्थानीय मुस्लिम समुदाय में गहरा आक्रोश है। जानकारी के अनुसार, अज्ञात आरोपियों ने मजार परिसर को भारी नुकसान पहुंचाया और वहां लगी लोहे की रेलिंग को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके अलावा, उपद्रवियों ने दरगाह के अंदर रखी पवित्र धार्मिक सामग्री को ले जाकर पास ही नदी किनारे फेंक दिया।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त

दिग्विजय बोले- भोलेनाथ असत्य बोलने वालों को माफ नहीं करते

दिग्विजय सिंह ने कहा कि हे भोले बाबा, मुख्य निर्वाचन आयुक्त को सद्बुद्धि दें ताकि उनकी कथनी और करनी में अंतर न हो। चुनाव आयुक्त का ट्रैक रिकॉर्ड अब तक पूरी तरह भाजपा के पक्ष में रहा है। भोलेनाथ असत्य बोलने वालों को माफ नहीं करते।

ज्ञानेश कुमार ने ओंकारेश्वर में पूरी की सभी 12 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा

ओंकारेश्वर। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने पवित्र तीर्थ स्थल ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग पहुंचकर सपरिवार पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही उनकी 23 वर्षों की लंबी आध्यात्मिक साधना और 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का संकल्प पूर्ण हो गया। इस ऐतिहासिक पल पर भावुक होते हुए ज्ञानेश कुमार ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2003 में सभीज्योतिर्लिंगों के दर्शन का संकल्प लिया था।

मप्र में जिला रेजिडेंसी प्रोग्राम की नई पॉलिसी लागू

अधिक मरीजों वाले जिलों में होगी डॉक्टरों की 'पोस्टिंग'

पोस्टिंग अब डीन कमेटी तय करेगी

हरिभूमि न्यूज ›› भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार ने जिला रेजिडेंसी प्रोग्राम (डीआरपी) पॉलिसी में बड़े बदलाव करते हुए नया आदेश जारी किया है। अब पीजी (रेजिडेंट) डॉक्टरों की पोस्टिंग राज्य स्तर के बजाय मेडिकल कॉलेज के डीन की अध्यक्षता वाली कमेटी करेगी। इस कमेटी में एक महिला सदस्य और एक आरक्षित वर्ग के प्रतिनिधि का होना अनिवार्य किया गया है।नई व्यवस्था के तहत, रेजिडेंट डॉक्टरों को 3 महीने के लिए उन जिला अस्पतालों में तैनात किया जाएगा, जहां से मेडिकल कॉलेजों में सबसे ज़्यादा मरीज रेफर होते हैं। इसके लिए मेडिकल कॉलेजों के आसपास के क्षेत्रों की मैपिंग की गई है जिसके तहत कुछ डॉक्टरों को कॉलेज से 276 किलोमीटर दूर तक भेजा जा सकता है। गांधी मेडिकल कॉलेज (भोपाल) और एमजीएम मेडिकल कॉलेज (इंदौर) के डॉक्टरों को उनके नजदीकी चिन्हित जिलों में भेजा जाएगा।

पंडवानी की कपालिक शैली की पहली गायिका तीजनबाई का रायपुर में निधन

इलाहाबाद के प्रख्यात कवि यश मालवीय ने उन पर लिखी कविता से ये 'शीर्षक'

मंचों पर अब नहीं सजेगी वो मशाल सी तरुणाई टूट गए घुंघरू.... चुपके से चली गईं तीजनबाई

बेटे की मौत का था सदमा, ब्लड प्रेशर की दवाई लेना बंद कर दिया था

उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से नवाजा गया था

हरिभूमि न्यूज ›› रायपुर/भोपाल

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की पहचान पद्म विभूषण और पंडवानी गायिका तीजन बाई (70) का निधन हो गया। शनिवार 4 जुलाई की रात 3:15 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को रविवार को रायपुर एम्स से अंतिम दर्शन के लिए बाहर लाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एम्स पहुंचे। यहां से पार्थिव शरीर को उनके पुस्तैनी गांव गनियारी ले जाया गया और राजकीय सम्मान के अंतिम संस्कार किया गया। तीजन बाई जीवन के आखिरी पड़ाव में काफी कठिन दौर से गुजरीं।

13 वर्ष की उम्र में पहले कार्यक्रम के मिले थे 10 रुपए

महज 13 वर्ष की उम्र में उन्होंने दुर्ग जिले के चंद्रखुरी गांव में पहला सार्वजनिक कार्यक्रम किया, जिसके लिए उन्हें 10 रुपए पारिश्रमिक मिला था। लोगों के ताने और विरोध के बीच कपालिक शैली में अपने हाव-भाव और अभिनय से अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने भारत एक खोज सीरियल में महाभारत से जुड़े अंशों की प्रस्तुति दी थी। 1980 के दशक से उन्होंने भारत के लगभग सभी राज्यों में अपनी प्रस्तुतियां दीं। साथ ही, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, तुर्की, ट्यूनीशिया, साइप्रस, रोमानिया, मॉरीशस समेत अनेक देशों में कार्यक्रम किए।

पीएम ने कहा- अपूरणीय क्षति

सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजन बाई ने छत्तीसगढ़ की इस लोक कला को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में एक विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका जाना कला एवं संस्कृति जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

सीएम डॉ. यादव बोले- योगदान अविस्मरणीय रहेगा

कला जगत में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा और उन्होंने अपनी अद्वितीय शैली व लोक परंपराओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई।

यश मालवीय की कविता

चली गईं तीजनबाई

वो मिट्टी की गंध,
हमारी संस्कृति का उजला चेहरा
ज्वार उठाता याद आएगा
स्वर समुद्र गहरा गहरा
दुनिया भर में छत्तीसगढ़ की
बदली रही घिरी... छाई
वो संवाद, शब्द में
बंधती सी जीवन की लयकारी
एक आग थी, सोए मन में
बो देती थी चिंगारी
व्यथा कथा लड़ती औरत की
उसने जी भरकर गाई
दसों दिशाएं नाच उठती थीं
जब वो गाया करती थी
कठिन समय को वीर-भाव से
खुलकर बांचा करती थी
वो हुंकार मौन है, अब तो
आंख हमारी भर आई।

लखनऊ में पारंपरिक अवधी स्टाइल में अनोखा आयोजन

एक दिलचस्प और बेहद देसी सियासी रंग दिखा, मैंगो पार्टी में रणनीति और संगठन की एकजुटता का खाका तैयार किया

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के घर जमी भाजपा दिग्गजों की महफिल

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात बिछनी शुरू हो गई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के लखनऊ दौरे के पहले दिन रणनीतियों का दौर चला, वहीं दिलचस्प और बेहद देसी सियासी रंग देखने को मिला। रविवार को आम पर सियासी चर्चा की कहानी सामने आई है, जिसने सूबे के राजनीतिक पारे को गरमा दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सूबे के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के सरकारी आवास पर पहुंचे। यहां पूरी तरह से पारंपरिक अवधी स्टाइल में एक अनोखी आम पार्टी का आयोजन किया गया। इस खास महफिल ने न सिर्फ सरकार और संगठन की एकजुटता दिखाई, बल्कि विपक्ष, विशेषकर अखिलेश यादव के खेमे में भी खलबली मचा दी है।

■ खाट चारपाई में दशहरी चौसा का आनंद

गांव और पारंपरिक माहौल बना

पाठक के लॉन को बिल्कुल गांव और पारंपरिक माहौल में बदल दिया गया। वहां खाट-चारपाई पर जब देश की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष , सीएम योगी , राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व पाठक एक साथ बैठे। नेताओं के सामने थाली में सजे थे विश्व प्रसिद्ध मलिहाबाद के दशहरी और चौसा आम।

आम पार्टी में भाजपाध्यक्ष नबीन और उत्तरप्रदेश के सीएम और डिप्टी सीएम

बैठक के कई मायने निकाले जा रहे

आम उत्तर प्रदेश की संस्कृति और बातचीत का अहम हिस्सा है, लेकिन जब चुनाव सिर पर हों, तो आम का स्वाद भी सियासी हो जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, ब्रजेश पाठक के आवास पर हुई इस बैठक के 3 बड़े मायने हैं। पहला- पिछले कुछ समय से सरकार और संगठन के बीच चल रही तनातनी की अफवाहों पर इस एक तस्वीर ने पूर्णविराम लगा दिया। योगी, मौर्य और पाठक का एक साथ हंसते हुए आम खाना एकजुटता की गवाही है। चारपाई पर बैठकर आम खाना सीधे यूपी के ग्रामीण मतदाताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं को यह अहसास कराता है कि उनके नेता पूरी तरह से जमीन से जुड़े हैं।

इस 'केमिस्ट्री' ने सपा के नैरेटिव की हवा निकाली

सपा प्रमुख अखिलेश यादव लगातार भाजपा के भीतर अंदरूनी गुटबाजी का दावा करते रहे हैं। सपा का नैरेटिव रहा है कि यूपी भाजपा में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, लेकिन नबीन के सामने इस 'केमिस्ट्री' ने सपा के उस चुनावी एजेंडे की हवा निकाल दी है। इस अनौपचारिक 'आम बैठक में केवल स्वाद नहीं लिया गया, बल्कि बेहद आत्मीय माहौल में 2027 के चक्रव्यूह को अभेद्य बनाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

अवधी अंदाज विपक्ष को देगा बड़ी चुनौती

जब एनडीए के शीर्ष नेता एक साथ बैठकर अनौपचारिक माहौल में आम खाते हैं, तो वहां केवल स्वाद की बात नहीं होती, बल्कि चुनावी रणनीति के बारीक धागे भी बुने जाते हैं। आम चखने के बहाने भाजपा ने उत्तर प्रदेश के कोर वोट बैंक और जमीनी कार्यकर्ताओं को यह संदेश दे दिया है कि शीर्ष नेतृत्व पूरी तरह से जमीन से जुड़ा हुआ है और आपसी समन्वय बेहद मजबूत है। भाजपा का यह आक्रामक और एकजुटता से भरा 'अवधी अंदाज' निश्चित रूप से आगामी चुनावों में विपक्षी दलों के सोशल इंजीनियरिंग के दावों को कड़ी चुनौती देने वाला है।

खबर संक्षेप

पुलिस ने नकली डॉक्यूमेंट बनाने वाले रैकेट को धरा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कथित ऑनलाइन रैकेट को पकड़ा है, जो नकली सरकारी डॉक्यूमेंट बना रहा था।इस रैकेट के सदस्य 20 रुपए में नकली आधार कार्ड और 15 रुपए में नकली वोटर आईडी कार्ड बना रहे थे। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। यह ऑपरेशन रेगुलर साइबर पेट्रोलिंग और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग में सामने आया।

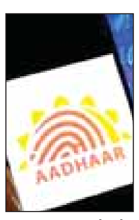

कोलकाता में मुखर्जी की प्रतिमा का चबूतरा तोड़ा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा के साथ तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। यह घटना केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कोलकाता दौरे से एक दिन पहले घटी है। भाजपा ने इसे लेकर विरोध जताया है। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि सुकिया स्ट्रीट में घटना हुई है।

आर्मी ट्रक-एंबुलेंस में भिड़ंत, 3 की मौत

श्रीगंगानगर। जिले के सूरतगढ़ में रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे नेशनल हाईवे-62 पर भीषण सड़क हादसा हो गया। जयपुर से डिस्चार्ज होकर घर लौट रही महिला मरीज को ले जा रही प्राइवेट एंबुलेंस ने एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की और सामने से आ रहे सेना के वाहन से टक्कर हो गई। इसमें 3 की मौके पर ही मौत हो गईए दो घायल हैं।

जीएसटी अफसर के घर डकैती, बनाया बंधक

अलवर। शहर के सदर थाना क्षेत्र स्थित शालीमार नगर में शनिवार सुबह हुई दुस्साहसिक डकैती ने पूरे शहर को दहला दिया। जीएसटी विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर ओमप्रकाश के घर तीन हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने घुसकर करीब डेढ़ घंटे तक परिवार को बंधक बनाए रखा। मारपीट की, धमकी दी। 15 तोला सोना, नकदी अन्य कीमती सामान लूट ले गए।

विला में घुसा लुटेरा, 15 लाख की संपत्ति लूटी

ग्रेटर नोएडा। यहां के सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी के एक विला में देर रात एक बदमाश ने घुसकर महिला को चाकू की नोक पर बंधक बना लिया और लाखों रुपए के जेवर व नकदी लूटकर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना से हाई-प्रोफाइल सोसाइटी के निवासियों में दहशत का माहौल है।

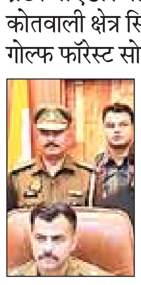

पंजाब में चुनाव सिर पर और कांग्रेस को सता रहा पार्टी में टूट का डर

कांग्रेस में बगावत का अंदेशा,अब डैमेज कंट्रोल में जुटीं प्रियंका

एकजुटता की अपील हो रही बेअसर दो वरिष्ठ नेताओं को चंडीगढ़ भेजा

चन्नी-वडिंग की तकरार खत्म करने आमने-सामने मुलाकात की रणनीति बनाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं और कांग्रेस को पंजाब में पार्टी की टूट का डर है। राहुल गांधी विदेश दौरे पर हैं, लिहाजा पंजाब कांग्रेस में बनीं मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर वरिष्ठ नेत्री प्रियंका गांधी ने फिलहाल स्थिति संभालने की पहल की है। इसके लिए उन्होंने दो वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली से चंडीगढ़ भेजा है। हाईकमान की ओर से भेजे गए दोनों वरिष्ठ नेताओं ने चंडीगढ़ में शनिवार को चन्नी खेमे के कुछ वरिष्ठ नाराज नेताओं से बुलाकर वन-टू-वन मुलाकात कर उनसे फिलहाल स्थिति को शांत रखने की अपील की। उधर, पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी से भी फोन पर बात कर उनसे राहुल के आने तक कोई बड़ा फैसला न लेने का आग्रह किया गया है। हाईकमान द्वारा संपर्क करने के बाद शनिवार को चन्नी भी थोड़े नरम दिखे मगर उनके समर्थक चन्नी को सीएम फेस घोषित करने या उन्हें पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनाने की जिद पर अड़े रहे। समर्थकों का साफ कहना है कि उन्हें मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग का नेतृत्व स्वीकार नहीं है।

कांग्रेस किसी तरह की 'कमी' नहीं छोड़ना चाहती

पंजाब कांग्रेस में हुई इस बगावत के बाद हाईकमान एकदम सक्रिय हो गया है, क्योंकि वे पार्टी में बिखराव को विरोधियों की ताकत बनने नहीं देना चाहता है। उधर, भाजपा की नजरें भी इस पूरे विवाद पर गड़ी है जबकि कई भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के नाराज नेताओं से संपर्क साध रखा है। पंजाब कांग्रेस सूबे में किसी तरह का खेला नहीं होने देना चाहती जबकि भाजपा इस अवसर को भुनाने से पीछे नहीं हटना चाहती।

जिताऊ चेहरों को ही मिलेगा टिकट

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने एक सवाल के जवाब में बताया कि टिकट वितरण की जिम्मेदारी हाईकमान की है। इस बार हाईकमान ने यह जरूर साफ कर दिया है कि टिकट वितरण मेरिट के आधार पर ही होगा और जिताऊ चेहरों को ही टिकट दिया जाएगा।

राहुल के बयान भी चर्चा में

इसी साल फरवरी में राहुल गांधी ने बरनाला में रैली के दौरान पंजाब के कांग्रेसियों को सख्त लहजे में गुटबाजी से दूर रहते हुए एकजुट रहने की अपील की थी। राहुल ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में मंच से कहा था कि पार्टी में गुटबाजी करने वाले नेताओं को हाशिये पर बैठा दिया जाएगा और उनका इलाज खरगे करेंगे। इस अपील के चार महीने बाद ही पंजाब कांग्रेस में भारी बगावत देखने को मिली। अब देखना यह है कि इस स्थिति में हाईकमान का क्या स्टैंड रहता है।

यहां वरिष्ठ नेताओं का 'एका' अहम

हाईकमान के इस मसले पर बैकफुट पर आने के आसार बहुत कम है। पार्टी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि पंजाब की सत्ता चाहिए तो वरिष्ठ कांग्रेसियों को हर हाल में एकजुट करना होगा। हाईकमान पंजाब में चुनाव से पहले एक रथयात्रा निकालने की भी तैयारी कर रहा है। रूट फाइनल किया जा रहा है और इसकी शुरुआत करने राहुल गांधी पंजाब आ सकते हैं। इस रथ पर पंजाब के सभी वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे और मिलकर कांग्रेस की ओर से चुनाव प्रचार के पहले चरण की शुरुआत करेंगे मगर इससे पहले नाराज नेताओं से बातचीत कर उनके एतराज को दूर करने की पूरी कोशिश की जाएगी।

कांग्रेस में मची खींचतान पर आप का बड़ा हमला

आखिर कांग्रेस को कौन चला रहा ? इस पर बहस छिड़ी

पंजाब की सियासत में एक बार फिर गरमाहट आ गई है। प्रदेश कांग्रेस के भीतर चल रही अंदरूनी कलह को लेकर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने तीखा हमला बोला है। आप के पंजाब महासचिव बलतेज पन्नू ने कांग्रेस की इस गुटबाजी पर गहरा तंज कसा है। उन्होंने विपक्षी दल की सांगठनिक स्थिति पर सीधे सवाल उठाए हैं। न्नू ने सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में मचे इस घमासान के बीच कहा कि पंजाब की जनता आज यह जानने के लिए बेताब है कि आखिर कांग्रेस पार्टी को चला कौन रहा है? उनके इस बयान ने कांग्रेस के भीतर सुलग रही गुटबाजी की आग में घी डालने का काम किया है और पार्टी में नेतृत्व के संकट को फिर से बहस के केंद्र में ला दिया है।

हर नेता खुद को आलाकमान समझ रहा

आप नेता ने कांग्रेस नेतृत्व की कमजोरी को उजागर करते हुए कहा कि पार्टी में हर नेता खुद को आलाकमान समझ रहा है। स्थिति यह हो गई है कि कार्यकर्ताओं को भी समझ नहीं आ रहा कि वे किस नेता के निर्देश का पालन करें। इस सांगठनिक भ्रम के कारण राज्य में मुख्य विपक्षी दल लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है।

विकसित भारत—जी राम जी

चौहान ने राज्यों को 25,863 करोड़ रु. की पहली किस्त दी

ग्रामीण श्रमिकों को सम्मान मिलेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित भारत—गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) [वीबी—जी राम जी] के क्रियान्वयन की समीक्षा की तथा राज्यों को योजना के संचालन के लिए 25,863 करोड़ की पहली किस्त जारी की। चौहान ने कहा कि सरकार का संकल्प था कि 1 जुलाई से यह पूरे देश में बिना किसी व्यवधान के लागू हो। विकसित भारत—जी राम जी में ट्रांजीशन पूरी तरह सहज और सुचारु रहा है। किसी भी प्रकार की संचालन संबंधी शिकायत नहीं है। गरीब मजदूर भाई-बहनों की सेवा ही भगवान की सेवा है। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण श्रमिकों को सम्मानजनक रोजगार, समय पर मजदूरी देना है।

राज्यों को समय पर संसाधन उपलब्ध होंगे

चौहान ने कहा कि विकसित भारत—जी राम जी के अंतर्गत मजदूरी दरों में औसतन लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। अब देश के किसी भी राज्य में मजदूरी 300 प्रतिदिन से कम नहीं होगी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण श्रमिकों की आय और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है।चौहान ने कहा कि आज जारी की गई 25,863 करोड़ की पहली किस्त का उद्देश्य राज्यों को समय पर संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि श्रमिकों को 15 दिनों के भीतर मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे भी अपनी हिस्सेदारी की राशि समय पर जारी करें, जिससे मजदूरी भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो।

इसमें धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विकसित भारत—जी राम जी के प्रभावी क्रियान्वयन में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। पहली किस्त राज्यों की मांग के आधार पर जारी की गई है और भविष्य में भी आवश्यकता के अनुसार धन उपलब्ध कराया जाएगा। चौहान ने कहा कि ग्राम सभाएं और ग्राम पंचायतें स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों का चयन करें ताकि गांवों का समग्र और सहभागी विकास सुनिश्चित हो सके।

लखनऊ में नबीन की बड़ी बैठक

चुनावों के लिए शह- मात का खेल शुरू भाजपा ने यहां चुनावी तैयारियां तेज की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की सियासी बिसात पर साल 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए शह-मात का खेल अभी से शुरू हो गया है। भाजपा ने सूबे की सत्ता पर दोबारा काबिज होने चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को राजधानी लखनऊ में एनडीए सहयोगी दलों के साथ एक हाईप्रोफाइल बैठक हुई, जिसमें चुनावी दांव-पेंच और सीट शेयरिंग को लेकर लंबी चर्चा चली। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने साफ कर दिया कि इस सियासी जंग में एनडीए के सभी साथी एकजुट होकर मैदान में उतरेंगे। नबीन के तेवर काफी आश्वस्त नजर आए। उन्होंने गठबंधन में बेहतर तालमेल और समन्वय पर जोर देते हुए कहा भाजपा अपने बूते चुनाव लड़ने का माद्दा रखती है।

2017 दोहराने का टारगेट

भाजपा हाईकमान का पूरा जोर इस वक्त सरकार और संगठन के बीच की खाई को पाटने पर है।मौर्य ने कहा कि सरकार और संगठन मिलकर काम करेंगे ताकि ऐतिहासिक जीत को दोहराया जा सके। मौर्य ने सपा पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि जनता को गुंडा राज, माफिया राज, परिवारवाद और दंगे नहीं चाहिए। उन्हें विकास और सुरक्षा चाहिए।

पद्म सम्मानित हस्तियों से मिले राष्ट्रीय अध्यक्ष

चौधरी और नबीन ने प्रबुद्धजनों से किया संवाद

लखनऊ में भाजपा के 'विशिष्ट जनसंपर्क अभियान' के तहत रविवार को अहम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौराननबीन ने प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ उत्तर प्रदेश के पद्म पुरस्कार से सम्मानित प्रबुद्धजनों से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा की।

बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु की बड़ी चेतावनी

हिंसा या औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाना बर्दाश्त नहीं, 3 गुना होगी वसूली

एजेंसी ▶▶ भवानीपुर

पश्चिम बंगाल की सरकार ने राज्य में कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने बेहद सख्त कदम उठाया है। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने साफ कर दिया है कि अब सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों की खैर नहीं होगी। नए कानून के तहत उपद्रवियों से नुकसान की 3गुना कीमत वसूली जाएगी। भवानीपुर में नागरिक समाज और व्यापारिक समुदाय के सदस्यों के साथ हुई बैठक में यह बड़ी चेतावनी दी।

नए कानून के मुख्य बिंदु

जुर्माना न चुकाने की स्थिति में आरोपी की अपनी संपत्ति को कुर्क और नीलाम किया जाएगा। कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों को 12 महीने तक बिना ट्रायल हिरासत में रखा जा सकता है। फैक्ट्रियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को जबरन बंद कराने या नुकसान पहुंचाने पर सीधे जेल होगी।

मैं संविधान से बंधा हुआ हूं इसलिए

सुवेंदु ने भवानीपुर के वोटरों को संबोधित किया। अलीपुर में मीटिंग में सुवेंदु ने कहा कि हमने पुराने जानवरों को मारने के नियमों पर नए एक्ट को लागू करने के लिए कहा। मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कह सकता क्योंकि मैं संविधान से बंधा हुआ हूं।

महिला कर्मचारियों की भूमिका अहम

प्रधानमंत्री ने चिप संयंत्र में भागीदारी को 'गर्व से' सराहा

एजेंसी ▶▶ पनई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर उद्योग में युवा कार्यबल, विशेषकर दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों से आने वाली महिला कर्मचारियों की भूमिका को रेखांकित किया।उन्होंने गुजरात के सानंद में एक दिन पहले सीजी सेमी आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट सुविधा का उद्घाटन करने के बाद आई है। 'एक्स' पर प्रधानमंत्रीने कहा कि गुजरात के सानंद में नव उद्घाटित सेमीकंडक्टर संयंत्र में कर्मचारियों के साथ उनकी बातचीत इस दौरे के सबसे विशेष क्षणों में से एक रही। इस संयंत्र में कार्यरत कर्मचारियों का एक बड़ा वर्ग देश के दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं का है, जिनमें कई आदिवासी समुदायों से हैं। उन्होंने प्रशिक्षण लिया और वे भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को नई ताकत दे रही हैं। उन्होंने लिखा, हमारी युवा शक्ति पर गर्व! देश की महिलाएं और युवा सराहनीय काम कर रहे हैं।

मौसम विभाग ने 15 राज्यों में भारी 'परेशानी' की चेतावनी दी

60 किमी प्रति घंटे तक चलेंगी हवाएं, तूफानी बारिश होगी

दिल्ली से लेकर तमिलनाडु तक बारिश का सिलसिला शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली से लेकर तमिलनाडु तक बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। इस बीच मौसम विभाग ने 15 राज्यों में अगले 10 घंटे के अंदर भीषण बारिश, आंधी और तूफान का अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में बारिश के दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं, जिसकी रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। इसलिए लोगों से अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। इन हवाओं से किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

हिमाचल में चंद्रभागा नदी पर बनी 1 किमी लंबी झील

मनाली। हिमाचल प्रदेश के लाहुल-स्पीति जिला में नई मुसीबत पैदा हो गई है। पिछले कुछ दिनों से जाहलमा नाले में पानी के साथ बड़े-बड़े पत्थर व मलबा आ रहा है, जिससे चंद्रभागा नदी में झील बन रही है। एक किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र में यह झील बन गई है। जोबरंग पुल व आसपास के खेत डूब गए हैं। पानी जोबरंग पुल के ऊपर से बह रहा है।

दिल्ली में 15 फ्लाइट रद्द, जयपुर और लखनऊ डाइवर्ट

दिल्ली एयरपोर्ट पर खराब मौसम के कारण 15 फ्लाइट को डायवर्ट करना पड़ा। 10 डोमेस्टिक और 5 इंटरनेशनल फ्लाइट्स को जयपुर और लखनऊ डायवर्ट किया गया।

मुंबई में बारिश से पेड़ गिरने पर एक और शख्स की मौत

मुंबई। मुंबई में भारी बारिश से बीच पेड़ गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। इस सीजन यह मुंबई की दूसरी घटना है। इससे पहले स्कूल बस पर पेड़ गिरने से विहान श्रीवास्तव की मौत हुई थी।

6 से 8 जुलाई, 2026 को इंडोनेशिया की यात्रा

मोदी 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न का दौरा करेंगे

10-11 जुलाई, 2026 को आधिकारिक यात्रा के लिए न्यूजीलैंड जाएंगे

जकार्ता में प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन देशों की यात्रा पर इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड जाएंगे

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

इंडोनेशिया गणराज्य के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर, प्रधानमंत्री मोदी आज यानी 6 से 8 जुलाई, 2026 को इंडोनेशिया की यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री की चौथी और मई 2018 में भारत-इंडोनेशिया संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा मिलने के बाद पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक जकार्ता में प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और दोनों देशों के बीच साझेदारी की प्रगति की समीक्षा करेंगे। वह भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री योग्याकार्ता स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल प्रांबानन मंदिर परिसर का भी दौरा करेंगे, जो भारत और इंडोनेशिया के साझा सांस्कृतिक संबंधों का प्रमुख प्रतीक माना जाता है। दोनों देशों के बीच रिश्ते दशकों पुराने हैं। इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो 1950 में भारत के पहले गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि बने थे। दुनिया में हिंदू देवता की सबसे ऊंची प्रतिमा भी इंडोनेशिया में स्थित है।

भारतीय पीएम की पहली आधिकारिक न्यूजीलैंड यात्रा

करीब चार दशक बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली आधिकारिक न्यूजीलैंड यात्रा होगी। ऑकलैंड में प्रधानमंत्री मोदी न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेता व्यापार, वाणिज्य, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा करेंगे, जिनमें पिछले दो वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, ऑकलैंड में प्रधानमंत्री प्रमुख कारोबारी और खेल जगत की हस्तियों से भी बातचीत करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा के दौरान भारतीय समुदाय के लोगों की एक बड़ी सभा को संबोधित करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम में हिस्सा लेंगे पीएम मोदी

इंडोनेशिया के बाद, प्रधानमंत्री मोदी 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न का दौरा करेंगे। यह यात्रा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के निमंत्रण पर हो रही है। मेलबर्न में, प्रधानमंत्री मोदी, प्रधानमंत्री अल्बनीज के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया की गवर्नर-जनरल सैम मोस्टिन से भी मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम में हिस्सा लेंगे और दोनों देशों के प्रमुख उद्योगपतियों को संबोधित करेंगे। साथ ही, भारतीय समुदाय के एक बड़े कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इसके बाद, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफ़र लक्सन के निमंत्रण पर पीएम मोदी 10-11 जुलाई, 2026 को आधिकारिक यात्रा के लिए ऑकलैंड जाएंगे। प्रधानमंत्री क्रिस्टोफ़र लक्सन ने 3 जुलाई को एक एक्स पोस्ट में लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत के प्रधानमंत्री अगले हफ़्ते न्यूज़ीलैंड की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। भारत दुनिया की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, और न्यूज़ीलैंड की आर्थिक समृद्धि के लिए बहुत महत्वपूर्ण देश है। उन्होंने कहा, हम अप्रैल में हुए न्यूज़ीलैंड-भारत मुक्त व्यापार समझौते के ज़रिए दोनों देशों के रिश्तों को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं।

छह देशों की यात्रा पर रवाना हुए विदेश मंत्री जयशंकर

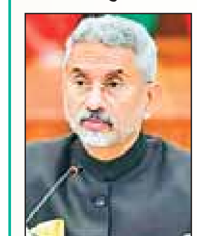

विदेश मंत्री एस.जयशंकर रविवार से कतर, बहरीन, कुवैत, ओमान, बेल्जियम और अमेरिका की यात्रा पर रवाना हुए हैं। पांच से 10 जुलाई तक चार खाड़ी देशों कतर, बहरीन, कुवैत, ओमान की जयशंकर की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के बाद क्षेत्र में राजनीतिक हालात तेजी से बदल रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, खाड़ी देशों का अपना दौरा पूरा करने के बाद, वह 13 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में साल 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करने न्यूयॉर्क जाएंगे। यात्रा के अंतिम चरण में जयशंकर तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक में भाग लेने के लिए बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स जाएंगे।

खबर संक्षेप

लद्दाख में महसूस किए गए भूकंप के झटके

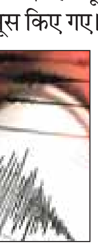

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में रविवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई और इसकी गहराई 15 किलोमीटर थी। दोपहर करीब एक बजे झटके आने से लोगों में दहशत फैल गई। लोग घरों से बाहर निकलने लगे। खबर लिखे जाने तक किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

72 मौतों के मामले में 11 वर्षीय बच्चे पर मुकदमा

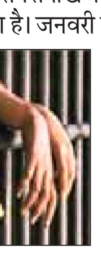

कराची। पाकिस्तान के कराची में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जनवरी में गुल प्लाजा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग के मामले में पुलिस ने अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। इस चार्जशीट में 11 साल के एक बच्चे, उसके पिता और चार अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। घटना के बाद से सभी आरोपी फरार हैं। गवाहों के अनुसार, पिता की गैरमौजूदगी में बच्चा कृत्रिम फूलों की दुकान पर माचिस से खेल रहा था, जिससे आग भड़क गई। इस हादसे में 72 लोगों की मौत हुई थी।

लाल सागर में मालवाहक जहाज पर हमला

दुबई। यमन के समुद्री तट के निकट लाल सागर में एक मालवाहक जहाज पर अज्ञात हथियारबंद हमलावरों द्वारा हमला किए जाने की खबर है। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) केंद्र ने बताया कि यह हमला तटीय शहर होदेदा के पास हुआ। यह इलाका फिलहाल ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के नियंत्रण में है। यूकेएमटीओ के अनुसार, संबंधित अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। अभी तक हमले की जिम्मेदारी नहीं ली।

ड्रग्स के खिलाफ भारत की बड़ी पहल

गुवाहाटी में होगा ब्रिक्स देशों के एंटी नारकोटिक्स प्रमुखों के साथ बड़ा मंथन

डार्कनेट और क्रिप्टोकरेंसीः ड्रग तस्करी की नई वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा

एजेंसी ⏩ गुवाहाटी

भारत अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत 6-7 जुलाई, 2026 को असम के गुवाहाटी में ब्रिक्स देशों की मादक पदार्थ निरोधक (एंटी-नारकोटिक्स) एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक की मेजबानी कर रहा है। इस महत्वपूर्ण बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों की शीर्ष मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों के प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के बीच संस्थागत निरंतरता को सुदृढ़ करना और ऑपरेशनल स्तर पर आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। वैश्विक स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी का परिदृश्य पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बदला है। आज सिंथेटिक ड्रग्स, न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस, डार्कनेट के जरिए होने वाली तस्करी और क्रिप्टोकरेंसी आधारित वित्तीय लेन-देन ने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के सामने बेहद जटिल चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

हालांकि, दूसरी ओर इंटरडिक्शन (अवरोधन) टेक्नोलॉजी, डेटा एनालिटिक्स और फाइनेंशियल इंटेलिजेंस में हुई प्रगति ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वित प्रवर्तन कार्रवाई के नए रास्ते भी खोले हैं। भारत इस बैठक को केवल एक संवाद-केंद्रित मंच नहीं मानता, बल्कि इसे एक स्ट्रक्चर्ड (व्यवस्थित) और परिणामोन्मुख सहयोगी व्यवस्था में बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम मान रहा है। इस सम्मेलन में जमीनी समन्वय, खुफिया जानकारी के रियल-टाइम आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और ड्रग्स के उभरते खतरों के खिलाफ सामूहिक एक्शन पर विशेष जोर दिया जाएगा। गृह मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक भारत को ड्रग्स की समस्या से निपटने के लिए किए जा रहे अपने ठोस प्रयासों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का बेहतरीन अवसर देगी। मादक पदार्थों का बढ़ता जाल जनसुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और देश के युवाओं के भविष्य के लिए एक गंभीर चुनौती है।

सिर्फ चर्चा नहीं, अब एक्शन पर जोरः भारत का विज़न

नशे के खिलाफ भारत ने कसा शिकंजा

इसे देखते हुए भारत ने हाल के वर्षों में ड्रग तस्करी और नशे के दुरुपयोग के खिलाफ अपने अभियान को काफी मजबूत किया है। सरकार जहां एक तरफ संगठित आपराधिक नेटवर्क पर कड़ा प्रहार कर रही है, वहीं दूसरी तरफ जन-जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता और पुनर्वास पर भी समान रूप से ध्यान दे रही है। इसी होल-ऑफ-गवर्नमेंट और नेटवर्क-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते हुए भारत ने हाल ही में मादक पदार्थ नियंत्रण पर विज़न डॉक्यूमेंट (2026-2029) जारी किया है, जिसका उद्देश्य इस लड़ाई को संस्थागत रूप से मजबूत करना है।

नशे पर लगाम लगाएंगे ब्रिक्स

- **खुफिया नेटवर्कः** अवैध प्रयोगशालाओं और नए सिंथेटिक ड्रग्स से जुड़ी सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान
- **निगरानीः** प्रीकर्सर रसायनों और फार्मास्यूटिकल ड्रग्स के अवैध डायवर्जन की बेहतर मॉनिटरिंग
- **क्षमता निर्माणः** बेस्ट प्रैक्टिसेज (सर्वश्रेष्ठ कार्य-पद्धतियों) को साझा करना, संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम और विशेषज्ञों का आदान-प्रदान

कोच्चिः ब्रिक्स महिला कार्य समूह करेंगे नेतृत्व पर चर्चा

भारत की अध्यक्षता में आज से केरल के कोच्चि में दो दिवसीय ब्रिक्स महिला कार्य समूह की महत्वपूर्ण बैठक शुरू हो रही है। वैश्विक आबादी के लगभग 49.5 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिक्स देशों के लिए यह सम्मेलन रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है। बैठक का मुख्य फोकस महिला नेतृत्व वाले विकास को आगे बढ़ाने के लिए सदस्य देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच एक मजबूत साझा नीति और आम सहमति बनाना है। इस बार भारत की अध्यक्षता का मुख्य विषय लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण है, जो जन-केंद्रित और मानवता-प्रथम दृष्टिकोण पर आधारित है। इसी विज़न के तहत ब्रिक्स महिला ट्रैक ने चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को चुना है, जिनमें शासन व नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी, डिजिटल व वित्तीय समावेशन, महिला उद्यमिता व कौशल विकास और जलवायु परिवर्तन व खाद्य सुरक्षा में महिलाओं की भूमिका शामिल है। इस मुख्य सम्मेलन से पहले तीन दौर की वर्चुअल प्रारंभिक बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं, जिससे कोच्चि बैठक के एजेंडे को ठोस रूप दिया गया है। यह दो दिवसीय मंथन आगामी 8-9 जुलाई को होने वाली 'ब्रिक्स महिला मंत्रिस्तरीय बैठक' के लिए एक मजबूत और व्यावहारिक आधार तैयार करेगा।

15 जुलाई से लागू होगी भारत-यूके ट्रेड डील

रीपैकेजिंग और पॉलिशिंग करने वाले प्रोडक्ट्स को नहीं मिलेगी टैक्स छूट

शर्तें पूरी न होने पर कस्टम्स अधिकारी छूट देने से इनकार कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गिनाए कई फायदे

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच हुआ ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) आगामी 15 जुलाई 2026 से लागू होने जा रहा है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने इस समझौते से जुड़े नए नियम और नोटिफिकेशन जारी कर दिए हैं, जिससे यह साफ हो गया है कि किस सामान को इस समझौते के तहत टैक्स में मिलने वाली विशेष छूट का फायदा मिलेगा।

वित्त मंत्रालय और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा जारी इन नियमों के मुताबिक, 'कंट्री ऑफ ओरिजिन' (मूल देश) को लेकर सख्त रुख अपनाया गया है। नए नियमों में साफ कहा गया है कि अगर किसी दूसरे देश से सामान लाकर भारत या यूके में सिर्फ उसकी रीपैकेजिंग, नया लेबल लगाने, धुलाई, छंटाई, पॉलिशिंग या साधारण असेंबली की जाती है, तो उसे टैक्स छूट का लाभ नहीं मिलेगा। किसी प्रोडक्ट को दोनों देशों में बना हुआ तभी माना जाएगा, जब वह पूरी तरह से किसी एक देश में तैयार किया गया हो या वहीं की सामग्री से बना हो। शर्तें पूरी न होने पर कस्टम्स अधिकारी छूट देने से इनकार कर सकते हैं। इस बीच, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन में आयोजित इंडिया-यूकेः पार्टनर्स इन प्रोग्रेस बिजनेस प्लेनरी कार्यक्रम में इस ऐतिहासिक समझौते के फायदे गिनाए। उन्होंने कहा कि इस डील से दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप और इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोग मजबूत होगा।

जहां प्रोसेस वहीं का प्रोडक्ट

इन नियमों में एक खास व्यवस्था यह भी की गई है कि एक पार्टनर देश में बनी चीज को दूसरे देश में आगे प्रोसेस किए जाने पर भी उसे उसी देश का माना जा सकेगा, जिससे दोनों देशों के बीच मैन्युफैक्चरिंग और ग्लोबल सप्लाई चेन को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। पीयूष गोयल ने भारतीय कंपनियों से अपील की है कि वे यूके की कंपनियों के साथ अपने कारोबारी रिश्ते मजबूत करें और इस समझौते से मिलने वाले नए मौकों का पूरा फायदा उठाएं, क्योंकि यह डील न सिर्फ व्यापार बढ़ाएगी बल्कि प्रोफेशनल्स के लिए भी अवसरों के नए दरवाजे खोलेगी।

ईरान का खौफनाक इमरजेंसी प्लान

बड़ा सवालःखामेनेई के जनाजे के लिए क्या वाकई खोदी जा रहीं 3,000 कब्रें?

एजेंसी ⏩ तेहरान

अमेरिका और इजराइल के हमले में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के जनाजे को लेकर एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। जर्मनी के अखबार डाई वेल्ट के दावे के मुताबिक, ईरानी प्रशासन ने जनाजे के दौरान संभावित बड़े हादसे से निपटने के लिए एक अत्यंत गोपनीय आपातकालीन योजना तैयार की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लाखों लोगों की उमड़ने वाली भारी भीड़, भीषण गर्मी और सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर प्रशासन ने सबसे खराब स्थिति का आकलन किया है, जिसमें 1,500 से 3,000 लोगों की मौत तक की आशंका जताई गई है। इसलिए 3 हजार कब्रें खोदी गई हैं। दावा है कि इसी के तहत तेहरान के बेहेश्त-ए-जहरा कब्रिस्तान में आपातकालीन तौर पर कब्रें तैयार की जा रही हैं, हालांकि ईरान सरकार ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है। कथित तौर पर ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने सरकार को एक गोपनीय पत्र भेजकर लापता है।

पाकिस्तान के मन में आखिर क्या?

तुर्की पहुंचकर कश्मीर पर डील का दांव खेल रहे पाक पीएम शहबाज

एजेंसी ⏩ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में मचे भीषण बवाल और जनता के भारी विरोध प्रदर्शनों ने पाकिस्तानी हुकूमत को हिलाकर रख दिया हैं। इस आंतरिक संकट से घबराए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ईरान में खामेनेई के अंतिम संस्कार से सीधे तुर्की पहुंच गए हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान शहबाज शरीफ ने तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तईप एर्दोगान के साथ उच्चस्तरीय बैठक की और कश्मीर मुद्दे को लेकर एक नई डील की कोशिश की। दोनों नेताओं ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक-दूसरे के प्रमुख मुद्दों पर दृढ़ समर्थन का आश्वासन दिया, जहां शहबाज ने दोनों देशों को एक ही आत्मा के दो दिल तक कह डाला। शहबाज शरीफ ने घोषणा की कि पाकिस्तान, तुर्की गणराज्य उत्तरी साइप्रस के मुद्दे पर तुर्की के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। इस समर्थन के बदले पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दे पर तुर्की का साथ चाहिए।

खामेनेई के 3 बेटे अंतिम संस्कार में दिखे

उत्तराधिकारी मोजतबा गायब

तेहरान। अमेरिका-इजराइल के हमले में मारे गए ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान उनके तीन बेटे-मसूद, मेसम और मुस्तफा-पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए। तेहरान के ग्रैंड मोसाला परिसर में आयोजित प्रार्थना सभा का नेतृत्व वरिष्ठ धार्मिक नेता जाफर सोभानी ने किया। इस हमले में खामेनेई की 18 महीने की पोती समेत परिवार के चार सदस्यों की भी मौत हुई थी। हालांकि, सुरक्षा कारणों और इजराइली हमलों के डर से खामेनेई के दूसरे बेटे और वर्तमान उत्तराधिकारी मोजतबा खामेनेई इस कार्यक्रम से दूर रहे। इस सभा में आईआरजीसी कमांडर अहमद वाहिदी और कुद्स फोर्स के प्रमुख इस्माइल कानी भी शामिल हुए। खामेनेई का यह शोक कार्यक्रम एक सप्ताह तक चलेगा, जिसके तहत आज यानी सोमवार को तेहरान में विशाल अंतिम संस्कार जुलूस निकाला जाएगा।

इसरो को मिली बड़ी कामयाबी

गगनयान मिशन के लिए 'सोल्व' रॉकेट मोटर का पहला परीक्षण सफल

एजेंसी ⏩ श्रीहरिकोटा

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की दिशा में एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। इसरो ने सॉल्व सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल फॉर एक्सपेरिमेंट्स) नामक विशेष परीक्षण रॉकेट की सॉलिड मोटर यानी ठोस ईंधन प्रणाली का पहला सफल परीक्षण किया है। यह महत्वपूर्ण टेस्ट आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में किया गया, जहां रॉकेट मोटर का प्रदर्शन वैज्ञानिकों की उम्मीदों के बिल्कुल मुताबिक रहा। इस सफल परीक्षण का मुख्य उद्देश्य भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना है। सोल्व कोई आम रॉकेट नहीं है, बल्कि इसे विशेष रूप से गगनयान मिशन के क्रू मॉड्यूल की सुरक्षा जांचने के लिए तैयार किया गया है। इस रॉकेट की मदद से उस हिस्से को, जिसमें अंतरिक्ष यात्री बैठेंगे, आसमान में करीब 10 से 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाया जाएगा और फिर वहां से अलग कर दिया जाएगा। इसके बाद मॉड्यूल की रफ्तार को नियंत्रित करने के लिए एक-एक करके 10 विशेष पैराशूट खोले जाएंगे ताकि अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रूप से समुद्र में लैंड कर सकें। गगनयान भारत का बेहद खास अंतरिक्ष प्रोजेक्ट है, जिसके तहत दो से तीन अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से लगभग 400 किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष की कक्षा में भेजा जाएगा। ये यात्री वहां तीन दिन का समय बिताएंगे और फिर उन्हें सुरक्षित रूप से भारतीय समुद्री क्षेत्र में वापस उतारा जाएगा। इस पूरे मिशन के लिए इंसानों की सुरक्षा के लिहाज से बेहद मजबूत माने जाने वाले ह्यूमन रेटेड एलवीएम-3 (एचएलवी-3) रॉकेट का इस्तेमाल किया जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने भारत से मदद की लगाई गुहार

पीओके में 600 कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भड़का आक्रोश

पाकिस्तानी हुकूमत क्रूरता में कोई कसर नहीं छोड़ रही

श्रीनगर से लोगों से कहा मदद करें दवाएं और राशन भी खत्म हो गया

एजेंसी ⏩ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में पाकिस्तानी सरकार की दमनकारी कार्रवाई और 600 से अधिक नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं की सामूहिक गिरफ्तारी के बाद हालात बेकाबू हो गए हैं। प्रमुख आंदोलनकारी नेता शौकत नवाज मीर की नजरबंदी से नाराज जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने अब इस्लामाबाद की हुकूमत को खुली चुनौती देते हुए भारत से सीधी मदद की गुहार लगाई है। क्षेत्र में इस समय पाकिस्तानी सेना और सरकार के खिलाफ जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं, जिसमें प्रदर्शनकारी दोनों देशों के बीच की सीजफायर लाइन (एलओसी) को हमेशा के लिए खत्म करने की मांग कर रहे हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर जम्मू-कश्मीर जेएएसी के मुख्य सदस्य सरदार अमन खान का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तानी शासन के तहत हो रही व्यवस्थित क्रूरता, भारी किल्लत और गंभीर मानवीय संकट को उजागर किया है। अमन खान ने भरी भीड़ के सामने विभाजन के उस पार यानी भारतीय हिस्से के जम्मू-कश्मीर के लोगों को संदेश भेजते हुए कहा कि मेंढर, पुंछ, राजौरी, डोडा और श्रीनगर के लोग हमारी मदद के लिए आगे आएं। उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा कि इस तरफ राशन और दवाओं की भारी कमी हो चुकी है और वे अब इस सीजफायर लाइन को खत्म करना चाहते हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों की मनमानी की तीखी आलोचना करते हुए प्रदर्शनकारी नेताओं ने चेतावनी दी है कि स्थानीय नागरिक अब इस्लामाबाद की धमकियों के आगे झुकने वाले नहीं हैं। वायरल वीडियो में खान सुरक्षा व्यवस्था को सीधे चुनौती देते हुए भीड़ से पूछते नजर आ रहे हैं।

हम खत्म करना चाहते है सीजफायर लाइन

पाकिस्तानी नियंत्रण से निकलने की स्थानीय लोगों की बेताबी को उजागर करते हुए, जेएएसी नेता ने सीमाओं को खत्म करने की मांग की और विभाजन के पार संदेश भेजते हुए कहा, हम सीजफायर लाइन को खत्म करना चाहते हैं और हमें आपके समर्थन की जरूरत है। उसने दूसरी तरफ के लोगों से मेरी अपील है कि वे आगे आएं। और जैसा कि मैंने कहा, रास्ते... अगर हमने राजनीतिक बातचीत के लिए दरवाजा खुला रखा है।

कम पानी-अवधि वाली फसलों का बढ़ाएं रकबा: सीएम

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राकृतिक खेती में बड़ा स्कोप है। यह बड़े मुनाफे का काम है। किसानों को चाहिए कि वे परम्परागत खेती के स्थान पर जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाएं। मुख्यमंत्री ने इस साल अल्प वर्षा की आशंका को देखते हुए प्रदेश के किसानों से अपील की है कि वे अपने कृषि कार्यों की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक योजना बनाएं तथा कम अवधि और कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों को विशेष प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा एवं कृषि उत्पादन को सुरक्षित बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर रही है।

कृषि, उद्यानिकी एवं संबंधित विभागों के माध्यम से जिलेवार सतत समीक्षा और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। डॉ यादव ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में जल संरक्षण और जल के विवेकपूर्ण उपयोग का विशेष महत्व है। कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग द्वारा जारी तकनीकी सलाह का पालन करते हुए परिस्थितियों के अनुरूप फसल चयन करें।

परम्परागत के स्थान पर अपनाएं जैविक एवं प्राकृतिक खेती

डॉ. यादव, मुख्यमंत्री (फाइल फोटो)

सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। किसानों को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन, कृषि आदान उपलब्ध कराने तथा परिस्थितियों के अनुरूप हर संभव सहयोग सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं। सरकार का प्रयास है कि किसी भी किसान को कठिनाई का सामना न करना पड़े। डॉ यादव ने किसानों को मानसून और बारिश की अपडेट्स के लिए सोशल मीडिया आधारित मैसेजिंग सिस्टम पर विशेष जोर दिया है। बारिश कम होने की स्थिति में बीज उपचार, बुवाई की तकनीक, कम पानी में उपज देने वाली फसलों जैसे- बाजरा, ज्वार, उड़द, मूंग, अरहर, कोदो-कुटकी की खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ऐसी फसलें कम पानी और कम अवधि में बेहतर उत्पादन के लिए अच्छा विकल्प हैं।

श्रीअन्न के उत्पादन को दें प्राथमिकता, सरकार भी प्रसंस्करण एवं विपणन को कर रही प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से विशेष रूप से श्रीअन्न (मोटा अनाज) जैसे कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार, बाजरा सहित अन्य कम पानी में सफलतापूर्वक पैदा होने वाली फसलों का रकबा बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ये फसलें जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के अनुरूप होने के साथ कम लागत, अधिक पोषण एवं किसानों की आय वृद्धि के बेहतर विकल्प की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भी श्रीअन्न के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों में वैज्ञानिक कृषि पद्धतियां अपनाकर ही उत्पादन और आय को सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का अन्नदाता अपने अनुभव, परिश्रम और आधुनिक तकनीकों के समन्वय से हर चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है।

एक युवक गंभीर, चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की घटना

तेज रफ्तार ट्राले की टक्कर में बाइक सवार दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

जिले में रविवार सुबह एक भारी वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार, चक्रधर नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बंगुरसिया के पास रविवार सुबह करीब 10:40 बजे वाहन के चालक ने तेज और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार तीन युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार 20 वर्षीय प्रकाश राठिया की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्रारंभिक जांच के दौरान करीब 21 वर्षीय एक अन्य युवक को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं 21 वर्षीय ज्ञानचंद मिर्धा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे बेहतर इलाज के लिए रायगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि तीनों युवक तमनार क्षेत्र के ग्राम महलोई के निवासी थे और किसी काम से रायगढ़ आ रहे थे। इसी दौरान वे हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

गार्ड ऑफ ऑनर देकर शिक्षाविद् माहेश्वरी का देहदान संपन्न

भोपाल। 97 वर्षीय प्रतिष्ठित शिक्षाविद् भोपाल निवासी स्वर्गीय राजेश्वर प्रसाद माहेश्वरी का देहदान एम्स में संपन्न हुआ। उन्होंने लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व स्वयं की इच्छा से देहदान का संकल्प लिया था, जिसे उनके पुत्र विपिन कुमार माहेश्वरी (आईपीएस अधिकारी) एवं परिवारजनों ने पूरा किया। मध्य प्रदेश शासन के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार देहदाता को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया तथा पूरे सम्मान के साथ उनका पार्थिव शरीर एम्स भोपाल लाया गया।

दिव्यांगों की शिक्षा प्रोत्साहन आवेदन की तिथि 31 अगस्त तक

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री दिव्यांगजन शिक्षा प्रोत्साहन योजना का वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 31 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन बुलाए गए हैं। सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को शिक्षा, तकनीक और गतिशीलता से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सादगीपूर्ण विवाह की प्रशंसा की

भोपाल। सीएम डॉ. यादव ने बैतूल में खंडेलवाल परिवार में हुए सादगी पूर्ण विवाह समारोह की प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और उनके परिवार को भेजे संदेश में कहा कि 3 जुलाई को परिवार द्वारा सीमित संख्या में अतिथियों को आमंत्रित कर सादगी पूर्ण विवाह समारोह संपन्न किया। परिवार ने आडंबर विहीन कार्यक्रम आयोजित कर बहुत कम संख्या में अतिथि बुलाकर उत्कृष्ट परंपरा का परिचय देते हुए एक उदाहरण प्रस्तुत किया।

ईवी बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा मप्र

ग्रेफाइट के भंडार से 'क्रिटिकल मिनरल हब' के रूप में विकसित हो रहा प्रदेश: डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

◆ विश्वभर में इलेक्ट्रिकल वाहनों, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों की बढ़ती मांग के कारण लगातार बढ़ रही है इसकी आवश्यकता

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि खनिज संपदा की प्रचुरता और निवेश अनुकूल नीतियों से मध्यप्रदेश देश की औद्योगिक प्रगति में अहम भूमिका निभा रहा है। बैतूल से आलीराजपुर तक फैली खनिज बेल्ट में उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट के विशाल भंडार मिलने से प्रदेश देश के उभरते 'क्रिटिकल मिनरल हब' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है।

इस बेल्ट में हाई फिक्स्ड कार्बन और उत्कृष्ट फ्लेकी गुणवत्ता वाला ग्रेफाइट पाया गया है। इसे इलेक्ट्रिकल वाहन (ईवी), ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह खोज मध्यप्रदेश को भविष्य की हरित अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बनाने के साथ देश को हरित ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

खास बातें

- बैतूल से आलीराजपुर तक तेजी से हो रहा विकसित
- हरित ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में निभाएगी महत्वपूर्ण भूमिका

फाइल फोटो।

घरेलू स्तर पर कच्चा माल उपलब्ध कराएगा

ग्रेफाइट लिथियम-आयन बैटरियों के एनोड निर्माण का प्रमुख कच्चा माल है। इलेक्ट्रिकल वाहनों, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों की बढ़ती मांग के कारण इसकी आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में मिल रहा उच्च गुणवत्ता वाला ग्रेफाइट ईवी उद्योग को गति देगा, ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं को सशक्त बनायेगा और पवन एवं सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बैटरी निर्माण में सहायक बनेगा। इसके साथ ही रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों को भी घरेलू स्तर पर कच्चा माल उपलब्ध कराएगा।

आदिवासी क्षेत्रों में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

बैतूल, आलीराजपुर तथा आस-पास के आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्रों में ग्रेफाइट आधारित उद्योगों, प्रसंस्करण इकाइयों तथा रिफाइनरी परियोजनाओं की स्थापना से स्थानीय स्तर पर हजारों प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। इससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी और स्थानीय युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। प्रदेश में उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट के कारण कम लागत पर खनन संभव होगा।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भूमिका महत्वपूर्ण

उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट, स्वर्ण, रेयर अर्थ मिनरल्स, तांबा, मैंगनीज, कोयला, डोलोमाइट तथा अन्य बहुमूल्य खनिजों की उपलब्धता, आधुनिक तकनीक आधारित खनन व्यवस्था, वैज्ञानिक अन्वेषण, बड़े निवेश और औद्योगिक नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन के कारण मध्यप्रदेश देश के सबसे महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक राज्यों में तेजी से उभर रहा है।

ग्रेफाइट औद्योगिक विकास का नया आधार

प्रदेश ग्रेफाइट संसाधनों में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रदेश के बैतूल, आलीराजपुर और सीधी जिलों में उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट के विशाल भंडार चिन्हित किए गए हैं। इन क्षेत्रों से प्राप्त ग्रेफाइट में उच्च स्थिर कार्बन की मात्रा होने के कारण यह इलेक्ट्रोड निर्माण, बैटरी उद्योग तथा अन्य उच्च तकनीकी औद्योगिक उपयोगों के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। प्रदेश में ग्रेफाइट खनन के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन तब आया जब सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने गैर-कोयला खनन क्षेत्र में प्रवेश करते हुए आलीराजपुर जिले के खट्टाली छोटी ग्रेफाइट ब्लॉक का अधिग्रहण किया। इससे प्रदेश में बड़े स्तर पर व्यावसायिक ग्रेफाइट खनन का मार्ग प्रशस्त हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार बैतूल क्षेत्र के ग्रेफाइट शिस्ट में वेनेडियम जैसे महत्वपूर्ण क्रिटिकल मिनरल मिलने की भी संभावना है। इससे यह क्षेत्र देश के सबसे महत्वपूर्ण बहु-खनिज क्षेत्रों में शामिल हो जाएगा।

सांसद फिरोजिया ने अमित शाह को लिखा पत्र

आतंकी पकड़ाने के बाद महाकाल मंदिर की सुरक्षा की फिर उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देवास से हाल ही में एटीएस द्वारा एक संदिग्ध आतंकी की गिरफ्तारी के बाद उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया ने एक बार फिर श्री महाकालेश्वर मंदिर की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। सांसद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर महाकाल मंदिर की सुरक्षा में केंद्रीय रिजर्व फोर्स (सीआरपीएफ) की तैनाती की मांग की है।

सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि श्री महाकालेश्वर मंदिर विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, जहां प्रतिवर्ष लाखों-करोड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक बढ़ेगी, इसलिए अभी से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना आवश्यक है।

पहले भी लिखा पत्र

फिरोजिया ने बताया कि इससे पहले भी उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को महाकाल मंदिर की सुरक्षा को लेकर पत्र लिखा था। उस पत्र के बाद केंद्र सरकार की टीम उज्जैन पहुंची थी, जिसने मंदिर परिसर और सुरक्षा व्यवस्था का सर्वे किया तथा अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी। सांसद का दावा है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया है कि सिंहस्थ से पहले महाकाल मंदिर की सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व फोर्स की तैनाती की प्रक्रिया पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सांसद ने कहा कि देवास से जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्ध आतंकी की गिरफ्तारी और उसके अन्य राज्यों से संपर्क सामने आने के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि उज्जैन के आसपास पहले भी सिमी और पीएफआई जैसी गतिविधियों की चर्चाएं रही हैं।

सीएम से भी अतिरिक्त बल बढ़ाने की मांग

उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने उज्जैन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) से भी चर्चा कर मंदिर की सुरक्षा बढ़ाने का आग्रह किया है। साथ ही मुख्यमंत्री से अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराने की मांग की है। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास गृह विभाग का भी प्रभार है, इसलिए उनसे अपेक्षा है कि सिंहस्थ और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया जाएगा। फिरोजिया ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि केंद्र सरकार महाकाल मंदिर की सुरक्षा को लेकर सकारात्मक निर्णय लेगी।

नव-नियुक्त शिक्षकों के नियुक्ति आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग ने माध्यमिक शिक्षक (हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, संस्कृत, सामाजिक विज्ञान), माध्यमिक शिक्षक (खेल), माध्यमिक शिक्षक (गायन-वादन) के कुल 4067 एवं प्राथमिक शिक्षक के पदों पर 950 अभ्यर्थियों के नियुक्तियों आदेश 3 एवं 4 जुलाई 2026 को जारी किए हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने चयनित सभी 5017 नव-नियुक्त शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बच्चों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जो विजन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अपनाया है, इन नियुक्तियों के रूप में मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

भारी पुलिस बल तैनात, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

प्रार्थना सभा की आड़ में चल रहा था धर्मांतरण का खेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

तारबाहर थाना क्षेत्र स्थित लायंस क्लब भवन के पास आयोजित एक प्रार्थना सभा उस समय विवादों में घिर गई, जब हिंदू संगठनों ने वहां कथित धर्मांतरण का आरोप लगाया। सूचना मिलने पर संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और कार्यक्रम का विरोध करते हुए पुलिस को इसकी जानकारी दी। स्थिति को देखते हुए तारबाहर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया।

हिंदू संगठनों का आरोप है कि प्रार्थना सभा की आड़ में भोले-भाले हिंदू परिवारों, महिलाओं और बच्चों को बीमारी ठीक करने, बच्चों का स्कूल में प्रवेश दिलाने, नशे की लत छुड़ाने तथा अन्य समस्याओं के समाधान का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा था। संगठन ने इसे सुनियोजित धर्मांतरण का प्रयास बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रार्थना सभा में मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है और सभी तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और पुलिस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

मानसून की पहली बारिश ने ही खोली व्यवस्थाओं की पोल

रायपुर। मानसून की पहली तेज बारिश ने शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। ए-1 श्रेणी के रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 की शेड से झरने की तरह पानी गिरने लगा, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। प्लेटफॉर्म पर जलभराव और फिसलन के कारण यात्रियों को सुरक्षित स्थान तलाशना पड़ा, जबकि इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। बारिश का असर शहर की सड़कों पर भी साफ दिखाई दिया। गुढ़ियारी, फाफाडीह और आमानाका अंडरब्रिज में पानी भरने से यातायात प्रभावित हो गया। कई वाहनों के जलभराव में फंसने के बाद कुछ अंडरब्रिजों को बंद करना पड़ा, जिससे लोगों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ा और कई जगह लंबा जाम लग गया। पहली ही तेज बारिश में रेलवे स्टेशन और शहर की जल निकासी व्यवस्था चरमराने के बाद रेलवे प्रशासन और नगर निगम की तैयारियों पर सवाल उठने लगे हैं। यात्रियों और स्थानीय लोगों ने स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि हर बारिश में ऐसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

दिग्विजय के आरोपों को बताया निराधार

दिग्विजय सिंह पहले अपने कार्यकाल का हिसाब दें: वीडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

खजुराहो सांसद एवं पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने दिग्विजय सिंह के राम मंदिर और उज्जैन महाकाल मंदिर की जमीन से जुड़े आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि पूरा देश जानता है कि दिग्विजय सिंह किस तरह के बयान देते हैं। वीडी शर्मा ने कहा कि यदि राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े किसी भी मामले में अनियमितता की शिकायत आई है तो ट्रस्ट ने स्वयं संज्ञान लिया है, सरकार ने उनके ही अनुरोध पर एसआईटी गठित की गई और निष्पक्ष जांच जारी है। यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। महाकाल मंदिर की जमीन पर आरएसएस के गेस्ट हाउस बनाने के आरोपों पर भी वीडी शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह पहले अपने कार्यकाल का हिसाब दें।

वीडी शर्मा

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल में चरनोई भूमि के आवंटन को लेकर स्वयं दिग्विजय सिंह ने बाद में उसे अपनी बड़ी गलती बताया था। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह लगातार हिंदुत्व और सनातन पर सवाल खड़े कर उसे बदनाम करने की कोशिश करते रहे है, जबकि भाजपा सरकार पारदर्शिता के साथ हर मामले की जांच कर रही है।

गनियारी के श्मशान घाट में पूरे राजकीय सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

पंडवानी गायिका तीजन बाई की अंतिम यात्रा में शामिल हुईं नामचीन हस्तियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

पद्मविभूषण और प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई का रायपुर एम्स में आज तड़के तीन बजे निधन हो गया। उनके निधन से पूरे छत्तीसगढ़ में शोक की लहर है। वे लंबे समय से बीमार थीं। 27 मई से उन्हें रायपुर एम्स के क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती कराया गया था। तीजन बाई के फेफड़ों में पानी भरने, निमोनिया और लो ब्लड प्रेशर की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दुर्ग जिले के उनके पैतृक गांव गनियारी में रविवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, दुर्ग सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाडा और धरसीवा विधायक अनुज शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और कला जगत से जुड़े लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

अंतिम संस्कार से पहले दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

तीजन बाई को कला के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्मश्री, पद्मभूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मविभूषण से सम्मानित किया जा चुका था। यही कारण रहा कि उनके अंतिम दर्शन के लिए दुर्ग जिले सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से हजारों लोग गनियारी पहुंचे। गनियारी के श्मशान घाट में तीजन बाई को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई।

विस अध्यक्षता वाली समिति ने लोकसभा अध्यक्ष को सौंपी रिपोर्ट

विधानसभा समिति प्रणाली को और प्रभावी बनाने 11 सिफारिशें

» विस समिति प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने 11 अनुशंसाएं तैयार कर अंतिम रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

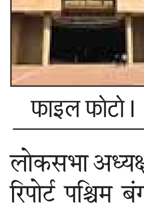

फाइल फोटो।

मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति ने विधानसभा समिति प्रणाली को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए 11 महत्वपूर्ण अनुशंसाएं तैयार कर अपनी अंतिम रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी है। यह रिपोर्ट पश्चिम बंगाल विधानसभा, कोलकाता में आयोजित समिति की अंतिम बैठक के बाद प्रस्तुत की गई। समिति में मध्य प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और ओडिशा विधानसभा के अध्यक्ष शामिल थे। रिपोर्ट सौंपने के दौरान मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष रथीन्द्र नाथ बोस, सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष मिंग्मा नोर्बु शेरपा तथा ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष सुरामा पाढी मौजूद रहे।

समिति का गठन किया था

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधायी कार्यवाही में वित्तीय एवं तदर्थ समितियों की भूमिका को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से इस समिति का गठन किया था। समिति ने तीन चरणों में बैठकें आयोजित कर विभिन्न विषयों पर विस्तृत मंथन किया। पहली बैठक 14 जुलाई 2025 को भोपाल, दूसरी 5 मई 2026 को जयपुर और तीसरी एवं अंतिम बैठक 4 जुलाई 2026 को कोलकाता में हुई। समिति ने अपनी रिपोर्ट में विधानसभा समितियों की कार्यप्रणाली को मजबूत बनाने के लिए 11 प्रमुख बिंदुओं पर सिफारिशें की हैं। इनमें समितियों की बैठकों की संख्या बढ़ाने, सदस्यों के कार्यकाल और कोरम की व्यवस्था, समितियों की अनुशंसाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विधेयकों को समितियों के पास भेजने की प्रक्रिया, समिति प्रतिवेदनों पर सदन में चर्चा, विशेषज्ञों को आमंत्रित करने, सदस्यों के प्रशिक्षण कार्यक्रम, मौखिक साक्ष्य के दौरान विभागीय अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति, बजट परीक्षण के लिए स्थायी समितियों का गठन, सलाहकार समितियों के गठन तथा अध्ययन दौरों के बाद की जाने वाली कार्रवाई जैसे विषय शामिल हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद का व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी प्रासंगिकः राकेश सिंह

भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन को लोक निर्माण मंत्री ने किया संबोधित

जबलपुर। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने अपना पसम्पूर्ण जीवन विचारधारा के प्रति समर्पित कर दिया और यहीं कारण है कि उनकी 125 वीं जन्म जयंती पर आज भी उनका व्यक्तित्व और कृतित्व प्रासंगिक है, सिर्फ भारतीय जनसंघ के कारण ही नहीं बल्कि उनकी विचारधारा के कारण, उनकी देश भक्ति के कारण, उनकी विद्वता के कारण जहां देश के इतने बड़े परिवार का व्यक्ति जो सम्पन्नता होने के बाद भी भारत माता के लिए इतना संघर्ष मन प्राण में रखता हो वास्तव में उनका जीवन प्रेरणा है, आज उनकी विचारधारा के कारण देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी आज राष्ट्र प्रथम के भाव को लेकर को लेकर आगे बढ़ रहे है, यह बात मध्य प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए भाजपा कार्यालय रानीताल में कही।

भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, सांसद श्री आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुज बिज, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकान्त साहू, डॉ जितेंद्र जामदार, दीपांकर बैनर्जी, स्वाति गोडबोले, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी, निशक्त जन कल्याण प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक संदीप रजक, महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, अमित सोनू बचवानी की उपस्थिति में जिला कार्यकर्त्ता सम्मेलन का आयोजन भाजपा कार्यालय में किया गया।

कार्यकर्त्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में हमारी जिम्मेदारी है कि जब आज भारत पूरे विश्व में अपना परचम लहरा रहा है तब हमें भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए ताकि भारत विश्वगुरु बन सके श्यामा प्रसाद जी के विचारधारा को आत्मसात करते हुए भारत माता को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए ताकि 2047 तक भारत पूर्ण विकसित राष्ट्र हो आज हम विदेशों में बड़ी मात्रा में निर्यात कर रहे हैं, और स्वदेशी बस्तुओं को अपनाते हुए ही हम आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

सांसद श्री आशीष दुबे ने कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा का इतिहास एवं विकास बताते हुए कहा कि आज हम भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में गौरवान्वित महसूस करते है हमें इस बात का भी भलीभांति जानकारी होना चाहिए कि हमारा जन्म कैसे हुआ। श्री आशीष दुबे ने कहा आजादी के आंदोलन को द्विराष्ट्र की विचारधारा ने दूषित करने का प्रयास किया आजादी मिलने के बाद गांधी जी की हत्या का आरोप संघ पर लगाकर उस पर प्रतिबंधित करने का कुत्सित प्रयास किया गया।

राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि ने एकात्मनववाद पर कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा 1960 में क्रांतिकारी विचार के रूप में एकात्म मानवबाद का विचार सभी ने ग्राहय किया, पंडित दीनदयाल जी ने कहा कि एकदृष्टि से देखे तो मन बुद्धि आत्मा एक ही है जो संतुलित है एवं मनुष्य का विकास अतिआवश्यक है, एकात्ममानववाद की संरचना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का उत्थान, अंत्योदय के माध्यम से समाजिक के प्रत्येक व्यक्ति का उत्थान और स्वदेशी बस्तुओं को अपनाना, ताकि हम आत्म निर्भर बन सकें।

जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने स्वागत भाषण में कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 जयंती पर 23 जून से 6 जुले तक आयोजित स्मरण पक्ष में हमने भाजपा के इतिहास, विकास, डॉ श्यामाप्रसाद जी के जीवन, एकात्म मानववाद पर हमने वक्ताओं के विचार सुने , भाजपा एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जो अपनी परिपाटी से भली भांति परिचित होकर राष्ट्रहित हेतु कार्य करता है देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है।

इस अवसर पर सदानंद गोडबोले, अभय सिंह ठाकुर, शंकर श्रीवास्तव, राजेश मिश्रा, रजनीश यादव, प्रणीत वर्मा, अंजू भार्गव, योगेंद्र राजपूत, कौशल सूरी, मनीष जैन कल्लू, अशोक रोहितास, रीना राय, विवेक अग्रवाल, योगेश बिलोहा, सुषमा जैन, रजनी यादव, कमलेश अग्रवाल, संजय यादव, योगेंद्र सिंह ठाकुर, आत्मिका सिंह, दशरथ पटेल, संतोषी ठाकुर, जागेश समुंद्रे, विनय अमलाथे, संजय चौधरी अमित जैन, नंदकुमार यादव के साथ पार्षद मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ऑल राउंडर कराते क्लब ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

जबलपुर। राइट टाउन स्टेडियम में 28 जून को आयोजित 14वीं केटीसी कप राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता में 08 जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में ऑल राउंडर क्लब के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 17 स्वर्ण, 10 रजत एवं 05 कांस्य पदक जीतकर क्लब और शहर का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के आयोजन में राजेन्द्र सर, प्रकाश सर, पीटर जोना, मुकेश, आशुतोष सोनी, हर्ष, विपुल, लक्ष्मी एवं तनु का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने पर खिलाड़ियों को रामजी यादव, टिकेन्द्र यादव, अखिलेश एवं प्रवीण सहित क्लब सदस्यों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

आकाशीय बिजली गिरने से गुल रही बिजली, 6 घंटे बाद मुश्किल से आई

बरेला। बारिश का दौर प्रारंभ हो चुका है इस दौर में आज दोपहर 2:00 बजे जोरदार हवाएं चलने तथा आकाशीय बिजली तड़कने से नगर की विद्युत व्यवस्था चरमरा गई। स्थानीय लोगों ने बताया जाता है कि दोपहर 2:00 बजे से गायब हुई बिजली रात 8:00 बजे ही वापस आई । इस 6 घंटे बिजली गुल होने से नगर के लोगों के सभी काम काज प्रभावित हुए तथा घरों में भी अंधेरा छाया रहा। बताया जाता है कि औद्योगिक क्षेत्र मनेरी के आसपास 32 के वी लाइन में तीन चार जगह आकाशीय बिजली गिरने से कई खम्भों के इंसुलेटर जल गए। इसकी वजह से बिजली व्यवस्था को दुरस्त होने में समय लग गया। इस संबंध में जे ई राजीव चौधरी ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से 32 के वी लाइन के खंभे में इंसुलेटर जल गए हैं। इसकी वजह से बिजली का फॉल्ट ढूंढने में समय लग गया।इसी प्रकार नगर में आकाशीय विजली तड़कने से कुछ लोगों के घरेलू उपकरण भी खराब हो गए। इस संबंध में वार्ड नंबर 6 के निवासी हिमांशु साहू ने बताया कि उनके घर में लगा हुआ एग्जॉस्ट फैन आकाशीय बिजली से खराब हो गया। इसी प्रकार नगर के आने के लोगों को उपकरण खराब हो गए हैं।

भाजपा ग्रामीण जिले का कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर ग्रामीण द्वारा आयोजित जिला कार्यकर्ता सम्मेलन भारतीय जनता पार्टी कार्यालय रानीताल में संपन्न हुआ। ग्रामीण जिला कार्यकर्ता सम्मेलन प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, ग्रामीण अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकिग्रामीण जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अजय बिश्नोई, नीरज सिंह, संतोष बरकड़े, जिप अध्यक्ष श्रीमती आशा गोंटिया की उपस्थिति में सम्मेलन संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्रीमती नंदनी मरावी , राकेश दहिया, रुपेश पटेल, अनुपम सराफ, पुष्पराज सिंह, आशीष पटेल, अभिषेक सिंह हरि, अल्का गर्ग, ओम दुबे, अंकुर जैन, नीलू बाजपेई , कृष्ण शेखर सिंह सहित मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं बूथ स्तर के समस्त कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

जबलपुर। पनागर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाकू और डंडे से हमला करने का मामला सामने आया है। घायल को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पनागर थाना पुलिस के अनुसार ग्राम पड़रिया निवासी अनिकेत उर्फ अंकित कोरी 3 जुलाई की रात ग्राम भर्दा खेरमाई में अपने रिश्तेदार के साथ हुए विवाद को शांत कराने पहुंचा था। इसी दौरान करन कोल और उसके साथी ने पुरानी रंजिश को लेकर उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि करन कोल ने चाकू से हमला किया, जिससे बचाव के दौरान अनिकेत के दोनों हाथ घायल हो गए। वहीं उसके साथी ने डंडे से सिर और पीठ पर वार किया। घटना के बाद दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने बीएनएस की धारा 296, 109, 351(2) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

डुमना नेचर पार्क में रेस्टॉरेंट बनाने का विरोध करेगा उपभोक्ता मंच

पूर्व के एमटीपी रेस्टॉरेंट को चलाएंगे : महापौर

जबलपुर। डुमना नेचर पार्क में किसी भी प्रकार के निर्माण का विरोध किया जाएगा, क्योंकि इससे पूरे देश भर में प्रसिद्धि प्राप्त डुमना अर्बन फारेस्ट तहस-नहस हो जाएगा। खंदारी जलाशय से लगे इस डुमना नेचर पार्क को खंदारी जलाशय का कैचमेंट एरिया माना जाता है और खंदारी जलाशय के कैचमेंट एरिया में किसी भी प्रकार के निर्माण पर हाईकोर्ट ने पाबंदी लगाई है। अतः इस नेचर पार्क में कोई भी निर्माण करना हाईकोर्ट के निर्देशों की अह्वेलना होगी।

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने 05 जुलाई की सुबह महापौर निवास में जगत बहादुर सिंह अन्नू से मुलाकात कर आपत्ति जताई। महापौर ने जानकारी दी कि मेयर इन काउंसिल ने इस संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया है, केवल संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश दिए हैं कि क्या डुमना नेचर पार्क में पीपीपी मोड़ पर स्वीस टेंट पद्धति से रेस्टॉरेंट चलाया जा सकता है, इसकी संभावनाएं देखते हुए प्रस्ताव बनाया जाए। एमआईसी ने यह भी निर्देश दिए कि यह रेस्टॉरेंट पूर्व में एमटीपी द्वारा बनाये गए भवन में ही शुरू किया जाए, क्योंकि वर्तमान में एमटीपी का यह रेस्टॉरेंट बंद पड़ा है। महापौर ने जानकारी दी कि अभी तक कोई टेंडर जारी नहीं किया गया है तथा डुमना नेचर पार्क में किसी भी प्रकार का निर्माण करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

नगर निगम परिचर्चा आयोजित करे

डॉ. पीजी नाजपांडे ने सुझाव दिया कि 2000 एकड़ में बने हुए डुमना अर्बन फारेस्ट में अभी भी भारी प्रसिद्धि नहीं मिली है, जबकि यह अर्बन फारेस्ट देश में सबसे बड़ा है। अतः इस संबंध में वैज्ञानिक, पर्यावरण विशेषज्ञ तथा सामाजिक संस्थाओं को आमंत्रित कर परिचर्चा आयोजित की जाए। इस पर महापौर ने आश्वस्त किया कि अगले कुछ ही दिनों में डुमना नेचर पार्क में ही एक परिचर्चा आयोजित की जाएगी। चर्चा में डॉ. पीजी नाजपांडे, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, एड. जीएस सोनकर, इंजी. पीएस राजपूत तथा राममिलन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

एडवोकेट सुदीप सिंह सैनी अध्यक्ष नियुक्त

जबलपुर। एशियन स्पोर्ट्स फेडरेशन (पंजीकृत), दिल्ली से संबद्ध चन्नाराम स्पोर्ट्स फेडरेशन ने मध्यप्रदेश एशियन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर एडवोकेट सुदीप सिंह सैनी की नियुक्ति की है। यह नियुक्ति मध्यप्रदेश के महासचिव प्रकाश यादव की अनुशंसा पर की गई। संगठन ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में प्रदेश में खेल गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। एडवोकेट सुदीप सिंह सैनी की नियुक्ति पर जबलपुर एसोसिएशन के संजय साहू, सुनील यादव, एन.बी. क्षत्री, हर्षित यादव, प्रदीप पटेल, विजय रजक, नीलेश केवट, ऋषिभान सिंह ठाकुर, हर्ष पुरी गोस्वामी, परेश सोनी एवं एडवोकेट विकास नाथन सहित अन्य पदाधिकारियों और सदस्यों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

राजेन्द्र सिंह बैस बने संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

जबलपुर। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री एडवोकेट राजेन्द्र सिंह बैस को संगठन का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट हरिनाथ पाठक ने संगठन के प्रति उनकी सक्रियता, निष्ठा और समर्पण को देखते हुए यह नियुक्ति की है। यह मनोनयन राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष साक्षी गोपाल दीक्षित की अनुशंसा पर किया गया।

जबलपुर भाजपा में 'महामंत्री' को लेकर महाभारत!

नगर संगठन में घमासान, भोपाल तक पहुंची खींचतान

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी के जबलपुर नगर संगठन में नवनियुक्त नगर महामंत्री सोनू बचवानी की नियुक्ति के बाद संगठन के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है। जो असहमति अब तक बंद कमरों में चर्चा का विषय थी, वह अब खुले तौर पर सामने आने लगी है। सूत्रों के अनुसार मामला सिर्फ स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसकी गूंज भोपाल स्थित प्रदेश संगठन तक पहुंच चुकी है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि नगर संगठन के भीतर इन दिनों दो धड़े सक्रिय नजर आ रहे हैं। एक धड़ा सोनू बचवानी की कार्यशैली और बढ़ते प्रभाव को संगठन के लिए सकारात्मक बता रहा है, जबकि दूसरा धड़ा इसे संगठन में शक्ति के असंतुलन के रूप में देख रहा है।

नियुक्ति के साथ ही शुरू हो गया था विरोध

सूत्रों का दावा है कि नगर महामंत्री पद पर सोनू बचवानी की नियुक्ति की चर्चा शुरू होते ही कुछ नेताओं ने इसका विरोध किया था। हालांकि प्रदेश नेतृत्व ने संगठनात्मक निर्णय पर मुहर लगा दी और विरोध करने वालों को पीछे हटना पड़ा। लेकिन अब वही असंतोष एक बार फिर सतह पर आ गया है। बताया जा रहा है कि हाल के दिनों में संगठन की कार्यशैली, कार्यक्रमों के संचालन और निर्णय प्रक्रिया को लेकर कई शिकायतें प्रदेश नेतृत्व तक भेजी गई हैं। हालांकि इन शिकायतों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

'एक चेहरे के इर्द-गिर्द सिमट रहा संगठन'

विरोधी गुट का आरोप है कि नगर संगठन की अधिकांश गतिविधियां एक ही पदाधिकारी के इर्द-गिर्द केंद्रित होती जा रही हैं। कार्यक्रमों की रूपरेखा, मंच संचालन, आमंत्रण सूची, जिम्मेदारियों का बंटवारा और कई महत्वपूर्ण फैसलों में सोनू बचवानी की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। इसी वजह से कई वरिष्ठ और पुराने कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जब किसी संगठन में एक चेहरा तेजी से उभरता है तो स्वाभाविक रूप से दूसरे नेताओं के बीच असहजता बढ़ने लगती है। जबलपुर भाजपा में भी कुछ ऐसा ही माहौल बनने की चर्चा है।

समर्थकों का पलटवार—'मेहनत का मिला है सम्मान'

दूसरी ओर सोनू बचवानी के समर्थक इन आरोपों को निराधार बता रहे हैं। उनका कहना है कि बचवानी वर्षों से युवा मोर्चा और पार्टी संगठन में लगातार सक्रिय रहे हैं। बूथ स्तर से लेकर बड़े आयोजनों तक उनकी भूमिका प्रभावी रही है। समर्थकों का कहना है कि संगठन ने उनकी कार्यक्षमता, सक्रियता और समर्पण को देखते हुए ही उन्हें नगर महामंत्री जैसा महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। समर्थकों का यह भी कहना है कि किसी भी जिम्मेदार पदाधिकारी की सक्रियता को विवाद का विषय बनाना उचित नहीं है और कुछ लोग व्यक्तिगत असंतोष को संगठनात्मक मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

भोपाल की नजर जबलपुर पर?

सूत्रों के मुताबिक पूरे घटनाक्रम की जानकारी प्रदेश नेतृत्व तक पहुंच चुकी है। संगठन स्तर पर फीडबैक लिया जा रहा है और नगर संगठन की कार्यशैली को लेकर रिपोर्ट भी तलब किए जाने की चर्चा है। हालांकि भाजपा की ओर से इस पूरे मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

आगे क्या

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि अंदरूनी मतभेद समय रहते नहीं सुलझे, तो इसका असर संगठन की सक्रियता, आगामी चुनावी तैयारियों और बूथ प्रबंधन पर पड़ सकता है। दूसरी ओर यदि प्रदेश नेतृत्व हस्तक्षेप करता है, तो यह मामला जल्द शांत भी हो सकता है। फिलहाल इतना तय है कि जबलपुर भाजपा में नगर महामंत्री की नियुक्ति अब केवल एक संगठनात्मक फैसला नहीं रह गई है, बल्कि यह संगठन के भीतर शक्ति संतुलन, नेतृत्व और राजनीतिक वर्चस्व की नई बहस का केंद्र बन चुकी है। आने वाले दिनों में सबकी नजर भोपाल के रुख और प्रदेश नेतृत्व के अगले कदम पर रहेगी।

भरोसे का कत्ल, सिलाई सीखने गई युवती राजस्थान में फंसी

खमरिया के दो युवकों ने रची गहरी साजिश

जबलपुर। डिंडौरी जिले के ग्राम घुटैना रैयत निवासी 46 वर्षीय पंचम सिंह परस्ते की 20 वर्षीय बेटी को सिलाई प्रशिक्षण का लालच देकर दो युवक अपने साथ ले गए। खमरिया-पिपरिया के रहने वाले इन युवकों ने पहले युवती को भरोसे में लिया और 5 जून को उसे घर से ले गए। आरोपियों ने उसे बैंगलोर, उज्जैन और भोपाल में घुमाने के बाद राजस्थान ले जाकर छोड़ दिया है। अब पीड़िता लगातार अपने पिता को फोन कर मदद की गुहार लगा रही है, जबकि दोनों युवकों के मोबाइल फोन बंद आ रहे हैं। इस गंभीर मामले में पीड़ित पिता ने पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर आपबीती सुनाई है, जिसके बाद खमरिया थाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवती की तलाश तेज कर दी है।

सिलाई प्रशिक्षण के नाम पर रची गई साजिश

आरोपियों ने युवती को बेहतर भविष्य और सिलाई सीखने का सुनहरा सपना दिखाया था। पिता ने विश्वास करके अपनी बेटी को उनके साथ भेजा, लेकिन अब उन्हें अपनी बेटी की सुरक्षा की चिंता सता रही है। राजस्थान से आ रही फोन कॉल्स में बेटी की घबराहट साफ सुनाई दे रही है, जिससे परिजन सदमे में हैं। पुलिस को दिए बयान में पिता ने स्पष्ट किया है कि खमरिया-पिपरिया के रहने वाले दोनों युवकों ने ही उनकी बेटी को अगवा किया है। घटना के बाद से ही पूरे क्षेत्र में आक्रोश है और ग्रामीण जल्द से जल्द युवती की सकुशल वापसी की मांग कर रहे हैं। पुलिस अब दोनों आरोपियों की लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश कर रही है ताकि युवती को सुरक्षित घर लाया जा सके। पुलिस की टीम ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि गुमशुदगी के आधार पर केस दर्ज किया गया है और जल्द ही आरोपियों को हिरासत में लेकर युवती को उनके चंगुल से छुड़ाया जाएगा। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन के आधार पर दबिश देने की तैयारी शुरू कर दी है। पीड़िता के परिजनों का कहना है कि वे हर दिन पुलिस दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं ताकि बेटी का पता चल सके। पूरे घटनाक्रम ने डिंडौरी में रहने वाले परिवारों को सतर्क कर दिया है। फिलहाल पिता को उम्मीद है कि प्रशासन की तत्परता से उनकी बेटी जल्दी ही उनके पास होगी।

अधूरे निर्माण कार्य से बढ़ी परेशानी

सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल, महीनों से नहीं लगी झाड़ू

जबलपुर। स्वच्छता सर्वेक्षण में देश के स्वच्छ शहरों की सूची में पांचवां स्थान हासिल करने वाला जबलपुर इन दिनों शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था और अधूरे निर्माण कार्यों को लेकर सवालों के घेरे में है। शहर के कई इलाकों में नियमित सफाई नहीं होने और निर्माण सामग्री सड़कों पर पड़ी रहने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार विक्टोरिया हॉस्पिटल रोड, नया मोहल्ला मस्जिद रोड, श्रीनाथ की तलैया, अंजुमन मार्केट और करमचंद चौक जैसे क्षेत्रों में लंबे समय से नियमित झाड़ू नहीं लग रही है। लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर महीनों से सफाई नहीं हुई, जिससे गंदगी का अंबार लगने लगा है।

विक्टोरिया हॉस्पिटल रोड के रहवासियों ने बताया कि उन्होंने इस समस्या को लेकर पार्षद, नगर निगम के सुपरवाइजर और सीएम हेल्पलाइन तक शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इधर, नया मोहल्ला मस्जिद रोड पर पेवर ब्लॉक बिछाने का कार्य भी लंबे समय से अधूरा पड़ा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार ने निर्माण सामग्री और पेवर ब्लॉक सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से छोड़ दिए हैं, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। शहरवासियों का कहना है कि जबलपुर स्मार्ट सिटी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन यदि सड़क, सफाई और निर्माण कार्यों जैसी बुनियादी सुविधाओं में सुधार नहीं हुआ तो महानगर बनने की राह में यह बड़ी बाधा साबित हो सकती है।

अब लोगों की नजर नगर निगम प्रशासन पर है कि वह सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने और अधूरे निर्माण कार्यों को समय पर पूरा कराने के लिए क्या कदम उठाता है।

गढ़ा और कछपुरा में सफाई और वर्षाजल निकासी व्यवस्था देख जताई प्रसन्नता

निगमायुक्त ने किया दो संभागों का निरीक्षण

जबलपुर।

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार रविवार को सुबह-सुबह सफाई और वर्षाजल निकासी की व्यवस्था देखने धरातल पर उतरे। उन्होंने शहर के दो प्रमुख संभागों—गढ़ा और कछपुरा का अधिकारियों के साथ सघन दौरा किया। क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था और जल निकासी के इंतजामों की जमीनी हकीकत को देखा। दौरे के दौरान दोनों संभागों के विभिन्न वार्डों में सफाई व्यवस्था काफी बेहतर और सुदृढ़ नजर आई। मानसून के मौसम को देखते हुए जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए की गई पूर्व तैयारियों का असर भी सड़कों और नालों में साफ देखने को मिला। वर्षाजल निकासी के सुचारू प्रबंध और मुस्तैद सफाई कर्मियों को देखकर निगमायुक्त ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर शुक्ला नगर में पूजा डेयरी संचालक सड़क पर व्यवसाय करते पाए जाने पर संचालक पर एक हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया।

सराहनीय कार्य पर जताई खुशी, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों, इंजीनियरों और मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों के साथ वार्डों की गलियों का जायजा लिया।

सफाई मित्रों की थपथपाई पीठ

सुबह-सुबह मुस्तैदी से काम कर रहे सफाई कर्मचारियों के कार्य को निगमायुक्त ने सराहा और उनका हौसला बढ़ाया। कछपुरा और गढ़ा के संवेदनशील क्षेत्रों में पानी निकासी की बेहतर व्यवस्था मिलने पर उन्होंने कहा कि अधिकारियों की पूर्व योजना और मैदानी अमले की सक्रियता के कारण नागरिकों को जल भराव से बड़ी राहत मिली है।

अधिकारियों को सजग रहने के निर्देश

निगमायुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इस मुस्तैदी को कम न होने दें। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम को 24 घंटे एक्टिव रखा जाए और जहां भी जल भराव की मामूली शिकायत भी आए, वहां तुरंत रिस्पॉन्स टीम भेजी जाए।इस औचक निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त के साथ नगर निगम के अपर आयुक्त अशफाक परवेज कुरैशी, कार्यपालन यंत्री जी एस मरावी, स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा, संभागीय अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह सहायक स्वास्थ्य अनिल बारी संभागीय अधिकारी, संभागीय यंत्री वीरेंद्र पाण्डेय, उपयंत्री अनूप पटेल,मुख्य स्वच्छता निरीक्षक आनंद राव, संतोष गौर, संतोष माहौर, स्वच्छता निरीक्षक अभिषेक मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

भगवान जगन्नाथ अनासर काल में

16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथयात्रा

जबलपुर। सिद्धि बाला बोस लाइब्रेरी एसोसिएशन, सिटी बंगाली क्लब स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में देव स्नान पूर्णिमा के उपरांत भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा इन दिनों परंपरानुसार अनासर (विश्राम) काल में विराजमान हैं। इस अवधि में मंदिर के पट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ बंद हैं। मान्यता के अनुसार देव स्नान के बाद भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं, इसलिए वे विश्राम करते हैं। इस दौरान मंदिर के पुजारी प्रतिदिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान को दलिया, खिचड़ी,औषधीय काढ़ा एवं अन्य आयुर्वेदिक प्रसाद अर्पित कर रहे हैं। संस्था के सचिव प्रकाश साहा ने बताया कि भगवान श्री जगन्नाथ 16 जुलाई 2026 (गुरुवार) को सायं 5:30 बजे भव्य रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान करेंगे तथा श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। रथयात्रा सिटी बंगाली क्लब परिसर से प्रारंभ होकर मालवीय चौक, सुपर मार्केट, गंजीपुरा, लार्डगंज,

घमंडी चौक, बड़ा फुहारा, अंधेरदेव एवं तुलाराम चौक होते हुए पुनः सिटी बंगाली क्लब परिसर स्थित भगवान की मौसी माँ के घर (गुंडिचा मंदिर) पहुँचेगी। रथयात्रा के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए घी भात, चने की दाल एवं समोसा का महाप्रसाद वितरित किया जाएगा। रथयात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए ड्रेस कोड भी निर्धारित किया गया है। पुरुषों से पीला कुर्ता तथा महिलाओं से पीली साड़ी अथवा पीली कुर्ती धारण कर शामिल होने का आग्रह किया गया है। भगवान श्री जगन्नाथ 16 जुलाई से 23 जुलाई तक अपनी मौसी माँ के घर विराजमान रहेंगे। इस अवधि में प्रतिदिन पूजा-अर्चना, संध्या आरती, भजन-कीर्तन एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा भगवान को प्रतिदिन विविध स्वादिष्ट व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाएगा। इसके पश्चात 24 जुलाई 2026 को पूर्ण रथयात्रा (बहुदा यात्रा) निकाली जाएगी, जिसमें भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा पुनः भव्य शोभायात्रा के साथ अपने निज मंदिर पधारेंगे। संस्था ने सभी श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों से रथयात्रा एवं धार्मिक आयोजनों में सपरिवार सहभागिता कर भगवान श्री जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।

मंडी अनुज्ञप्ति धारी का मंडी लायसेंस निलंबित

सिहोरा। कृषि उपज मंडी सिहोरा में किसान के साथ अभद्र व्यवहार करना व्यापारी के लिए भारी पड़ गया। कृषि उपज मंडी समिति सिहोरा द्वारा मंडी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत की गई वैधानिक कार्यवाही में व्यापारी मेसर्स वंदना इंडस्ट्रीज का मंडी लायसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। व्यापारी के द्वारा मंडी प्रांगण में स्थापित भुगतान कक्ष में लक्ष्मी प्रसाद पटैल पिता रामलाल पटैल निवासी हरदुआ बंधा को वंदना इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि देवेंद्र जैन उर्फ गोपी के द्वारा अपशब्दों/ का प्रयोग एवं गाली-गलौज का विडियों वायरल हुआ था जिसकी जाँच करने हेतु जांच दल का गठन किया गया। जाँच प्रतिवेदन से यह स्पष्ट है कि वंदना इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि द्वारा मंडी अधिनियम एवं अनुज्ञप्ति की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन किया गया। उक्त कृत्य एवं जाँच प्रतिवेदन तथा ब्रीफ को भारसाधक अधिकारी द्वारा संज्ञान में लेकर फर्म वंदना इंडस्ट्रीज के थोक व्यापार अनुज्ञप्ति को 07 दिवस के लिये निलंबित करने के आदेश दिये गये हैं। कृषि उपज मंडी समिति सविता धुर्वे ने बताया गया कि मंडी परिसर में किसानों हम्मालों तुलावटी व्यापारियों एवं अन्य कार्यकारियों के हितों की सुरक्षा,पारदर्शी,व्यापार व्यवस्था बनाये रखना मंडी समिति सिहोरा की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंडी अधिनियम एवं नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यापारी अथवा अन्य कृत्य कारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

इस वर्ष भी बनेंगे क्या जल प्लावन के हालात

व्हाय नाला के सीमांकन एवं नाला की साफ सफाई पर उठ रहे

सिहोरा। मानसून के सक्रिय होने पर हर वर्ष सिहोरा नगर पालिका क्षेत्र की लगभग एक दर्जन से अधिक कालोनी जलमग्न हो जाती है इन कालोनी में निवासरत सैकड़ों लोगो ने लाखों रूपये खर्च कर सपनो का आशियाना तो खडा. कर दिया लेकिन उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा होगा की मानसून के सक्रिय होने पर टापू में कैद होकर रहना पडेग़ा। वही नगर की पालक संस्था वैध अवैध कालोनी का रोना रोकर अपने कर्तव्यों की इती श्री कर लेती है। विदित हो कालोनी के जलमग्न होने की मुख्य वजह बरसाती पानी की निकासी के एक मात्र स्त्रोत वाहनाला की भूमी पर अतिक्रमण के अलावा जलधारा की दिशा को कालोनाइजर द्वारा अपनी सुविधा अनुसार मोड़ देना बताया जाता है। लाखों रु खर्च करने के बाद सीधे सादे लोग वर्षा काल में नरकीय जीवन जीने मजबूर रहते हैं और राजस्व अमले की क्रपा प्राप्त भूमाफिया तो चांदी काट रहे है।

15 मीटर का नाला 5 फुट का बचा

कुर्रे से प्रारंभ होने वाला वाहनाला जो करीब 8 वार्ड को कवर करता है जिसमें करीब आधा दर्जन से अधिक कालोनियां है। बताया जाता है कि राजस्व विभाग रिकार्ड में नाला की चौड़ाई लगभग 15 मीटर है लेकिन मौके पर नाला की चौड़ाई 5 फुट की भी नहीं बची है जिसके कारण विगत दिनों राजस्व अमले द्वारा किए गये सीमांकन पर सवालिया निशान लग रहें हैं।

भारी बारिश के दौरान जलमग्न हो जाती है कालोनी

वर्षा के दौरान बरसाती पानी की निकासी न हो पाने के कारण जेल रोड ज्वालामुखी,बाबाताल, पालीवाल सहित अनेक कालोनी में जल प्लावन की समस्या खडी. हो जाती है गत वर्ष स्थानीय विधायक ने जलमग्न कालोनीयो का टेक्टर से निरीक्षण कर स्थानीय लोगों को आश्वस्त कराया था की नाले से अतिक्रमण चिन्हित कर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था की जायेगी।इसके बाद साल भर तो नगर पालिका चैन की नींद सोती रही लेकिन एकाएक जल संवर्धन एवं संरक्षण अभियान का फोटो शूट कराने व्हाय नाला का सीमांकन कराके जेसीबी तथा पोकलेन मशीन लगाकर नाले में लगी घास झाडी.आदि साफ कराके अपने कर्तव्यों की ईती श्री कर ली। स्थानीय लोग राजस्व अमले के सीमांकन एंव नगर पालिका द्वारा नाले के शहरीकरण पर सवाल उठा रहे हैं कालोनी के वाशिंदों को इस बात की चिंता सता रही है की जब मानसून सक्रिय होगा तो क्या इस वर्ष भी उन्हें फिर अपने घरों में कैद होना पड़ेगा।

शासकीय स्कूल मैदान में भरा पानी

अभी मानसून पूरी तरह से सक्रिय भी नहीं हुआ की स्कुल के मैदान में पानी भरने लगा है जब लगातार पानी गिरेगा तो क्या हालत होगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। निकटवर्ती एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला नांदघाट के मैदान में बारिश का पानी भर जाने के कारण बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।इसी तरह बगल में बनी आंगनबाड़ी केंद्र के सामने भी पानी भर गया।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर ब्लैकमेल एवं झूठी शिकायतों का आरोप

निष्पक्ष जांच और एफआईआर की मांग

जबलपुर। नगर निगम जबलपुर के कर्मचारी एवं मध्यप्रदेश अजाक्स (AJAKS) संघ (नगर निगम) के अध्यक्ष अमित मेहरा (पिता स्व. शिवचरण मेहरा) ने उनके विरुद्ध कथित रूप से कूटरचित (फर्जी) दस्तावेज तैयार कर लगातार झूठी शिकायतें करने, मानसिक रूप से प्रताड़ित करने, ब्लैकमेल करने तथा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने संभागायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), जिला दण्डाधिकारी (कलेक्टर), पुलिस अधीक्षक (एसपी), नगर निगम आयुक्त, जबलपुर तथा थाना प्रभारी, ओमती को लिखित शिकायत प्रस्तुत कर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, नरसिंह कनौजिया, आशीष सैनी, जगदीश बड़गैया, शिव पराग तथा इंदौर निवासी टीटू यादव ने आपसी मिलीभगत से अमित मेहरा के नाम से कक्षा 8वीं की एक कथित फर्जी एवं कूटरचित अंकसूची (रोल नंबर 10120080, पूरक परीक्षा वर्ष 2001-2002) तैयार कर विभिन्न शासकीय विभागों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार शिकायतें भेजी हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उक्त कृत्यों के माध्यम से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल करने तथा अवैध धन की मांग कर ब्लैकमेल करने का प्रयास किया जा रहा है। अमित मेहरा का कहना है कि लोक सूचना अधिकार (RTI) के माध्यम से प्राप्त अभिलेखों के अनुसार उनकी वास्तविक अंकसूची जिला पूर्व

माध्यमिक प्रमाण-पत्र परीक्षा वर्ष 2004 की है, जबकि शिकायतकर्ताओं द्वारा कथित रूप से फर्जी दस्तावेज के आधार पर भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण को लेकर उन्होंने माननीय 22वीं सिविल जज, क्लास-1, जबलपुर के न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया है। न्यायालय द्वारा थाना प्रभारी, ओमती को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, किंतु उनके अनुसार अब तक प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है। मामले की अगली सुनवाई 06 अगस्त 2026 निर्धारित है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि 30 जून 2026 को समाचार पत्रों के माध्यम से उन्हें जानकारी मिली कि इंदौर निवासी टीटू यादव द्वारा 26 जून 2026 को इसी कथित फर्जी अंकसूची के आधार पर वल्लभ भवन, भोपाल स्थित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव (नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग), नगरीय प्रशासन आयुक्त सहित जबलपुर के महापौर, नगर निगम अध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को पुनः शिकायत भेजी गई है। अमित मेहरा ने प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से संपूर्ण प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं अन्य प्रासंगिक विधिक प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि यदि समयबद्ध एवं निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वे न्याय प्राप्ति हेतु माननीय उच्च न्यायालय में रिट याचिका प्रस्तुत करने के लिए बाध्य होंगे।

न्यायालय के आदेश की कथित अवहेलना और फर्जी दस्तावेजों का लगाया आरोप

कलेक्टर से उच्च स्तरीय जांच एवं एफआईआर की मांग

जबलपुर। द्वारका नगर, झंडा चौक निवासी दीपक नाहर ने जिला कलेक्टर, जबलपुर को विस्तृत शिकायत सौंपकर विवादित संपत्ति से जुड़े मामले में माननीय न्यायालय के यथास्थिति आदेश की कथित अवहेलना, राजस्व अभिलेखों में कथित कूटरचना, न्यायालय को गुमराह करने के प्रयास तथा पुलिस द्वारा शिकायतों पर कार्रवाई न किए जाने की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। शिकायत में दीपक नाहर ने कहा है कि सक्षम प्राधिकारी के आदेश के आधार पर विवादित संपत्ति का खसरा एवं पट्टा उनके नाम दर्ज है। उनका यह भी कहना है कि संबंधित दीवानी प्रकरण में न्यायालय ने उन्हें भू-स्वामी माना है तथा वर्तमान में उसी संपत्ति के खाली कब्जे का वाद जिला न्यायालय में विचाराधीन है। शिकायत के अनुसार, मान. न्यायालय द्वारा पूर्व में विवादित संपत्ति पर यथास्थिति (स्टेटस-क्वो) बनाए रखने का आदेश पारित किया गया था। इसके बावजूद आरोप है कि प्रतिवादी पक्ष द्वारा न्यायालय के आदेश की कथित अवहेलना करते हुए विवादित संपत्ति का उपयोग कराया जा रहा है। दीपक नाहर ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि स्वयं को संपत्ति का स्वामी सिद्ध करने के उद्देश्य से कथित रूप से फर्जी खसरा, पट्टा एवं अन्य राजस्व दस्तावेज तैयार कर उनका उपयोग न्यायालय में किया गया। उनका कहना है कि यदि मूल राजस्व अभिलेखों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

जीआरपी की सतर्कता से चोरी का लैपटॉप एवं मोबाइल सहित आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में रेलवे स्टेशन जबलपुर पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं चोरी की संपत्ति की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत 30.06.2026 को थाना जीआरपी जबलपुर द्वारा महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई।महिला प्रधान आरक्षक एवं ड्यूटी पर तैनात पुलिस स्टाफ को प्लेटफॉर्म क्रमांक 4-5 पर एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक संदिग्ध व्यक्ति अपने कब्जे में चोरी का लैपटॉप एवं मोबाइल लेकर प्लेटफॉर्म के इटारसी छोर पर बैठा हुआ है। सूचना की तस्दीक हेतु तत्काल पुलिस टीम एवं ड्यूटी पर उपस्थित आरपीएफ स्टाफ के सहयोग से मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर संदिग्ध व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जिसे तत्परता से पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम रूपेश विश्वकर्मा उर्फ गोलू पिता कमल विश्वकर्मा, उम्र 31 वर्ष, निवासी इंद्रानगर, गल्ला मंडी के पीछे, थाना कुठला, जिला कटनी (म.प्र.) बताया।

तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक नीले-पीले रंग के पिट्ठू बैग में रखा हुआ चोरी का सामान एचपी कंपनी का लैपटॉप (चार्जर सहित), अनुमानित कीमत लगभग 60,000, रेडमी कंपनी का मोबाइल फोन, अनुमानित कीमत लगभग 7,000 बरामद किया गया। संपत्ति की कुल अनुमानित कीमत 67,000 है। पूछताछ के दौरान आरोपी उक्त लैपटॉप एवं मोबाइल के संबंध में कोई वैध दस्तावेज अथवा स्वामित्व संबंधी प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका तथा पूछताछ में चोरी की संपत्ति को बेचकर लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से अपने कब्जे में रखना स्वीकार किया। उक्त चोरी की संपत्ति को विधिवत जप्त कर, आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड का परीक्षण करने पर उसके विरुद्ध पूर्व में भी अपराध पंजीबद्ध होना पाया गया। आरोपी रूपेश विश्वकर्मा उर्फ गोलू को विधिवत गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध अपराध धारा 317(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है, आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

शिक्षक पाठक की विदाई में भावुक हुए बच्चे

सिहोरा। शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला घुघरा (केवलारी) में उस वक्त एक अत्यंत भावुक कर देने वाला दृश्य सामने आया जब विद्यालय के सहायक शिक्षक कृष्ण गोपाल पाठक की सेवानिवृत्ति पर आयोजित विदाई समारोह में बच्चे भी भावुक हो गए। शासन के शिक्षा विभाग में 42 वर्ष, 5 माह और 2 दिन की सेवा अवधि पूर्ण कर श्री पाठक सेवामुक्त हुए। समारोह का आयोजन संतोष बरकड़े विधायक के मुख्य आतिथ्य,पूर्व विधायक दिलीप दुबे के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य सीएम राइज प्राचार्य अशोक उपाध्याय,बीआरसीसी ब्रजेश श्रीवास्तव, संकुल प्राचार्य रजनी मेडम,रामकिशोर विश्वकर्मा, अश्वनी उपाध्याय,आशीष चौबे, नीलिमा तिवारी, शिखा मंडलेकर, राघवेंद्र पौराणिक, धनंजय परोहा, जवाहरलाल पटेल, प्रकाश पांडे आदि उपस्थित थे। संचालन शिक्षक सुनील कुमार कोरी द्वारा किया गया। अंत में श्री पाठक को शॉल,श्रीफल और स्मृति चिह्न भेंट कर उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन की मंगलकामना की।

राकेश प्रांतीय उपाध्यक्ष,गोपाल संभागीय सचिव, प्रहलाद तहसील अध्यक्ष बने

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन

सिहोरा। गत दिवस वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष राज कुमार दुबे,महामंत्री के.एस.ठाकुर,कोषाध्यक्ष सरदार महेंद्र सिंह एवं शिव कुमार तिवारी के हरिओम कैफे नगर आगमन पर सभी पेंशनर्स ने पुष्प हार से भव्य स्वागत किया।इस अवसर पर कर्मचारी नेता राकेश पाठक को प्रांतीय उपाध्यक्ष,कृष्ण गोपाल पाठक को संभागीय सचिव एवं प्रहलाद नायक को तहसील अध्यक्ष सिहोरा को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। प्रांताध्यक्ष दुबे ने पेंशनर्स की समस्याओं एवं उनके निराकरण के संबंध में विस्तार से चर्चा की एवं संगठन को मजबूती प्रदान करने की बात कही ताकि उनके निराकरण के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जा सके। नवनियुक्त प्रांतीय उपाध्यक्ष पाठक ने कहा कि हम सब एकजुट होकर ही समाधान की ओर अग्रसर हो सकते हैं। इस अवसर पर सेवा निवृत्त साथियों हरिशंकर गौतम,उमेश मिश्र, राजू भैया पटवा,राज कुमार पटेल,अरविंद तिवारी, चेतराम विश्वकर्मा, दिनेश तिवारी,प्रदीप राय,प्रकाश सैनी, रामकुमार सेन, दिनेश कुमार पांडे,मनोज श्रीवास्तव,विनोद गुप्ता एवं समग्र के संभागीय अध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी आदि उपस्थित रहे।

श्री देवदत्त तिवारी का देव लोक गमन

जबलपुर। मलाई राजा तह. कुंडम निवासी श्री देवदत्त तिवारी पिता स्वर्गीय दामोदर प्रसाद तिवारी का 79 वर्ष की आयु में रविवार सुबह 10 बजे गौलोक गमन हो गया है । आप श्रीमती श्यामा तिवारी के पति, राजेश तिवारी, रिपुसूदन तिवारी, शरद के पिता कार्तिक, राघव, सृष्टि, के दादा जी थे इनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम में सम्पन्न हुआ। सभी वर्ग के लोगों ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की।

दानपति श्रीमती कुसुम जैनः सिहोरा साईं मंदिर के पास वार्ड नंबर 8 निवासी दानपति श्रीमती कुसुम जैन का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था । अंतिम संस्कार बाबाताल स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे नीलेश, शैलेश जैन दानपति की मां थी।

श्रीमती त्रिवेणी गौतम : बरेला के वार्ड क्रमांक 01 के निवासी श्री भारत लाल गौतम की धर्मपत्नी , मुकेश,संजू, गुड्डू गौतम की माता जी श्रीमती त्रिवेणी (शोभारानी)गौतम उम्र 72 वर्षका आकस्मिक निधन हो गया। अंत्येष्टि का कार्यक्रम लोकसागर तालाब मुक्तिधाम वार्ड क्रमांक 2 में दोपहर 3:00 बजे संपन्न हुई।

श्री लक्ष्मीकांत काल्वे- नई बस्ती गौरीघाट निवासी श्री लक्ष्मीकांत काल्वे (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री तुषार बेन- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री भानुप्रताप बेन के पुत्र श्री तुषार बेन (16) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री घनश्याम मलिक- चेतना मैदान बिलहरी निवासी श्री रूपलाल मलिक के पुत्र श्री घनश्याम मलिक (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुमुदलता जाट- कंजड़ मोहल्ला पूर्वी बेलबाग निवासी श्री मुकेश जाट की धर्मपत्नी श्रीमती कुमुदलता जाट (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती उर्मिला गिरी गोस्वामी- कुदवारी अमखेरा निवासी श्री शिव गिरी गोस्वामी की धर्मपत्नी श्रीमती

उर्मिला गिरी गोस्वामी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आशेष चौहान- आनंद कॉलोनी बल्देवबाग निवासी श्री अशेष चौहान का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रूक्मणी बाई नायर- अर्जुनदेव कॉलोनी गौरीघाट निवासी श्री एमटीए नायर की धर्मपत्नी श्रीमती रूक्मणी बाई नायर (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीकांत अग्रवाल- दीक्षितपुरा निवासी श्रीकांत अग्रवाल का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति वर्ग से.मी.
फिक्स साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362160

अब लोन व वसीयत में मिले पैसे की देनी होगी जानकारी, टैक्स पर नहीं पड़ेगा असर

आयकर विभाग ने अपनी ऑनलाइन फाइलिंग वेबसाइट में नया कॉलम जोड़ा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देशभर में असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरने का सिलसिला शुरू हो चुका है। अगर आप भी इस साल अपना टैक्स रिटर्न दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं, तो ई-फाइलिंग पोर्टल पर आपको एक बहुत बड़ा बदलाव नजर आएगा। आयकर विभाग ने अपनी ऑनलाइन फाइलिंग वेबसाइट के साथ-साथ जेसन यूटिलिटी में एक बिल्कुल नया कॉलम जोड़ दिया है। इस नए सेक्शन का नाम 'रिसिप्ट नाट इन दी नेटर ऑफ इनकम' रखा गया है। टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के मकसद से यह नया विकल्प फिलहाल केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पेश किया गया है। ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर आप सरकार की तरफ से नोटिफाई किए गए आधिकारिक आईटीआर फॉर्म का पीडीएफ वर्जन देखेंगे, तो उसमें यह कॉलम कहीं नजर नहीं आएगा। इसे मुख्य रूप से ऑनलाइन फाइलिंग पोर्टल और डिजिटल यूटिलिटी का ही हिस्सा बनाया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि जब आप अपना रिटर्न ऑनलाइन सबमिट करने जाएंगे, तभी आपको इस नए सेक्शन में अपनी वित्तीय जानकारी दर्ज करनी होगी।

टैक्स देनदारी पर नहीं पड़ेगा असर

इस नए अपडेट से आम करदाता को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। टैक्स मामलों के विशेषज्ञों ने स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट कर दी है। इस नए कॉलम के जुड़ने से आपकी टैक्स देनदारी पर एक रुपये का भी अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ने वाला है। वेद जैन एंड एसोसिएट्स के पार्टनर अंकित जैन के अनुसार, अब तक करदाताओं के लिए सिर्फ 'एक्जेम्ट इनकम' यानी टैक्स-फ्री कमाई का ब्योरा देना अनिवार्य होता था, जो नियम आगे भी जस का तस लागू रहेगा। हालांकि, इस नए विकल्प के जरिए आयकर विभाग केवल उन पैसों का स्पष्ट हिसाब मांग रहा है, जो देखने में आपकी आय जैसे लग सकते हैं, लेकिन कानूनी रूप से वे आपकी आय का हिस्सा नहीं होते।

नए कॉलम में सभी प्राप्तियों की घोषणा करनी है

अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि इस नए सेक्शन में आखिर किन पैसों का जिक्र करना होगा। टैक्स एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस कॉलम में आपको उन सभी प्राप्तियों की घोषणा करनी है जो आय की परिभाषा में फिट नहीं बैठती हैं। इनमें मुख्य रूप से किसी बैंक, वित्तीय संस्थान या व्यक्ति से लिया गया कर्ज, वसीयत या विरासत में मिली कोई भी संपत्ति या नकद रकम शामिल है। इसके अलावा, अगर आपने अपनी कोई निजी संपत्ति बेची है या किसी ग्रामीण इलाके में मौजूद कृषि भूमि की बिक्री से आपको कोई बड़ी रकम मिली है, तो उसकी जानकारी भी आपको इसी जगह देनी होगी।

खबर संक्षेप

आरबीआई ने बैंक ऑफ बड़ौदा पर जुर्माना लगाया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि नियामकीय मानकों के कुछ प्रावधानों के अनुपालन में कमी पाए जाने पर बैंक ऑफ बड़ौदा (बॉब) पर 63.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि 31 मार्च, 2025 तक की वित्तीय स्थिति के आधार पर बैंक का वैधानिक निरीक्षण किया गया था और इसके बाद उसे नोटिस जारी किया गया। बैंक से मिले जवाब पर विचार करने के बाद आरबीआई ने पाया कि कुछ ऋण खातों में बैंक ने तय ब्याज दर से अधिक ब्याज वसूला।

चालू वित्त वर्ष में वस्तु व सेवा निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने चालू वित्त वर्ष में वस्तु निर्यात को बढ़ाकर करीब 530 अरब

डॉलर तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जो लगभग 16-17 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। गोयल ने यहां 'व्यापार बोर्ड' की बैठक में कहा कि सेवा क्षेत्र के निर्यात के लिए 2026-27 में लगभग 470 अरब डॉलर का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 11 प्रतिशत वृद्धि के बराबर है।

अमरनाथ मार्ग पर एयरटेल मोबाइल नेटवर्क का विस्तार

श्रीनगर। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित

अमरनाथ की पवित्र गुफा तक जाने वाले दोनों मार्गों पर अपने मोबाइल नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की। यह घोषणा 57 दिन की वार्षिक अमरनाथ यात्रा की शुरुआत के साथ हुई। यह यात्रा अनंतनाग जिले के 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से संचालित होती है।

ओडिशा में निवेश के लिए जापानी कंपनी से करार

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने एसीएमई समूह और जापान की आईएचआई कॉरपोरेशन के साथ 67,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावित

निवेश के लिए सहयोग ज्ञापन (एमओसी) पर हस्ताक्षर किए। इस निवेश का मकसद हरित औद्योगीकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और जापान के उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बैठक के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। माझी ने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के बीच नयी दिल्ली में हुई वार्ता के एक दिन बाद हुआ।

मांग बढ़ने से बीते सप्ताह मूंगफली तेल में सुधार

नई दिल्ली। सूरजमुखी तेल से सस्ता होने तथा बिनौला तेल की उपलब्धता बेहद कम रहने के बीच मांग बढ़ने के कारण बीते सप्ताह देश के तेल-

तिलहन बाजारों में मूंगफली तेल-तिलहन तथा कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल के दाम सुधार दर्शाते बंद हुए। ऊंचे दाम पर कमजोर लिवाली से सरसों तेल-तिलहन, बीते सप्ताह प्लांट वालों द्वारा खरीद का दाम घटाने की वजह से सोयाबीन तेल-तिलहन, लागत से नीचे दाम की बिकवाली की वजह से कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए।

पश्चिम एशिया तनाव कम होने के बाद सरकार ने उठाया कदम

एलएनजी आपूर्ति सामान्य होने पर सरकार ने गैस पर लगाए आपात 'प्रतिबंध' वापस लिए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) की आपूर्ति सामान्य होने के बाद केंद्र सरकार ने प्राकृतिक गैस आपूर्ति पर लगाए गए अधिकांश आपातकालीन प्रतिबंध वापस ले लिए हैं।

- अब तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति हुई सामान्य

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को अधिसूचना जारी कर प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 में संशोधन करते हुए उन प्रमुख प्रावधानों को हटा दिया, जिनके तहत घरेलू और आयातित गैस की आपूर्ति सरकार द्वारा तय प्राथमिकता सूची के अनुसार की जा रही थी। सरकार ने यह आपात व्यवस्था नौ मार्च को पश्चिम एशिया में संघर्ष के आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत लागू की थी। उस समय अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों और उसके जवाब में ईरानी कार्रवाई के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी की आवाजाही प्रभावित हो गई थी। कई आपूर्तिकर्ताओं ने अप्रत्याशित स्थिति (फोर्स मेज्योर) को लागू कर दिया था, जिससे भारत सहित कई देशों की ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका पैदा हो गई थी।

समुद्री यातायात फिर से शुरू हो चुका

मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा कि अब क्षेत्र में युद्धविराम लागू है, बातचीत जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात फिर से शुरू हो चुका है। ऐसे में गैस आपूर्ति पर लगाए गए आपात प्रतिबंधों को जारी रखने की आवश्यकता नहीं रह गई है। पश्चिम एशिया संकट के दौरान सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तीन बड़े कदम उठाए थे।

एलएनजी उत्पादन बढ़ाना का दिया था निर्देश

इनमें प्राकृतिक गैस आपूर्ति का नियंत्रण, रिफाइनरियों को पेट्रोरसायन के फीडस्टॉक की जगह एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश और थोक उपभोक्ताओं को डीजल की बिक्री सीमित करना शामिल था। एलपीजी उत्पादन और डीजल बिक्री से जुड़े दोनों प्रतिबंध पहले ही वापस लिए जा चुके हैं, जबकि अब गैस आपूर्ति से जुड़े प्रावधान भी समाप्त कर दिए गए हैं।

जरूरत का 88 प्रतिशत आयात के जरिए पूरा होता है

भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस की करीब आधी आवश्यकता आयात के जरिये पूरी करता है। देश के कुल कच्चे तेल आयात का 40-45 प्रतिशत और एलएनजी आयात का करीब 65 प्रतिशत पश्चिम एशिया से आता है। यही वजह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह का व्यवधान भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती माना जाता है।

आवंटन का अधिकार सरकार के पास था

मार्च में लागू आपात आदेश के तहत घरेलू गैस, आयातित एलएनजी और री-गैसीफाइड एलएनजी के आवंटन का अधिकार सरकार के पास था। उस समय घरों को आपूर्ति की जाने वाली पाइप वाली गैस (पीएनजी), परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी, एलपीजी उत्पादन और पाइपलाइन संचालन को उनकी औसत खपत के आधार पर पूरी आपूर्ति सुनिश्चित की गई थी।

उर्वरक संयंत्रों को 70 फीसदी गैस देने का प्रावधान किया था

उर्वरक संयंत्रों को उनकी औसत जरूरत का 70 प्रतिशत और औद्योगिक उपभोक्ताओं को 80 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया था। इन प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए पेट्रोरसायन संयंत्रों और गैस आधारित बिजलीघरों की गैस आपूर्ति में कटौती की गई थी। वहीं, तेल रिफाइनरियों को भी अपनी औसत गैस खपत लगभग 65 प्रतिशत तक सीमित रखने के निर्देश दिए गए थे।

एसबीआई करेगा 1,500 प्रोबेशनरी अधिकारियों की इस वर्ष नियुक्ति

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने कारोबार के विस्तार को गति देने के लिए इस वर्ष 1,500 'प्रोबेशनरी' यानी प्रशिक्षु अधिकारियों की भर्ती करने की योजना बनाई है।

- अधिसूचना के अनुसार 1446 नियमित और 54 पद लंबित श्रेणी के लिए

एसबीआई द्वारा जारी भर्ती अधिसूचना के अनुसार, कुल 1,500 पदों में 1,446 नियमित रिक्तियां हैं, जबकि 54 पद लंबित श्रेणी की रिक्तियों के हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि आठ जुलाई है और बैंक को उम्मीद है कि पूरी भर्ती प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। पात्रता मानदंड के अनुसार, आवेदक किसी भी विषय

में स्नातक होना चाहिए तथा एक अप्रैल, 2026 तक उसकी न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए। बैंक ने कहा कि वह बदलती और बहुआयामी बैंकिंग जरूरतों के अनुरूप सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पेशेवरों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों सहित विविध पृष्ठभूमि के पेशेवरों की सीधी (लैटरल) भर्ती भी करता है। इन विशेषज्ञ अधिकारियों की नियुक्ति डेटा सेंटर, सूचना प्रौद्योगिकी, जोखिम प्रबंधन, विधिक, कोषागार (ट्रेजरी), अनुपालन और डेटा विश्लेषण जैसे प्रमुख कार्यक्षेत्रों में की जाती है।

4,640 अधिकारियों की नियुक्ति की

बैंक की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में एसबीआई ने 4,640 अधिकारियों, 19,340 सहायक कर्मचारियों (एसोसिएट्स) और 1,653 कर्मचारियों की अनुबंध पर नियुक्ति की।

नौकरी छोड़ने की वार्षिक दर एक फीसदी से कम

वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि एसबीआई में कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की वार्षिक दर लगातार एक प्रतिशत से कम रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में यह दर लगभग 0.97 प्रतिशत रही, जो बैंकिंग उद्योग में सबसे कम दरों में से एक है। यह कर्मचारियों की मजबूत प्रतिबद्धता, संस्थान की स्थिरता और कर्मचारी-केंद्रित नीतियों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है।

सार्वजनिक बैंकों में जमा की रफ्तार रही धीमी

एजेंसी ⏭ मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मजबूत शुरुआत की। कर्ज में दहाई अंक में वृद्धि हुई जबकि जमा जुटाने की गति ऋण में हुई बढ़ोतरी के मुकाबले धीमी रही। कम लागत वाले चालू खाता बचत खाता (कासा) जमा पर दबाव के बावजूद, खुदरा कर्ज वृद्धि का मुख्य इंजन बने रहे।

- पहली तिमाही में कर्ज में अच्छी वृद्धि दर्ज

एकत्रित आंकड़ों के अनुसार 12 सरकारी बैंकों में से नौ बैंकों के 30 जून को समाप्त तिमाही के शुरुआती कारोबारी आंकड़ों से पता चलता है कि कर्ज में सालाना आधार पर लगभग 12 प्रतिशत से 29 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई, जबकि जमा में 3.5 प्रतिशत से 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इससे पता

चलता है कि जमा जुटाने की गति धीमी होने के बावजूद कर्ज की मांग बनी हुई है। बड़े बैंकों में, बैंक ऑफ बड़ौदा ने जमा में 13.8 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले वैश्विक ऋण में सालाना आधार पर 17.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज में 18.64 प्रतिशत और जमा में 14.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा दिये गये कर्ज में सालाना आधार पर 12.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि जमा में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। केनरा बैंक ने कर्ज में 18 प्रतिशत और जमा में 11.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि इंडियन बैंक ने कर्ज में 13.9 प्रतिशत और जमा में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

यूको बैंक के ऋण में 21.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी

यूको बैंक ने ऋण में 21.3 प्रतिशत और जमा में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। पंजाब एंड सिंध बैंक ने कर्ज में 19.5 प्रतिशत और जमा में 12.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने जमा में सालाना आधार पर केवल 3.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जबकि कर्ज में 12.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। खुदरा, कृषि और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) क्षेत्र को दिये गये ऋण से कर्ज विस्तार की गति बनी रही।

खास तरह के उर्वरक को बढ़ावा देने सही नीति जरूरी : एफएआई

एजेंसी ⏭ गांधीनगर

उद्योग निकाय 'फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया' (एफएआई) ने कहा कि है भारत में जैव-उत्प्रेरक (बायोस्टिमुलेंट्स) जैसे खास तरह के उर्वरक की बिक्री बढ़ रही है और ऐसे उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सही नीति की जरूरत है। एसोसिएशन ने कहा कि मौजूदा प्रणाली मुख्य रूप से थोक उर्वरक के लिए बनाई गई है और हो सकता है कि यह नए उत्पादों को ठीक से समर्थन न कर पाए। इसलिए, वितरण प्रणाली पर फिर से विचार करने की जरूरत है। एफएआई के प्रमुख (सांख्यिकी और आईटी) कुलदीप सती ने 2-4 जुलाई तक यहां आयोजित 'स्पेशलिटी उर्वरक समिट एंड बी टू बी एक्सपो 2026' (एसओएमएस 2026) में कहा, 'खास तरह के उर्वरक की बिक्री बढ़ रही है और किसान जरूरत के हिसाब से इस्तेमाल होने वाले ऐसे उर्वरक की अहमियत समझते हैं।'

सोने की कीमत मजबूत बने रहने की संभावना : विश्लेषक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सोने की कीमत अगले सप्ताह मजबूत बने रहने की संभावना है। निवेशक अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में वृद्धि के बारे में और संकेत पाने के लिए अमेरिका और अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखेंगे।

- निवेशकों की नजर अमेरिकी के आर्थिक आंकड़ों पर होगी

कारोबारी अमेरिकी सेवा पीएमआई, व्यापार आंकड़े और साप्ताहिक बेरोजगारी दावों के साथ-साथ यूरो क्षेत्र, चीन, जापान और जर्मनी के महंगाई के आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे। वैश्विक घटनाक्रम या कच्चे तेल की कीमतों में किसी भी बदलाव से कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जिंस और मुद्रा शोध) प्रणव मेर ने कहा, 'घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने की कीमतों को समर्थन मिलने की संभावना है।' मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त डिलीवरी के लिए सोने के वायदा भाव में लगातार चार सप्ताह की गिरावट के बाद तेजी आई। सप्ताह के दौरान यह 3,216 रुपये यानी 2.2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एमसीएक्स में सितंबर अनुबंध लिए चांदी का वायदा मूल्य 13,938 रुपये यानी 6.2 प्रतिशत बढ़कर 2.37 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (शोध विश्लेषक-जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''कमजोर अमेरिकी डॉलर और अधिक बिकवाली स्तरों के बाद लिवाली के कारण इस सप्ताह सोने में सुधार आया। इससे लगभग एक महीने के लगातार कमजोर रुख के बाद सर्राफा की कीमतों को उबरने में मदद मिली।

सोना शुरूआती गिरावट से उबर गया

मेर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे बने रहने की कई नाकाम कोशिशों के बाद सोना शुरुआती गिरावट से उबर गया। सप्ताह के अंत में सकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ। रूस और यूक्रेन के बीच नए तनाव ने भी सर्राफा की मांग को समर्थन दिया। विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, केंद्रीय बैंकों ने मई में अपने रिजर्व में कुल 41 टन सोना जोड़ा।

मध्यम वर्ग भारत की वृद्धि के इंजन : सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत का मध्यम वर्ग देश की आर्थिक वृद्धि का मुख्य इंजन है और लगभग 500 शहर देश के नए आर्थिक गतिविधि केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। फ्रांस के प्रमुख आर्थिक मंच 'रॉन्कोंट्रेस इकॉनमिक द ऐक्स-एन-प्रोवेन्स' में 'नए मध्यम वर्ग के उदय को कैसे बढ़ावा दिया जाए' विषय पर आयोजित चर्चा में सीतारमण ने कहा कि वर्तमान में भारत की लगभग 31 प्रतिशत आबादी मध्यम वर्ग में शामिल है। उन्होंने बताया कि भारत में आर्थिक उदारीकरण के बाद से मध्यम वर्ग सालाना आधार पर लगभग 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

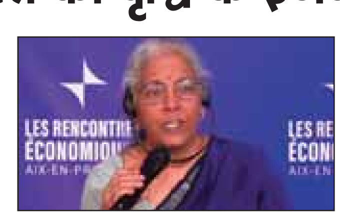

कच्चे तेल की कीमतें तय करेंगी बाजार की चाल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इस सप्ताह शेयर बाजार का रुख कच्चे तेल की कीमतों, वैश्विक रुझानों और कंपनियों के तिमाही नतीजों की शुरुआत से तय होगा। विश्लेषकों ने यह कहा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टीसीएस नौ जुलाई को अपने जून तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित करेगी। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, निवेशक नौ जुलाई को आने वाले टीसीएस के तिमाही नतीजों पर करीबी नजर रखेंगे। इसमें मांग के रुझान, विवेकाधीन खर्च और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित व्यावसायिक अवसरों को लेकर प्रबंधन की टिप्पणियों पर विशेष ध्यान रहेगा।

- वैश्विक संकेत और टीसीएस के तिमाही नतीजे भी डालेंगे प्रभाव

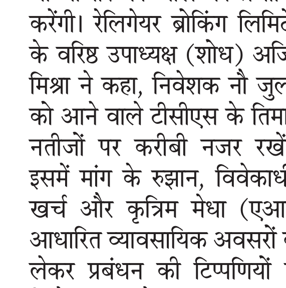

मानसून की प्रगति पर भी होगी निगाह

गौर ने यह भी कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और खरीफ फसलों की बुवाई ग्रामीण मांग, मुद्रास्फीति की उम्मीदों और वृहद आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण संकेतक बनी रहेगी। इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी बातचीत का अगला दौर 11 जुलाई को होने की उम्मीद है, हालांकि इसके स्थान के बारे में अभी अंतिम फैसला होना बाकी है।

कच्चे तेल की कीमतें 68-69 डॉलर पर स्थिर हुई

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, /"हॉर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति में बाधा की आशंकाएं कम होने के बाद कच्चे तेल की कीमतें 68-69 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर हुई हैं। ऊर्जा कीमतों में लगातार स्थिरता भारत में मुद्रास्फीति के परिदृश्य और बाह्य क्षेत्र के संतुलन के लिए सकारात्मक होगी।

नियमों में अहम बदलाव के साथ इसे दोबारा हरी झंडी दी गई

सेबी ने दी 'ओपन मार्केट बायबैक' को मंजूरी, 1 अगस्त से होगा लागू

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शेयर बाजार में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी ने एक बड़ा फैसला लिया है। एक अगस्त से शेयर बाजार में 'ओपन मार्केट शेयर बायबैक' का रास्ता फिर से खुलने जा रहा है। यानी, अगर आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं, तो अब आपको अपनी हिस्सेदारी बेचने का एक और पारदर्शी विकल्प मिलने वाला है। पहले सेबी ने इस प्रक्रिया पर पूरी तरह रोक लगाने की तैयारी कर ली थी, लेकिन अब नियमों में अहम बदलाव के साथ इसे दोबारा हरी झंडी दे दी गई है। कुछ समय पहले तक, सेबी ओपन मार्केट बायबैक को धीरे-धीरे पूरी तरह से बंद करने के पक्ष में था। रेगुलेटर का मानना था कि पुराने टैक्स नियमों के कारण निवेशकों के बीच एक तरह की असमानता पैदा हो रही थी। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। टैक्स व्यवस्था में सुधार लागू होने के बाद, सेबी ने अपना पुराना रुख बदल लिया है। अब इसे मौजूदा 'टेंडर ऑफर' के साथ एक अतिरिक्त विकल्प के रूप में पेश किया गया है। इस फैसले के पीछे का मुख्य उद्देश्य कंपनियों का खर्च घटाना, बायबैक की प्रक्रिया को तेज करना और शेयर बाजार में भारी गिरावट के वक्त शेयरों की कीमतों को गिरने से बचाना है।

- सेबी मार्केट बाय बैक को धीरे-धीरे पूरी तरह बंद करने के पक्ष में था

क्या होता है शेयर बायबैक?

दरअसल, जब कोई शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी अपने ही मौजूदा निवेशकों से अपने शेयर वापस खरीद लेती है, तो इस पूरी प्रक्रिया को 'शेयर बायबैक' कहा जाता है। कंपनियां बाजार से अपने शेयर वापस लेने के बाद आमतौर पर उन्हें रद्द कर देती हैं। शेयर कैंसल होने से बाजार में उस कंपनी के कुल शेयरों की संख्या घट जाती है। इससे कंपनी की वित्तीय सेहत मजबूत दिखती है और लंबी अवधि में निवेशकों को फायदा मिलता है।

टेंडर ऑफर से अलग है ओपन मार्केट बायबैक

मौजूदा समय में ज्यादातर कंपनियां टेंडर ऑफर का इस्तेमाल करती हैं, जहां वे एक तय कीमत पर निवेशकों से शेयर खरीदती हैं। लेकिन ओपन मार्केट बायबैक का तरीका बिल्कुल अलग है। यह शेयर बाजार में होने वाली आम ट्रेडिंग की तरह ही काम करता है। सबसे पहले कंपनी शेयर बाजार में बायबैक लाने की आधिकारिक घोषणा करती है। इस ऐलान में स्पष्ट रूप से बताया जाता है कि कंपनी अधिकतम कितने शेयर वापस लेगी। कंपनी यह भी स्पष्ट करती है कि इसके लिए कुल कितना फंड आवंटित किया गया है और यह खरीदारी कितने समय तक चलेगी।

चिंतन

शांति के लिए आतंक की जड़ों पर प्रहार जरूरी

जम्मू-कश्मीर में केवल आतंकियों के मारे जाने से आतंकवाद समाप्त नहीं होगा। पिछले तीन दशकों का अनुभव यही बताता है कि जब तक आतंक की जड़ों पर कड़ा प्रहार नहीं होगा, तब तक नए चेहरे पुराने आतंकियों की जगह लेते रहेंगे। सीमा पार से घुसपैठ, पाकिस्तान समर्थित आतंकी ढांचा, हवाला के जरिए फंडिंग, सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथ का प्रसार और स्थानीय युवाओं की भर्ती, ये सभी आतंकवाद की वे जड़ें हैं, जिन्हें पूरी तरह उखाड़कर फेंकना जरूरी है। आतंकवाद की फैक्ट्री तभी बंद होगी, जब उसके हर स्रोत को एक साथ समाप्त किया जाएगा। तभी घाटी में स्थायी शांति स्थापित हो सकेगी। हाल के दिनों में सामने आई दो घटनाएं। पहली शोपियां में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों का मारा जाना और दूसरी, सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में अलगाववादी विचारधारा वाली पुस्तकों का मिलना स्पष्ट संकेत देती हैं कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सुरक्षा और वैचारिक, दोनों मोर्चों पर एक साथ लड़नी होगी। शोपियां में सुरक्षा बलों ने जिस सटीक रणनीति और खुफिया जानकारी के आधार पर लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को मार गिराया, वह भारतीय सुरक्षा तंत्र की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है। इनमें से एक आतंकी जाकिर अहमद गनी पहलगाम आतंकी हमले के बाद जारी 14 मोस्ट वांटेड स्थानीय आतंकियों की सूची में शामिल था। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान ने यह साबित किया कि सुरक्षा एजेंसियां अब केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई नहीं कर रहीं, बल्कि आतंक के पूरे नेटवर्क को व्यवस्थित रूप से ध्वस्त करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसी संदर्भ में सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में अलगाववादी विचारों से जुड़ी सामग्री मिलने का मामला भी गंभीर चिंता का विषय है। यदि शिक्षा के माध्यम से युवाओं के मन में अलगाववाद या हिंसक सोच के प्रति सहानुभूति पैदा करने का प्रयास किया जाता है, तो यह भविष्य के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। प्रशासन द्वारा आठ अधिकारियों को निलंबित करना, संबंधित लेखकों और प्रकाशकों को ब्लैकलिस्ट करना और जांच के आदेश देना इस बात का संकेत है कि सरकार इस मामले को केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संभावित वैचारिक चुनौती के रूप में देख रही है। यदि शैक्षणिक सामग्री किसी भी रूप में हिंसा, अलगाववाद या राष्ट्र-विरोधी सोच को महिमामंडित करती है, तो उसकी निष्पक्ष समीक्षा और आवश्यक कार्रवाई होना स्वाभाविक है। हालांकि, सुरक्षा के साथ विकास भी उतना ही आवश्यक है। कश्मीर के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, खेल और तकनीकी अवसर उपलब्ध कराना होगा। जिस युवा के सामने सम्मानजनक भविष्य होगा, उसके आतंकवाद के रास्ते पर भटकने की संभावना स्वतः कम होगी। स्थानीय लोगों का विश्वास जीतना, लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना और विकास की गति तेज करना आतंकवाद के खिलाफ सबसे प्रभावी दीर्घकालिक रणनीति है। जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति तभी स्थापित होगी, जब सुरक्षा बल आतंकियों पर निर्णायक प्रहार करते रहें, प्रशासन आतंक के वैचारिक और आर्थिक नेटवर्क को ध्वस्त करे और समाज युवाओं को हिंसा के बजाय विकास का रास्ता दिखाए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत तभी होगी, जब कश्मीर की नई पीढ़ी बंदूक नहीं, बल्कि किताब, कौशल और भविष्य का चुनाव करेगी। यही स्थायी शांति का सबसे मजबूत आधार है।

डॉ. मुखर्जी की जन्म जयंती

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

निस्वार्थ सेवा और राष्ट्रवाद के अमर प्रतीक

> 6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं।

श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी। लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35(ए) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी। डॉ. मुखर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने।

उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान में रिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था। उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव चिन्ह दीपक यानि मिट्टी का दीया रखा गया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत

औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे।

यहां मैं अपना एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हूं। आत्मनिर्भर भारत के स्पष्ट विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक सत्ता में रहने वाले लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे इस बात का संतोष है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष और अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया। भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है।

डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है। उन्होंने पूरी निष्ठा और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया। लेकिन जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रश्नों पर देशहित में अलग मार्ग अपनाना आवश्यक है, तो उन्होंने पूरी गरिमा के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन उस राजनीतिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए समर्पित कर दिया, जिसे वे राष्ट्र के लिए आवश्यक मानते थे। 75 वर्ष पहले पंडित नेहरू पहला संविधान संशोधन लेकर आए। इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा प्रहार माना गया। तब डॉ. मुखर्जी इसके सबसे मुखर आलोचक रहे थे। वे भली-भांति समझ चुके थे कि कांग्रेस किस हद तक जा सकती है। समय के साथ उनकी यह आशंका सही साबित हुई। जो पार्टी 75 वर्ष पहले पहला संविधान संशोधन लेकर आई थी, उसी ने 1975 में देश पर आपातकाल थोपा। इतना ही नहीं, 50 वर्ष पहले 42वां संविधान संशोधन अधिनियम लाकर एक बार फिर लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद पर कुठाराघात किया।

1943 में जब बंगाल भीषण अकाल की त्रासदी से जूझ रहा था, तब उन्होंने पीड़ितों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि लोगों को भोजन मिल सके, जिसके लिए कई कैंटीन और रिलीफ सेंटर शुरू किए गए। एक ओर वे लोगों की पीड़ा से बहुत व्यथित थे, वहीं दूसरी ओर ब्रिटिश हुकूमत की असंवेदनशीलता से अत्यंत आक्रोशित भी थे। उन्होंने अपनी पीड़ा को व्यक्त करने के लिए पंचाशेर मन्वंतर नाम की एक किताब भी लिखी। 1942 में जब मेदिनीपुर में भीषण चक्रवात आया, तब उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों का नेतृत्व किया। कोलकाता के एक कॉलेज में युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मुखर्जी ने उनसे आग्रह किया था- आप जो भी कार्य करें, उसे पूरी गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें। किसी भी काम को कभी अधूरा न छोड़ें। तब तक स्वयं को संतुष्ट न मानें, जब तक आपने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान न दे दिया हो। आज हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम प्रतिदिन उस भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करें, जिसकी उन्होंने परिकल्पना की थी। एक ऐसा भारत जो सशक्त हो, एकजुट हो, आत्मविश्वास से भरपूर और संवेदनशील हो। देश के युवाओं पर मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे और इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएंगे।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

ग्रामीण विकास दिवस

बलकार सिंह पूनियां

उपलब्धियों के बीच अधूरी विकास यात्रा

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन उसकी ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों और महानगरों की चमक-दमक से नहीं, बल्कि उसके गांवों की सामाजिक, आर्थिक और मानवीय स्थिति से किया जाता है। गांव केवल कृषि उत्पादन के केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे संस्कृति, परंपरा, जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता के आधार स्तंभ भी हैं। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष 6 जुलाईको मनाया जाने वाला विश्व ग्रामीण विकास दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह स्मरण कराने का अवसर है कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास नहीं होगा, तो सतत, समावेशी और न्यायपूर्ण विकास का लक्ष्य अधूरा ही रहेगा। वर्ष 2026 की थीम- 'लचीलेपन में निहितः कैसे ग्रामीण विकास गरीबी उन्मूलन, जलवायु कार्रवाई और साझा समृद्धि को बढ़ावा देता है'-वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में अत्यंत प्रासंगिक है। यह थीम बताती है कि ग्रामीण विकास अब केवल कृषि तक सीमित विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, सामाजिक न्याय और आर्थिक समृद्धि का आधार बन चुका है। आज जब दुनिया आर्थिक असमानता, जलवायु संकट, खाद्य असुरक्षा और अनियंत्रित शहरीकरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब गांवों को विकास की मुख्यधारा में लाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार आज भी विश्व के अत्यधिक गरीब लोगों का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करता है। अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और बढ़ते तापमान ने कृषि आधारित अर्थव्यवस्थाओं को अस्थिर बना दिया है। इसलिए ग्रामीण विकास का अर्थ केवल सड़क, बिजली और भवन निर्माण तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि ऐसा सक्षम ग्रामीण समाज तैयार करना है जो संकटों का सामना करते हुए आत्मनिर्भर विकास का मार्ग प्रशस्त कर सके। भारत का अनुभव इस दिशा में आशा और चुनौती-दोनों का परिचायक है। पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना और सेवाओं के विस्तार में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाने गांवों को बेहतर संपर्क प्रदान किया, जल जीवन मिशन ने करोड़ों परिवारों तक नल से जल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने लाखों परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए। डिजिटल इंडिया, भारतनेट, जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी पहलों ने ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन और सरकारी सेवाओं की पारदर्शिता को नई दिशा दी है। आज गांव का नागरिक भी मोबाइल फोन के माध्यम से बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहा है। 'सरस' जैसे विपणन मंचों ने ग्रामीण उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। यह स्पष्ट करता है कि यदि ग्रामीण समुदायों को प्रशिक्षण, वित्त और बाजार उपलब्ध कराया जाए, तो वे आत्मनिर्भर विकास का सफल मॉडल प्रस्तुत कर सकते हैं। फिर भी यह तस्वीर पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। ग्रामीण विकास की गति पूरे देश में समान नहीं है। अनेक गांव आज भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, उच्च शिक्षा, सिंचाई, डिजिटल कनेक्टिविटी, कृषि प्रसंस्करण और बाजार तक पहुंच जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। क्षेत्रीय असमानताएं विकास की गति को प्रभावित कर रही हैं और यही असमानता समावेशी विकास की सबसे बड़ी चुनौती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है, लेकिन कृषि स्वयं अनेक संकटों से घिरी हुई है। छोटे और सीमांत किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जबकि उनकी आय अपेक्षित गति से नहीं बढ़ पाई है। खेती की लागत बढ़ रही है, बाजार मूल्य अनिश्चित हैं और जलवायु परिवर्तन ने जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया है। अनियमित मानसून, सूखा, बाढ़ और अत्यधिक तापमान का सीधा प्रभाव उत्पादन और किसानों की आय पर पड़ रहा है। विश्व ग्रामीण विकास दिवस हमें यह संदेश देता है कि विकास केवल आर्थिक वृद्धि का नाम नहीं है। वास्तविक विकास वही है जो सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय संतुलन, लैंगिक समानता और जनभागीदारी पर आधारित हो। आवश्यकता केवल नई योजनाएं बनाने की नहीं, बल्कि उनके प्रभावी, पारदर्शी और सहभागितापूर्ण क्रियान्वयन की है। विकसित भारत का मार्ग गांवों से होकर ही गुजरता है। जब प्रत्येक गांव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित आजीविका, डिजिटल अवसर, जलवायु सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की सुविधाओं से जुड़ जाएगा, तभी विकसित भारत और समृद्ध विश्व का सपना साकार होगा। यही विश्व ग्रामीण विकास दिवस का सबसे बड़ा संदेश है।

उद्यमो भैरवः

संकलित

दर्शन

हम इस दार्शनिक उलझन में पड़ गए हैं कि प्रभु करते हैं या हम करते हैं। क्या मैंने भी कुछ किया है या सबकुछ प्रभु ही कराते हैं? इसको समझना बहुत आवश्यक है। इस बात को समझे बिना, आध्यात्म के नाम पर हम क्या-क्या करते हैं। इसलिए, तथाकथित धार्मिक या आध्यात्मिक लोग बहुत समस्या पैदा करते हैं। स्वयं भी समस्या में उलझ जाते हैं और दूसरों के लिए भी समस्या पैदा कर देते हैं, क्योंकि उन्हें अकर्मण्यता पकड़ लेती है। एक विलक्षण शिव सूत्र है, 'उद्यमो भैरवः' भैरव शिव जी से ही प्रकट हुई शक्ति है। यदि आप किसी कार्य में संलग्न हैं तो उसमें अपना सौ प्रतिशत लगाएं। यही उद्यम है। ये आपको मुक्त कर देगा। जो काम करना है, उसके बारे में सोचकर बैठे रहने से कुछ नहीं होगा। करना है और छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं तो वह भी नहीं होगा। जो करना है, वह पूरा करके समाप्त करें और जो छोड़ना है, उसे छोड़कर शांत हो जाएं। दोनों में सौ प्रतिशत लगाएं। उद्यमो भैरवः प्रयत्न भी भगवान ही है। यदि हमारे उद्यम से ही सारा लाभ प्राप्त हो जाए तो हर एक व्यक्ति सफल हो जाता। ऐसा तो नहीं होता है। जब आप कोई काम करते हैं तो कभी सफल होते हैं और कभी असफल होते हैं। एक आलसी व्यक्ति सब छोड़कर बैठ जाता है। जब होगा, तब होगा। और जो व्यक्ति ज्वर से पीड़ित है, वह करता ही जा रहा है। वह तनाव से भरा हुआ है। वह आशाओं के पत्थरों को सिर पर ढो रहा है। उसके भीतर विभिन्न प्रकार की नकारात्मक संवेदनाएं उत्पन्न होने लगती हैं। तो मार्ग क्या है? कहां है?

जमींदार और मजदूर के कर्म का फल

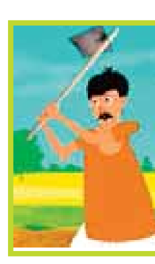

संकलित

प्रेरणा

एक गांव में जमींदार और उसके एक मजदूर की साथ ही मौत हुई। दोनों यमलोक पहुंचे। धर्मराज ने जमींदार से कहा- आज से तुम मजदूर की सेवा करोगे। मजदूर से कहा- अब तुम कोई काम नहीं करोगे, आराम से यहां रहोगे। जमींदार परेशान हो गया। पृथ्वी पर तो मजदूर जमींदार की सेवा करता था, पर अब उल्टा होने वाला था। जमींदार ने कहा- भगवन, आप ने मुझे यह सजा क्यों दी? मैं तो भगवान का परम भक्त हूं। प्रतिदिन मंदिर जाता था। देसी घी से भगवान की आरती करता था और बहुमूल्य चीजें दान करता था। धर्म के अन्य आयोजन भी मैं करता ही रहता था। धर्मराज ने मजदूर से पूछा- तुम क्या करते थे पृथ्वी पर? मजदूर ने कहा- भगवन, मैं गरीब मजदूर था। दिन भर जमींदार के खेत में मेहनत मजदूरी करता था। मजदूरी में उनके यहां से जितना मिलता था, उसी में परिवार के साथ गुजारा करता था। मोह माया से दूर जब समय मिलता था तब भगवान को याद कर लेता था। भगवान से कभी कुछ मांगा नहीं। गरीबी के कारण प्रतिदिन मंदिर में आरती तो नहीं कर पाता था, लेकिन जब घर में तेल होता तब मंदिर में आरती करता था और आरती के बाद दीपक को अंधेरी गली में रख देता था ताकि अंधेरे में आने-जाने वाले लोगों को प्रकाश मिले। धर्मराज ने जमींदार से कहा- आपने सुन ली न मजदूर की बात? भगवान धन-दौलत और अहंकार से खुश नहीं होते। भगवान मेहनत और ईमानदारी से कमाने वाले व्यक्ति से प्रसन्न रहते हैं।

सटाका

आज की पाती

अब तो चमत्कार से ही खत्म होगा भ्रष्टाचार

हाल ही में भगवान श्री राम जी की जन्मभूमि अयोध्या मंदिर में चढ़ावे की जो गड़बड़ी की खबरें सुर्खियां बनीं, उन्होंने एक बात तो शत-प्रतिशत सिद्ध कर दी कि मानवता के दुश्मन कुछ लोगों की बुद्धि लोभ और लालच ने इस कद्र भ्रष्ट कर दी है कि लोगों को न तो भगवान की लाठी का डर रहा है और न कानून की लाठी का। ऐसे लोगों को याद रखना चाहिए कि भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं और कानून के हाथ भी बहुत लंबे हैं। बेईमानी का खेल ज्यादा दिन नहीं चलता है। हमारे देश की राजनीति, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में जो खोट आए हैं, उनका एक सबसे बड़ा कारण है भ्रष्टाचार। अब जब लोग भगवान के घर में भी भ्रष्टाचार से नहीं डर रहे हैं, तो संभावना है कि भ्रष्टाचार अब किसी चमत्कार से ही खत्म होगा। *– विनय वर्मा, टोहाना*

ट्रेंड

अपूरणीय क्षति

प्रसिद्ध पंडवानी गायिका, पद्म विभूषण तीजन बाई के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। उनका जाना देश की कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। ॐ शांति।
- **नितिन गडकरी**, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

सोलर एनर्जी

यह देखकर अच्छा लगता है कि रिहायशी इलाके रोजमर्रा की ज़िंदगी में सोलर एनर्जी को अपना रहे हैं। द्वारका में एयर फोर्स और नेवल ऑफिसर्स एन्क्लेव में 500 केवी के सोलर प्लांट का उद्घाटन, एक ज़्यादा हरे-भरे, आत्मनिर्भर और विकसित दिल्ली बनाने के बढ़ते संकल्प को दिखाता है।
- **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

मेहनत का सबूत

बिहार के प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को हार्दिक बधाई, जिन्होंने 15 साल की उम्र में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए डेब्यू करके इतिहास रचा है। इतनी कम उम्र में देश का प्रतिनिधित्व करना आपके हुनर, कड़ी मेहनत और लगन का सबूत है।
- **सम्राट चौधरी**, सीएम, बिहार

बुनियादी मानक पूरे नहीं

उत्कृष्टता' का प्रवचन देने वालों को 'डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी' को पूरा करने में 11 साल लग गये। बनाया भी तो इतने निम्न स्तर का कि उत्कृष्टता तो दूर, गुणवता का एक भी बुनियादी मानक पूरा नहीं किया।
- **अखिलेश यादव**, सांसद, सपा

करंट अफेयर

किम जोंग ने विध्वंसक पोत से हथियारों का परीक्षण देखा

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने नए 5,000 टन वजनी विध्वंसक पोत 'कांग कोन' पर लगी परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम क्रूज मिसाइल और अन्य हथियारों के परीक्षण का निरीक्षण किया। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। 'कांग कोन' पिछले साल जलावतरण समारोह के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया था और बाद में इसकी मरम्मत की गई। यह परीक्षण परमाणु हथियारों से लैस नौसेना बनाने की किम की योजना के तहत किया गया उत्तर कोरिया का नवीनतम सैन्य शक्ति प्रदर्शन है। सरकारी समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने बताया कि शुक्रवार को हुए कार्यक्रम में एक रणनीतिक क्रूज मिसाइल, 'कांग कोन' की मुख्य तोप और स्वचालित तोपों का परीक्षण किया गया। इसके अलावा पोत की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का परीक्षण और लक्ष्य का पता लगाने एवं सूचनाओं का विश्लेषण करने की उसकी क्षमताओं का आकलन भी किया गया। सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि किम ने तट से इन परीक्षणों का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों को विध्वंसक पोत के परीक्षण पूरे कर उसे दो महीने के भीतर सेवा में शामिल किए जाने का निर्देश दिया।

ऑफ बीट

वास्तविकता 'कम खाओ ज्यादा चलो' से अलग है

दशकों तक हमें बताया गया कि वजन कम करना केवल आत्म-नियंत्रण का मामला है- कम खाओ, ज्यादा चलो। लेकिन आधुनिक विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि वास्तविकता इससे अलग है। हमारे पूर्वजों का असर हजारों साल पहले हमारे मानव पूर्वजों के लिए शरीर की चर्बी जीवन रेखा थी – बहुत कम चर्बी से भूखमरी का खतरा, बहुत अधिक चर्बी से धीमी गति का खतरा। समय के साथ, मानव शरीर ने ऊर्जा भंडारण की रक्षा करने के लिए जटिल जैविक रक्षा तंत्र विकसित किए, जो दिमाग में जुड़े थे। आज, जब भोजन हर जगह उपलब्ध है और शारीरिक गतिविधि वैकल्पिक है, तो वही तंत्र वजन घटाना मुश्किल बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति वजन घटाता है, तो शरीर इसे जीवन पर खतरे के रूप में देखता है- भूख वाले हार्मोन बढ़ते हैं, खाने की लालसा बढ़ती है और ऊर्जा खर्च घटता है। यह तंत्र कभी भूख और भोजन की अनिश्चितता में जीवन बचाने के लिए विकसित हुआ था, लेकिन आज यह चुनौती बन गया है। हमारा दिमाग भी वजन की रक्षा के लिए शक्तिशाली तंत्र रखता है और यह पुराने वजन को "याद" रख सकता है। इसका मतलब है कि यदि शरीर कभी भारी रहा है, तो दिमाग बाद में उसे सामान्य मानकर उसकी रक्षा करता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

दुनिया को सम्मोहित करने वाली सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका और गुरु तीजन बाई नहीं रहीं। पिछले लंबे समय से अस्वस्थ चल रहीं महीनेभर से एम्स अस्पताल में भर्ती तीजन बाई ने रविवार अलसुबह अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम गनियारी में गमगीन माहौल में राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

खूंटी पर तंबूरा !

पंडवानी की स्वर साम्राज्ञी पंचतत्व में विलीन

पंडवानी छत्तीसगढ़ का वह एकल नाट्य है जिसका अर्थ है पांडववाणी - अर्थात पांडवकथा, यानी महाभारत की कथा। ये कथाएं छत्तीसगढ़ की पारधी तथा देवार छत्तीसगढ़ की जातियों की गायन परंपरा है। इस लगभग लुप्त हो रही लोक-कला को देश-विदेश तक पहुंचाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई ही हैं। 5 जुलाई को तीजन बाई ने दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन उनकी कला उन्हें अमर कर गई।

अर्श से फर्श तक ...

पंडवानी को दुनिया में पहचान दिलाने तीजन बाई ने तय किया कांटों भरा सफर

छत्तीसगढ़ के भिलाई के गांव गनियारी में 24 अप्रैल 1956 को तीजन बाई का जन्म हुआ था। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पर्व तीजा के दिन जन्म हुआ, इसलिए इनकी मां ने नाम रख दिया - तीजन। इनके पिता का नाम चुनुकलाल पारधी और माता का नाम सुखवती था। तीजनबाई अपने माता-पिता की पांच संतानों में सबसे बड़ी थीं।

पारधी जनजाति में जन्मी तीजन बचपन से ही अपने नाना ब्रजलाल को महाभारत की कहानियां गाते-सुनाते देखतीं। उन्होंने जब पहली बार अपने नाना से द्रौपदी चीरहरण का प्रसंग सुना, तो महाभारत सुनने और समझने में उनकी रूचि बढ़ने लगी। उस समय लड़कियों का ऐसे कार्यक्रम में भाग लेना उचित नहीं माना जाता था, इसलिए तीजन बाई छुप-छुप कर इन्हें सुना करती थी। एक दिन जब उनके नाना ने तीजन को छुपकर महाभारत के प्रसंग सुनते हुए देखा तो पूछने लगे कि तुम यहां क्या कर रही हो। तीजन के सब बताने पर उनके नाना भावुक हो गए और तीजन को पंडवानी का प्रशिक्षण देने लगे। इसी के साथ तीजन बाई के जीवन में संघर्ष की शुरुआत हुई।

12 वर्ष की उम्र में जब तीजन बाई ने पंडवानी गाना शुरू किया था, तब घर-परिवार ने बंदिशे लगा दी, समाज ताना मारने लगा। समाज का डर, पग-पग पर अपमान और निरंतर विरोध था। किन्तु यह सब तीजन बाई के जूनून एवं साहस के आगे बौने पड़ गए। तीजन बाई ने अपने नाना एवं गुरु से पंडवानी का प्रशिक्षण लिया और निरन्तर अभ्यास से इस कला में महारत हासिल की।

तीजा के दिन जन्म हुआ, इसलिए इनकी मां ने नाम रख दिया - तीजन

छत्तीसगढ़ की लोककला 'पंडवानी' को विदेश तक पहुंचाने वाली पद्म विभूषण तीजनबाई की अनूठी दास्तां

इंग्लैंड, फ्रांस, स्विटजरलैंड, जर्मनी और टर्की पहुंचीं

जहां पंडवानी जैसी कला आज देश में विलुप्त होती जा रही है, वही तीजन बाई अकेली महिला थी, जो हजारों मुसीबतों के बावजूद इस कला को जिंदा रखने की हर संभव कोशिश कर रही थी। आखिर उनकी कला की बदौलत धीरे-धीरे देश एवं विदेश से भी उन्हें सराहना मिलने लगी। तीजन बाई ने देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। वर्ष 1980 में वे भारत की सांस्कृतिक राजदूत के रूप में इंग्लैंड, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, टर्की, माल्टा, साइप्रस, रोमानिया, और मॉरीशस जैसे देशों की यात्रा पर गईं और पंडवानी की कला से लोगों का परिचय करवाया।

मिले कई सम्मान

भारतीय लोक कला में तीजनबाई के असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। 1995 में उन्हें संगीत नाटक अकादमी अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।

1988 : पद्म श्री

2003 : पद्म भूषण

2019 : पद्म विभूषण

तीजनबाई कहती थीं...

हमारे जमाने में लड़कियों का स्कूल जाना अच्छा नहीं मानते थे, सोचते थे, ऐसे भी खाना ही बना रही है, वैसे भी तो खाना ही बनाएगी। कभी नहीं भेजा गया हमें पढ़ने। सो भइया हम ठहरे निरच्छर, अंगूठा छाप। -लेकिन इन्हीं अंगूठा छाप तीजन बाई ने अपने जीवन की पाठशाला से शिक्षा ग्रहण की और जीवन के उतार-चढ़ाव ने उन्हें समय के साथ अनुभवी एवं परिपक्व बना दिया।

पहली बार गाने पर मिला एक बोरा चावल

उस समय में महिलाएं, पंडवानी केवल बैठकर गा सकती थीं, जिसे वेदमती शैली कहा जाता है। वहीं, पुरुष खड़े होकर कापालिक शैली में गाते थे। तीजन बाई वो पहली महिला हैं, जिन्होंने कापालिक शैली में पंडवानी की प्रस्तुति दी थी। इसके बाद दूसरे गांववाले उन्हें तीज-त्यौहार पर लोक गीत गाने बुलाने लगे। तीजन जब 13 साल की थी, तब उन्होंने पहली बार अपने पास वाले गांव चंदखुरी में मंच पर प्रस्तुति दी थी। शुरुआती दिनों में पाडंवनी के लिए कोई निश्चित राशि तय नहीं थी, हर कार्यक्रम के बाद श्रोतागण अपनी श्रद्धा अनुसार 10 -20 पैसे या फिर एक मुट्ठी चावल दिया करते थे। तीजन को भी अपने पहले कार्यक्रम में सम्मान स्वरुप एक बोरा चावल मिला, जिसे बेचकर उन्होंने अपने घर की छत बनवाई थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण शुरुआत में वे पंडवानी गाने के साथ-साथ छिंद की झाड़ू, दातुन और लकड़ी के सामान आदि बनाकर बेचा करती थी। लगभग 5 वर्षों तक यह आर्थिक संघर्ष चलता रहा किन्तु पंडवानी के प्रति उनका समर्पण कभी कम नहीं हुआ।

शुरुआती दिनों में गांवों में पंडवानी गाती

तीजन बाई जिस समुदाय में पैदा हुई थी, उनका मुख्य काम था चिड़िया पकड़ना, शहद बटोरना, चटाइयां बुनना और झाड़ू बुहारना था। तीजन ने कभी स्कूल का दरवाजा भी नहीं देखा था। वह बताती है कि उन्हें हस्ताक्षर करना तक नहीं आता था और इस बात पर लोग उन पर हंसते थे, बाद में तीजन बाई के सहयोगियों ने उन्हें हस्ताक्षर करना सिखाया।

अभिनेता रणबीर कपूर के साथ तीजन बाई

बासी चावल और चटनी की शौक़ीन, तीजन बाई ने अपनी काबिलियत एवं प्रतिभा के दम पर यह मुकाम हासिल किया। दमदार आवाज़ की जादूगर तीजन बाई ने संघर्षो के आगे कभी घुटने नहीं टेके। बॉलीवुड के मशहूर कलाकार रणबीर कपूर, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी या फिर कोई सामान्य कला का विद्यार्थी क्यों न हो, तीजन बाई सबसे बेहद सादगी और सरलता से मिलती होती थीं।

तीजन बाई ने कभी दिया था यह संदेश

जो बैठ जाता है उसकी तकदीर भी बैठ जाती है और जो उठकर चलने लगता है, उसकी तकदीर भी उठकर खड़ी हो जाती है, इसलिए हमें अपनी मंजिल की ओर बढ़ते रहना चाहिए।

जेडीए अध्यक्ष ने की विभिन्न शाखाओं के कार्यों की विस्तृत समीक्षा

योजनाओं के विकास कार्यों के साथ आमजनों की सुविधाओं में न हो कोताही : संदीप जैन

समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर के विकास और विभिन्न निर्माण संबंधी महत्वपूर्ण कार्यों को गति दी जा रही है, इसी क्रम में जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन द्वारा प्राधिकरण की प्रमुख शाखाओं- संपत्ति शाखा, भू-अर्जन शाखा एवं तकनीकी शाखा के कार्यों की समीक्षा बैठक ली गई।बैठक के दौरान अध्यक्ष संदीप जैन ने प्रत्येक शाखा की वर्तमान प्रगति रिपोर्ट का बारीकी से अवलोकन करते हुए अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शहर के विकास और आम जनता से जुड़ी सभी योजनाओं को पूरी गंभीरता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। आम जनता से जुड़े संपत्ति हस्तांतरण, भू-आवंटन और तकनीकी स्वीकृति जैसे मामलों में किसी भी प्रकार का विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी लंबित कार्यों का त्वरित निराकरण कर हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ सुनिश्चित किया जाए।

समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु मांगे सुझाव

समीक्षा के दौरान अध्यक्ष श्री जैन ने अधिकारियों एवं कर्मचारी से कार्यों के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों और व्यवधानों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों या प्रशासनिक प्रक्रियाओं में जो भी समस्याएं या बाधाएं आ रही हैं, उनके त्वरित और स्थायी समाधान के लिए नीतियों में आवश्यक सुधार कर काम को और अधिक गति दी जा सके। प्राधिकरण की तकनीकी शाखा के अंतर्गत चल रहे एवं आगामी निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में श्री जैन ने शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और विकास कार्यों को नई गति देने के लिए अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए।

निविदाएं तत्काल आमंत्रित करने के निर्देश

समीक्षा के दौरान अध्यक्ष श्री जैन ने तकनीकी शाखा के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान में शहर के विकास से संबंधित जितनी भी नई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, उनकी निविदाएं बिना किसी विलंब के त्वरित रूप से आमंत्रित की जाएं। निविदा प्रक्रियाओं को पारदर्शी और तीव्र बनाकर निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द धरातल पर शुरू कराया जाए।

समय-सीमा में पूर्ण हों निर्माण कार्य

अध्यक्ष संदीप जैन ने प्राधिकरण के चल रहे प्रोजेक्ट्स की प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए स्पष्ट किया कि सभी तकनीकी और निर्माण कार्यों को एक निश्चित समय-सीमा के भीतर ही पूर्ण किया जाए। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या लेटलतीफी को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समय पर काम पूरा होने से ही प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सीधा लाभ आम जनता तक पहुंचेगा।

शहर का होगा चहुमुखी विकास

जेडीए अध्यक्ष ने कहा कि जबलपुर विकास प्राधिकरण की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य शहर का चहुमुखी (सर्वांगीण) विकास करना है। जब प्राधिकरण के तकनीकी कार्य और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स समय पर पूरे होंगे, तभी सामान्य जन इन योजनाओं का वास्तविक और अधिकतम लाभ उठा सकेंगे। जेडीए शहर को आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।
बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यपालन यंत्री, प्रशासनिक अधिकारी, संपत्ति अधिकारी, भू-अर्जन अधिकारी और तकनीकी शाखा के सभी सहायक यंत्री एवं उपयंत्री उपस्थित रहे।

लोकतंत्र का भविष्य, छात्र राजनीति, सशक्त संवाद एवं नेतृत्व निर्माण पर हुई विचार गोष्ठी

शरद यादव की जयंती पर पौधारोपण हुआ

जबलपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सामाजिक न्याय के प्रखर नेता स्वर्गीय शरद यादव की जयंती के अवसर पर "लोकतंत्र का भविष्य, छात्र राजनीति, सशक्त संवाद एवं नेतृत्व निर्माण" विषय पर 01 जुलाई को शहीद स्मारक, जबलपुर में एक भव्य विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ (शिक्षण विभाग) एवं शरद यादव विचार मंच, जबलपुर (मध्य प्रदेश) के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री राजा पटेरिया रहे तथा अध्यक्षता मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया ने की। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व मंत्री कौशल्या गोंटिया, कमलेश टेकाम (गोंडवाना गणतंत्र पार्टी), बैजनाथ कुशवाहा, वीरेंद्र चौबे, आनंद जैन, अधिवक्ता नरेंद्र जैन, दिनेश यादव, डॉ. प्रशांत मिश्रा एवं अशोक तोमर मंचासीन रहे।
कार्यक्रम का संचालन रामरतन यादव एवं दिनेश सिंह ठाकुर ने संयुक्त रूप से किया। इससे पूर्व पूर्वान्ह 11 बजे तहसील चौक स्थित ललित गार्डन में शरद यादव के प्रस्तावित प्रतिमा स्थल पर पौधारोपण कर उनकी जयंती मनाई गई तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने भारतीय लोकतंत्र में छात्र राजनीति की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए।
वक्ताओं ने कहा कि यदि लोकतंत्र को मजबूत बनाना है तो विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में स्वस्थ छात्र राजनीति को पुनः सक्रिय करना आवश्यक है। छात्र जीवन से ही युवाओं को सामाजिक, लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों से जोड़कर नेतृत्व निर्माण की दिशा में आगे बढ़ाया जाना चाहिए।
स्वर्गीय शरद यादव का सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, पिछड़े, वंचित एवं कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा तथा युवाओं को नेतृत्व देने के लिए समर्पित रहा। उनके विचार आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम में जबलपुर, कटनी, सिहोरा, दमोह, पनागर, कुंडम, बरेला सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में शरद यादव के समर्थक, प्रशंसक, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में राज सोनकर, घनश्याम यादव, इंद्र कुमार कुलस्ते, एडवोकेट अनुराग सिंह गया प्रसाद कुशवाहा श्यामसुंदर, बब्बू, अमित पांडे, टीनू भैया, महेश बेन, उमा उईके सहित अन्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

डॉक्टर्स दिवस पर स्वास्थ्य परामर्श शिविर संपन्न

जबलपुर। 01 जुलाई 2026 को राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के उपलक्ष्य में मन्नवी फार्मा, सुहागी, जबलपुर पर परामर्श शिविर का आयोजन हुआ जिसमें वरिष्ठ चिकित्सक एवं फिजिशियन डॉ. प्रियंक चतुर्वेदी एम.डी. (मेडिसिन) द्वारा लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जांच कर परामर्श दिया गया। मन्नवी फार्मा के संचालक अतिन श्रीवास्तव एवं पूजा तिवारी ने बताया कि शिविर में आए हुए लोगों ने परामर्श शिविर की सराहना की एवं डॉ. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में लोगों को स्वास्थ्य लाभ एवं परामर्श प्राप्त हुआ। लोगों की मांग को देखते हुए आगे भी निःशुल्क परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा।

मेधावी विद्यार्थियों, वरिष्ठजनों एवं समाजसेवियों का हुआ सम्मान

रानी दुर्गावती प्रतिभा सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न

वृक्षारोपण एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड विकास समिति, धनवंतरी नगर, जबलपुर द्वारा आयोजित "रानी दुर्गावती प्रतिभा सम्मान समारोह" गुरुकुल स्कूल, धनवंतरी नगर में अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पगलानंद महाराज रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में जैन आचार्य, गुरुकुल स्कूल के संस्थापक, मौलाना आरिफ साहब, रशीद साहब, प्रशांत शास्त्री, के.के. शुक्ला, डॉ. अरुण मिश्रा, जया मिश्रा, प्रदीप वाधवा, पूनम चंद मिश्रा, शंकर उर्मिलिया, नारायण भट्ट एवं रमाशंकर विश्वकर्मा, वसीम खान, आदेश दुबे उपस्थित रहे।
कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड विकास समिति के अध्यक्ष बलराज सिंह ने की, जबकि मंच संचालन एड. रामकिशोर शिवहरे ने प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया। इस अवसर पर सीबीएसई एवं मध्यप्रदेश बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं परीक्षाओं में 85 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं सम्मान प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को समिति द्वारा आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई।समारोह में महिला अध्यक्ष मनोरमा पटेल, रतन गर्ग, श्री गुप्ता, ओंकारनाथ मिश्रा सहित अनेक समाजसेवियों को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान समिति की युवा समिति का गठन भी किया गया, जिसमें युवा अध्यक्ष राहुल पटेल, युवा उपाध्यक्ष निक्की ठाकुर, भैरव बढ़गैया, संगठन मंत्री जसराज सिंह, सहसचिव संजू विश्वकर्मा, अनुराग ठाकुर को विभिन्न दायित्व सौंपे गए।समारोह में डॉ. मणि नेमा एवं उनकी टीम द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ प्राप्त किया।अपने उद्बोधनों में सभी संत-महात्माओं, धर्माचार्यों एवं विशिष्ट अतिथियों ने विद्यार्थियों को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए कहा कि आज के मेधावी एवं संस्कारवान विद्यार्थी ही आने वाले समय में देश का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रभक्ति, सेवा भावना एवं मानवीय संवेदनाओं को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि समाज और राष्ट्र को ऐसे युवा चाहिए जो ज्ञानवान, विवेकशील, चिंतनशील, चरित्रवान एवं सेवा-भाव से ओतप्रोत हों। सभी अतिथियों ने समिति द्वारा आयोजित इस अभिनव एवं प्रेरणादायी आयोजन की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी एवं अनुकरणीय पहल बताया।

शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में प्राध्यापकों ने एकजुट होकर विरोध दर्ज कराया

जबलपुर। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालय प्राध्यापक संघ के आह्वान पर महाविद्यालय परिसर में सभी प्राध्यापकों ने काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। मांगों को लेकर प्राध्यापक संघ अपनी विभिन्न लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश शासन की ओर ध्यान आकर्षित कराना चाहता है। इसी सिलसिले में गत दिवस कॉलेज भवन के मुख्य परिसर के सामने एकत्रित होकर प्राध्यापकों ने एकजुटता का परिचय दिया।

मध्य प्रदेश विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन ने किया आंदोलन का आव्हान

जबलपुर। शक्ति भवन में मध्य प्रदेश विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन की महत्वपूर्ण बैठक दिनांक 5 जुलाई 2026 को 11:00 बजे संपन्न हुई। इस बैठक में एम.एल. चौकसे मुख्य संगठन ने उपस्थित लोगों को संगठन के ऊपर प्रकाश डालते हुए वर्तमान में मंडल कर्मचारियों की स्थिति उनके द्वारा किया जा रहा सौतेला व्यवहार एवं कैशलेस सुविधा में उदासीनता धारा 49(6) को विलुप्त करने पर जोर दिया। आगामी समय में प्रांतीय स्तर पर जबलपुर में प्रांतीय सम्मेलन रखने एवं संघर्ष को और तेज बढ़ाने आंदोलन करने का आवाहन किया गया। आज की इस बैठक में रविशंकर सक्सेना, विजय कुमार चौकसे, दिनेश चौधरी, अखिलेश तिवारी ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर आर.एस. पटेल, लल्लू पटेल, अब्दुल रहमान लाल सोनी, संजय एडवर्ड, वीरेंद्र सिंह प्रजापति, अजय पटेल, दिनेश कुशवाहा, उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन दिनेश चौधरी ने किया।

सोनू रजक बने परिवहन प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

जबलपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश अनुसार डॉक्टर संजय कामले संगठन महासचिव की सहमति एवं पूर्व विधायक जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण जबलपुर के अध्यक्ष संजय यादव, वरिष्ठ नेता राजेश तिवारी, गुरु संगठन मंत्री राजेश पटेल की अनुशंसा से परिवहन प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नरिंदर सिंह पांधे द्वारा सोनू रजक को जबलपुर ग्रामीण परिवहन प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्त किए जाने पर बरगी नगर में हर्ष का माहौल बना हुआ है। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं ने आशा जताई कि इनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त एवं मजबूत हो तथा आप पूरी निष्ठा, समर्पण और कर्मठता के साथ संगठन हित में कार्य करते हुए नई ऊंचाइयों को प्राप्त करें।

जबलपुर में रोबोटिक नी-रिप्लेसमेंट (घुटना प्रत्यारोपण) सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधा

अब महानगरों जैसी तकनीक संस्कारधानी के लिए उपलब्ध

जबलपुर। शैल्बी मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल, जबलपुर ने जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अत्याधुनिक सहायता से अब घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी अत्यधिक सटीकता, बेहतर सुरक्षा एवं उत्कृष्ट परिणामों के साथ की जा रही है। जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में शैल्बी हॉस्पिटल की विशेषज्ञता, डॉ. विक्रम आई शाह की अनुभवी सर्जनों की टीम एवं वर्षों का अनुभव इसे विशिष्ट बनाता है। जब विश्वस्तरीय रोबोटिक तकनीक का समन्वय अनुभवी चिकित्सकों के कौशल के साथ होता है, तब मरीजों को सर्वोत्तम उपचार परिणाम प्राप्त होते हैं। प्रेस वार्ता के दौरान जॉइंट रिप्लेसमेंट एवं रोबोटिक सर्जन डॉ. विकास सावला ने अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक का लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया तथा बताया कि यह तकनीक सर्जरी को अधिक सटीक, कम दर्दनाक एवं शीघ्र रिकवरी वाली बनाती है।
उन्होंने कहा कि अब जबलपुर एवं समूचे महाकौशल क्षेत्र के मरीजों को इस सुविधा के लिए महानगरों की ओर रुख करने की आवश्यकता नहीं होगी। इस अवसर पर शैल्बी हॉस्पिटल की संपूर्ण ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट टीम उपस्थित रही, जिसमें डॉ. विश्वनाथ प्रताप सिंह, डॉ. अमन अग्रहरि, डॉ. कुशल सुराना, हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव तथा उप मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अंकित जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।
कार्यक्रम में 70 वर्षीय राजेंद्र वर्मा, निवासी भीलवाड़ा (राजस्थान) भी उपस्थित रहे। उन्होंने शैल्बी हॉस्पिटल में सफल रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी के पश्चात अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें अपेक्षा से भी बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं तथा अब वे पहले की अपेक्षा अधिक सहजता एवं आत्मविश्वास के साथ चल-फिर पा रहे हैं। शैल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर में 24×7 समर्पित ट्रॉमा यूनिट, अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित क्रिटिकल केयर एवं आईसीयू सेवाएं, तथा चार इन-हाउस अनुभवी अस्थि रोग विशेषज्ञों की विशेषज्ञ टीम उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त हॉस्पिटल में जॉइंट रिप्लेसमेंट, ट्रॉमा, स्पाइन एवं अन्य उन्नत ऑर्थोपेडिक उपचार सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

पहली बार राष्ट्रीय स्तर का "जबलपुर हेमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी अपडेट" वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित

रक्त रोगों के शीघ्र निदान एवं आधुनिक उपचार पर विशेषज्ञों ने साझा किया अनुभव

जबलपुर। शनिवार 04 जुलाई एवं रविवार 05 जुलाई 2026 को होटल शॉन एलिज़े, जबलपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन "जबलपुर हेमेटोलॉजी एवं ऑन्कोलॉजी अपडेट 2026" का सफल आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का आयोजन शहर के वरिष्ठ रक्त एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष गुप्ता द्वारा किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य चिकित्सकों, विशेषज्ञों एवं मेडिकल विद्यार्थियों को रक्त रोगों एवं रक्त कैंसर के क्षेत्र में उपलब्ध नवीनतम वैज्ञानिक जानकारियों, आधुनिक निदान तकनीकों एवं उन्नत उपचार पद्धतियों से अवगत कराना था, आज भारत में एनीमिया, सिकल सेल रोग, थैलेसीमिया, रक्तस्राव संबंधी विकार, थ्रॉम्बोसिस, ल्यूकेमिया, लिम्फोमा तथा अन्य रक्त कैंसर तेजी से बढ़ रहे हैं। इन रोगों का यदि प्रारम्भिक अवस्था में सही पहचान एवं समय पर उपचार किया जाए तो अनेक रोगियों का जीवन बचाया जा सकता है तथा उपचार के बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस सम्मेलन में आधुनिक जांच तकनीकों, उन्नत उपचार पद्धतियों, टार्गेटेड थैरेपी, इम्यूनोथैरेपी, प्रिसिजन मेडिसिन तथा नवीन अनुसंधान पर आधारित वैज्ञानिक व्याख्यान आयोजित किए गए। सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित रक्त एवं कैंसर रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। प्रमुख वक्ताओं में मुंबई के सुप्रसिद्ध रक्त रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.बी. अग्रवाल, डॉ. दिनेश भुरानी (राजीव गांधी कैंसर संस्थान, नई दिल्ली), डॉ. शरत दामोदर (नारायणा हेल्थ, बेंगलुरु), डॉ. सुमित गुजराल (टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई), पूर्व प्रोफेसर डॉ. तेजिंदर सिंह (हेमेटोपैथोलॉजी एवं सर्जिकल पैथोलॉजी, नई दिल्ली), डॉ. दिप्ती जैन, डॉ. मुकेश बंग, डॉ. सुनीत लोकवानी, डॉ. यशवंत कश्यप तथा डॉ. विजय कुमार भार्गव ने अपने अनुभव एवं नवीनतम वैज्ञानिक जानकारी साझा की। दो दिवसीय सम्मेलन में एनीमिया का आधुनिक मूल्यांकन एवं उपचार, एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी सिंड्रोम (अप्स), सिकल सेल रोग एवं थैलेसीमिया, आईसीयू में होने वाली रक्त संबंधी समस्याएँ, ल्यूकेमिया एवं लिम्फोमा, हेमेटोलॉजी में नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस), थ्रॉम्बोसिस, पॉलीसाइथीमिया एवं अन्य मायलोप्रोलिफेरेटिव विकारों पर विस्तृत वैज्ञानिक चर्चाएँ हुईं। इसके अतिरिक्त पैथोलॉजी विशेषज्ञों एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए बोन मैरो एस्पिरेशन एवं बायोप्सी, हेमेटोपैथोलॉजी स्लाइड डिस्कशन तथा प्रैक्टिकल हेमेटोलॉजी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया (एपीआई), जबलपुर ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी (जॉग्स), इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी), इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) सहित अनेक चिकित्सा संस्थाओं का सक्रिय सहयोग रहा। साथ ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर एवं आसपास के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के फैकल्टी सदस्यों, स्नातकोत्तर रेजिडेंट्स तथा जबलपुर एवं लगभग 200 किलोमीटर के दायरे के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस आयोजन को सफल बनाया। सम्मेलन के आयोजक डॉ. आशीष गुप्ता ने बताया कि ऐसे वैज्ञानिक आयोजनों से चिकित्सकों को नवीनतम अंतरराष्ट्रीय उपचार दिशानिर्देशों एवं व्यावहारिक अनुभवों की जानकारी मिलती है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ मरीजों को बेहतर एवं समय पर उपचार के रूप में प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि रक्त संबंधी रोगों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा चिकित्सकों को आधुनिक वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है, यह सम्मेलन चिकित्सकों, विशेषज्ञों एवं मेडिकल विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, व्यावहारिक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ तथा रक्त रोगों एवं रक्त कैंसर के शीघ्र निदान, सटीक उपचार एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में स्थापित हुआ।

अजाक्स ने पदोन्नतियों का लाभ प्रदान करने आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। मध्य प्रदेश शासन सामान प्रशासन विभाग मंत्रालय का पत्र क्रमांक 1/1/3/0023/2025-GAD-3-1 भोपाल दिनांक 30/06/2026 के मध्य प्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के प्रदेश के अंतर्गत आने वाले नियमों मंडलों सार्वजनिक उपक्रमों तथा स्थानीय निकायों को पदोन्नति के संबंध में समुचित निर्णय लेने हेतु सक्षम किया गया है एवं दिनांक 03/7/26 को अजाक्स संघ नगरीय निकाय प्रकोष्ठ प्रांत एवं संभाग के द्वारा आयुक्त को नगर पालिका निगम जबलपुर के अधिकारी, कर्मचारियों एवं सफाई संरक्षण की पदोन्नतियों को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए शासन के इस निर्देश अनुसार अविलंब आवश्यक समिति का गठन कर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित कर पात्रता अनुसार पद्धति का लाभ प्रदान करने का कष्ट करें। इस संबंध में मांग पत्र सौंपा गया। आयुक्त द्वारा आश्वासन दिया गया कि संबंधित विभाग में शीघ्र-अतिशीघ्र डीपीसी बैठक बुलाई जाएगी। इस अवसर पर सुरेंद्र लखेरा प्रांतीय महासचिव नगरीय निकाय प्रकोष्ठ, शेखलाल आर्मो संभागीय अध्यक्ष नगरीय निकाय प्रकोष्ठ, वरिष्ठ सदस्य सी.एल. मरावी, पवन सिंह बड़खड़े, भान सिंह टीकम, महेंद्र कोरी, अजीत अजय महात्मा, अकबर, रविकांत, छुट्टन, रीतेंद्र दानिया, यशवंत, राजू, ववन, राकेश कुवार आदि अजाक्स संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि उपज मंडियों को व्यापक आधुनिकीकरण बनाने तैयार की महत्वाकांक्षी योजना : पुरुषोत्तम

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार ने कृषि उपज मंडी समितियों के व्यापक आधुनिकीकरण की महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसका उद्देश्य प्रदेश की मंडियों को पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी, तकनीक-सक्षम और किसान-केंद्रित विपणन केंद्रों के रूप में विकसित करना है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य, त्वरित भुगतान और राष्ट्रीय बाजारों तक आसान पहुंच मिल सके। यह बात मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी)बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम ने कही।

मंडी बोर्ड प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम के अनुसार योजना के तहत ई-मंडी 2.0 को सभी 259 मंडियों और 298 उप मंडियों तक विस्तारित किया जाएगा। इसके अंतर्गत मंडी संचालन को पेपरलेस बनाने, एआई आधारित निर्णय प्रणाली लागू करने और डिजिटल लॉग एवं ऑडिट ट्रेल सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

कुमार पुरुषोत्तम

नई व्यवस्था में ऑनलाइन किसान एंट्री, डिजिटल नीलामी, इलेक्ट्रॉनिक बिक्री प्रमाण पत्र, डिजिटल तौल प्रणाली, क्यूआर आधारित सत्यापन और मोबाइल आधारित मंडी संचालन जैसे फीचर्स शामिल किए जाएंगे।

राष्ट्रीय बाजारों तक आसान पहुंचः सरकार की मंशानुरूप मंडी बोर्ड ने रखा स्मार्ट, डिजिटल और किसान-केंद्रित मंडी का विजन

ऑनलाइन किसान एंट्री, डिजिटल नीलामी, डिजिटल तौल प्रणाली, क्यूआर आधारित सत्यापन और मोबाइल आधारित मंडी संचालन जैसे फीचर्स

इस प्लेटफॉर्म में जियो-टैग प्रोड्यूस लिस्टिंग एआई आधारित कीमत पूर्वानुमान और ई-नीलामी जैसी नई सुविधाएं जोड़ी जाएंगी

एमपी फार्म गेट एप का विस्तार

उन्होंने बताया कि एमपी फार्म गेट के माध्यम से किसानों को खेत, खलिहान और गोदाम से सीधे उपज बेचने की सुविधा दी जा रही है। अगले 5 वर्षों में इसके उपयोगकर्ताओं को 11 लाख से बढ़ाकर 15 लाख तक ले जाने और डिजिटल कृषि व्यापार को 40 फीसदी तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही एफपीओ इंटीग्रेशन को 100 फीसदी तक करने की योजना है। इस प्लेटफॉर्म में जियो-टैग्ड प्रोड्यूस लिस्टिंग, एआई आधारित कीमत पूर्वानुमान और ई-नीलामी जैसी नई सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

आधुनिक मंडी इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस, होंगे वन स्टॉप किसान सुविधा केंद्र स्थापित

मंडी बोर्ड प्रबंध संचालक ने बताया कि प्रदेश में क्लीनिंग, ग्रेडिंग और पैकेजिंग यूनिट्स के बड़े नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। ए, बी, सी और डी श्रेणी की मंडियों के अनुसार 5 टीपीएच और 2 टीपीएच क्षमता के प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इससे कृषि उपज की गुणवत्ता, मूल्य और निर्यात क्षमता में सुधार होगा। सभी प्रमुख मंडियों को स्मार्ट मंडी के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां फ्री वाई-फाई, सीसीटीवी सर्विलांस, कमांड सेंटर, एलईडी डिस्प्ले बोर्ड, स्मार्ट पार्किंग, सोलर एनर्जी और स्मार्ट वॉटर मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि हर मंडी में वन स्टॉप किसान सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां किसान पंजीयन, भुगतान जानकारी, फसल सलाह, बीमा और ऋण सहायता जैसी सेवाएं एक ही स्थान पर मिलेंगी।

मप्र की कृषि विपणन व्यवस्था राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल सिस्टम में उभर रही

उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था में सभी मंडियों में शत-प्रतिशत कैशलेस लेन-देन को बढ़ावा दिया जाएगा। यूपीआई, एईपीएस , नेट बैंकिंग और डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर के माध्यम से तत्काल और पारदर्शी भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार का दावा है कि इस व्यापक आधुनिकीकरण से मध्य प्रदेश की कृषि विपणन व्यवस्था राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल सिस्टम के रूप में उभर सकती है।

ग्लोबल पार्ट्स सेंटर का शिलान्यास

हीरो मोटोकॉर्प का आंध्र प्रदेश में 3,200 करोड़ से अधिक का निवेश

शिलान्यास अवसर पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू

एजेंसी ▶▶ तिरुपति

मोटरसाइकिल और स्कूटर निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने आंध्र प्रदेश में 3,200 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की घोषणा की है। कंपनी ने तिरुपति में अपने दूसरे ग्लोबल पार्ट्स सेंटर (जीपीसी) का शिलान्यास किया, जिस पर 750 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। यह परियोजना तिरुपति को मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि हीरो मोटोकॉर्प राज्य के औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण साझेदार है। उन्होंने कहा कि नया ग्लोबल पार्ट्स सेंटर रायल सीमा क्षेत्र में रोजगार, कौशल विकास और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगा तथा तिरुपति को देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में शामिल करेगा। हीरो मोटोकॉर्प के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन डॉ. पवन मुंजाल ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य मेड इन इंडिया, फॉर इंडिया एंड द वर्ल्ड के विजन को आगे बढ़ाना है।

उन्होंने बताया कि नया सेंटर कंपनी की वैश्विक सप्लाई चेन को मजबूत करेगा और यह उनके पिता एवं कंपनी के संस्थापक डॉ. बृजमोहन लाल मुंजाल की 103वीं जयंती पर उन्हें समर्पित एक श्रद्धांजलि भी है। तिरुपति प्लांट में पहले से ही कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों की डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग हो रही है। नए निवेश के बाद प्लांट की उत्पादन क्षमता बढक़र 12 से 15 लाख यूनिट प्रतिवर्ष तक पहुंचने की संभावना है।

सस्ते आयात पर रोक और सीमा शुल्क बढ़ाने की मांग

चेतावनीः उत्पादकों के 3 लाख करोड़ से अधिक के प्रस्तावित निवेश पर पड़ेगा असर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एल्युमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने केंद्र सरकार से एल्युमीनियम उत्पादों पर मूल सीमा शुल्क बढ़ाने की मांग की है। संगठन का कहना है कि सस्ते आयात और वैश्विक संरक्षणवादी नीतियों के कारण घरेलू उद्योग पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे निवेश, रोजगार और सरकारी राजस्व प्रभावित होने का खतरा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजे गए पत्र में एएआई ने कहा कि भारतीय एल्युमीनियम उद्योग इस समय दोहरी चुनौती का सामना कर रहा है। एक ओर एल्युमीनियम आयात तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक बाजारों में निर्यात के अवसर सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बनाए रखने के लिए तत्काल नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत है।

निवेश, रोजगार और सरकारी राजस्व प्रभावित होने का खतरा

देश से 88,400 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी मुद्रा बाहर गई

आवश्यक नीतिगत कदम जल्द उठाए जाएं

संगठन के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में एल्युमीनियम का आयात बढ़कर 34.8 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जिससे देश से 88,400 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बाहर गई। एएआई का कहना है कि आयात में लगातार बढ़ोतरी से घरेलू उद्योग पर गंभीर दबाव बन रहा है। एल्युमीनियम उद्योग का दावा है कि यह क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उद्योग से हर साल करीब 30,000 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त होता है, जबकि यह लगभग 8 लाख लोगों को रोजगार और 4,000 से अधिक एमएसएमई को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष समर्थन प्रदान करता है। एएआई ने चेतावनी दी कि यदि सस्ते आयात पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो प्रमुख उत्पादकों के 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावित निवेश पर असर पड़ सकता है। संगठन के मुताबिक, देश की प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 90 लाख टन प्रति वर्ष तक पहुंचाया जा सकता है और एक लाख से अधिक नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। संगठन ने सरकार से आग्रह किया है कि घरेलू उद्योग की सुरक्षा, निवेश को बढ़ावा देने के लिए एल्युमीनियम उत्पादों पर मूल सीमा शुल्क बढ़ाने सहित आवश्यक नीतिगत कदम जल्द उठाए जाएं।

सिर्फ रीपैकेजिंग, रीलेबलिंग या मामूली प्रोसेसिंग से नहीं मिलेगा 'मेड इन इंडिया' का दर्जा

सरकार ने स्पष्ट किया है कि केवल किसी आयातित उत्पाद की रीपैकेजिंग, री-लेबलिंग या मामूली प्रोसेसिंग करने से उसे 'मेड इन इंडिया' का दर्जा नहीं मिलेगा। किसी उत्पाद को भारतीय मूल का माना जाने के लिए देश में पर्याप्त स्तर का विनिर्माण या मूल्य संवर्धन होना आवश्यक है। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सही जानकारी उपलब्ध कराना, भ्रामक दावों पर रोक लगाना और वास्तविक भारतीय निर्माताओं के हितों की रक्षा करना है। केवल पैकेज बदलने या नया लेबल लगाने से किसी विदेशी उत्पाद की उत्पत्ति नहीं बदल जाती। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किसी उत्पाद को भारत में पर्याप्त रूप से निर्मित या परिवर्तित किया गया है और निर्धारित नियमों के तहत आवश्यक मूल्य संवर्धन हुआ है तभी उसे 'मेड इन इंडिया का दर्जा दिया जा सकता है। सरकार का मानना है कि इससे बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी, उपभोक्ताओं का भरोसा मजबूत होगा और 'मेक इन इंडिया' अभियान को भी मजबूती मिलेगी। साथ ही, आयातित उत्पादों को भारतीय उत्पाद बताकर बेचने जैसी भ्रामक गतिविधियों पर भी अंकुश लगेगा।

30वां स्थापना दिवस

पीएनबी गिल्ट्स ने ऋण बाजार में उत्कृष्टता के 30 वर्ष पूरे किए

आयोजित समारोह में विशिष्ट अतिथि और बैंक अधिकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक की सहायक कंपनी तथा एक स्वतंत्र प्राथमिक डीलर पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड ने अपना 30वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर कंपनी ने भारतीय ऋण बाज़ार तथा सरकारी प्रतिभूति पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में अपने तीन दशकों के उल्लेखनीय योगदान का स्मरण किया।

वर्ष 1996 में स्थापित पीएनबी गिल्ट्स ने सरकारी प्रतिभूतियों, ट्रेज़री समाधान, बाजार निर्माण, अभिग्रहण तथा ऋण पूंजी बाजार सेवाओं में अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से भारत के स्थिर आय बाजार को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आयोजित समारोह में अशोक चंद्र (प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पीएनबी), पारीद सुनील (प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पीएनबी गिल्ट्स), निदेशक मंडल के सदस्य, वरिष्ठ प्रबंधन, कर्मचारीगण तथा अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। पीएनबी गिल्ट्स की विकास यात्रा उसकी सुदृढ़ वित्तीय स्थिति एवं बाज़ार नेतृत्व को प्रतिबिंबित करती है।

कंपनी की कुल निवल संपत्ति लगभग 1,700 करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। ऋण पूंजी बाजार व्यवसाय में कंपनी ने शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त किया है तथा हाल ही में स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध होने के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण किए हैं। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 1997 से वित्त वर्ष 2026 के दौरान कंपनी ने अपनी दीर्घकालिक स्वामित्व निधि में लगभग 13 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है, जो इसकी सतत वित्तीय मजबूती एवं अनुशासित विकास का प्रमाण है।

संस्थागत उधारकर्ताओं से आगे निकले कारोबारी, बिजनेस लोन का बकाया 1.8 गुना बढ़ा

तीन साल में उद्यमियों के बिजनेस लोन में हुई तेज बढ़ोतरी

एजेंसी:मुंबई। ट्रांसयूनियन सिबिल और स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (सिडबी) की नवीनतम एमएसएमई पल्स रिपोर्ट के अनुसार, भारत के वाणिज्यिक ऋण बाजार में व्यक्तिगत उद्यमियों की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन वर्षों में व्यक्तिगत उधारकर्ताओं को मिलने वाले बिजनेस लोन की वृद्धि संस्थागत उधारकर्ताओं की तुलना में अधिक रही है। रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2023 से मार्च 2026 के बीच व्यक्तिगत उधारकर्ताओं के बिजनेस लोन का बकाया 1.8 गुना बढ़ा, जबकि कंपनियों और अन्य संस्थागत उधारकर्ताओं के लोन में 1.5 गुना की वृद्धि दर्ज की गई। मार्च 2026 तक कुल वाणिज्यिक ऋण बकाया 65.8 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक वर्ष पहले की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। कुल कमर्शियल लोन में व्यक्तिगत उधारकर्ताओं की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत और संस्थागत उधारकर्ताओं की 72 प्रतिशत रही।

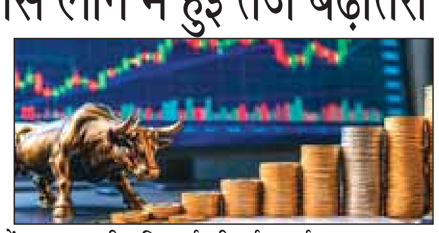

4.4 करोड़ सक्रिय वाणिज्यिक ऋण खाते 2.8 करोड़ व्यक्तिगत उधारकर्ताओं के लोन

रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 4.4 करोड़ सक्रिय वाणिज्यिक ऋण खाते हैं, जबकि 2.8 करोड़ व्यक्तिगत उधारकर्ताओं के पास सक्रिय बिजनेस लोन मौजूद हैं। इनमें से 43 प्रतिशत ऐसे हैं। (जिनका क्रेडिट इतिहास 24 महीने से कम का है, जो नए उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एमएसएमई सेक्टर में औपचारिक ऋण पहुंच बढ़ाने की अभी भी बड़ी संभावनाएं हैं, क्योंकि वर्तमान में केवल 41 प्रतिशत वाणिज्यिक उद्यमों को ही संस्थागत या औपचारिक ऋण की सुविधा मिल रही है। वित्तीय संस्थानों की बात करें तो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के कुल कमर्शियल लोन पोर्टफोलियो का 48 प्रतिशत हिस्सा व्यक्तिगत उधारकर्ताओं से जुड़ा है।

जेट फ्यूल की जगह लेगा सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल, प्रदूषण होगा कम

नई दिल्ली। अब विमानन क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दक्षिण कोरिया ने एथेनॉल आधारित सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल को बढ़ावा देने का फैसला किया है। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल पारंपरिक पेट्रोलियम आधारित जेट फ्यूल का पर्यावरण-अनुकूल विकल्प माना जाता है। इसे एथेनॉल, कृषि अवशेष, इस्तेमाल किए गए कुकिंग ऑयल और अन्य जैविक स्रोतों से तैयार किया जा सकता है।

राशिफल

मेष — मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, नरसिंहपुर

क्रमांक/निविदा/2026/3737 — **निविदा विज्ञप्ति** — नरसिंहपुर दिनांक. 29/6/26

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, नरसिंहपुर जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में औषधि/सामग्री/उपकरण व ऑक्सीजन गैस,कार्बनडाईऑक्साइड गैस, नाइट्रस ऑक्साइड व फायर एक्सटिंगसर फीलिंग/हाइड्रोस्टेटिक टेस्टिंग कार्य कराने हेतु निविदा हेतु योग्य निविदाकारों से निविदा प्रपत्र में दर्शाई गयी गई शर्तो के आधार पर जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में वितीय वर्ष 2026-27 हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	सुरक्षा निधि	निविदा ऑनलाईन एवं ऑफलाईन जमा करने की अंतिम तिथि	निविदा कार्यालय जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में खोलने का दिनांक एवं समय
जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में औषधि/सामग्री/उपकरण व ऑक्सीजन गैस, कार्बनडाई ऑक्साइड गैस, नाइट्रस ऑक्साइड व फायर एक्सटिंगसर फीलिंग/हाइड्रोस्टेटिक टेटिंग कार्य।	रुपये 100000.00 अंकन एक लाख रुपये मात्र ।	दिनांक 27.07.2026 को 17 बजे तक	अनिवार्य सबमिशन लिफाफा कमांक अ दिनांक 27.07.2026
			तकनीकि प्रस्ताव लिफाफा कमांक ब दिनांक INFORM LATER BY MP TENDER PORTAL
			तकनीकि प्रस्ताव लिफाफा कमांक स दिनांक INFORM LATER BY MP TENDER PORTAL

1. निविदा प्रपत्र दिनांक 06.07.2026 पूर्वान्ह 11:00 बजे से दिनांक 27.07.2026 को अपरान्ह 5:00 बजे तक म.प्र. शासन के ई टेण्डर पोर्टल https://mptenders.gov.in/ की वेबसाईट से वापिसी अयोग्य 1000.00 रुपए अंकन (एक हजार रुपए) ईपेमेन्ट कर आनलाईन क्रय किये जा सकते है । 2. निविदा मान्य करना / बिना किसी कारण निरस्त करने के समस्त अधिकार अधोहस्ताक्षकर्ता के पास पूर्णतः सुरक्षित रहेगें ।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
नरसिंहपुर

G-15274/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

आवश्यकता

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 500-रू 1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के । जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955 (रायपुर /06/जुलाई 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

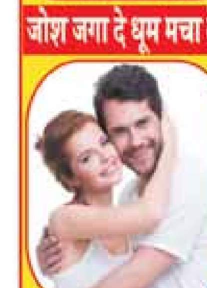

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामदी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 09083218330

शब्द पहेली - 6278

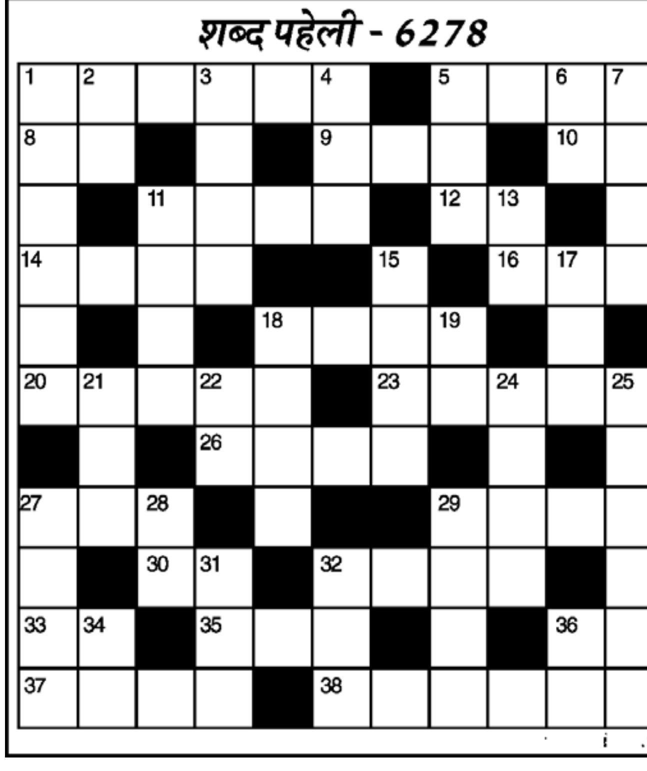

बाएँ से दाएँ
1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे
1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 6277 का हल

आ	द	त	न	■	ल	■	वा	य	लि	न
■	ल	■	रा	■	प	व	न	■	ख	फा
ए	■	■	ध	व	ल	■	र	■	■	स
ह	र	द	म	■	पा	ल	■	फ	क	त
सा	■	म	■	दा	ना	■	सा	■	मा	■
न	वी	न	त	म	■	अ	ज	वा	ई	न
■	र	■	वा	■	स	दा	■	रि	■	वी
प	ता	का	■	ह	क	■	अ	स	मा	न
र	■	■	जी	■	प	र	दा	■	■	ता
वा	त	■	न	ल	का	■	व	■	द	■
ज	रु	र	त	■	ना	■	त	ल	वा	र

सूडोकु नवताल - 6288

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6287 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

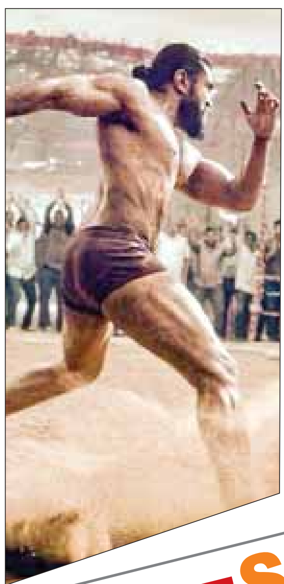

अब ओटीटी पर आएगी रामचरण की 'पेड्डी'

मुंबई। साउथ सुपरस्टार रामचरण की फिल्म 'पेड्डी' ने सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। अब ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है, जिससे उन दर्शकों की खुशी दोगुनी हो गई है, जो किसी वजह से इसे बड़े पर्दे पर नहीं देख पाए थे। फिल्म पेड्डी की डिजिटल रिलीज को लेकर लंबे समय से चर्चाएं चल रही थीं और अब आखिरकार इसकी आधिकारिक घोषणा भी कर दी गई है। ऐसे में रामचरण के फैंस एक बार फिर इस फिल्म का रोमांच अपने घरों में बैठकर महसूस कर सकेंगे।

लाइफ Style

कृति
ब्रेकअप की खबरें खारिज

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ डिनर डेट पर नजर आईं, जिससे उनके ब्रेकअप की अफवाहें खारिज हो गई है। मुंबई में पैपराजी की ओर से कैप्चर किए गए वायरल वीडियो में, कपल खुश दिख रहा था और एक ही कार में निकला, जो उनके मजबूत रिश्ते का संकेत देता है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बता दें कि लंबे समय से बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन के रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया को एक महिला के साथ नजर आए थे। उन दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल भी हुई। इसके बाद से कृति और कबीर बहिया के ब्रेकअप की अटकलें लगने लगीं। इसके बाद एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ पुरानी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें कबीर भी नजर आएं। अब दोनों को एक साथ डिनर डेट पर जाते नजर आए है।

देर रात को मुंबई के बांद्रा में कपल डिनर डेट पर नजर आएं। वहीं, दोनों ही पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। वायरल वीडियों में कपल काफी खुश नजर आ रहे हैं और पैप्स के देखकर मुस्करा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई। कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया है कि कबीर के साथ वायरल तस्वीरों में दिखी लड़की, उनकी फैमिली फ्रेंड है, जिसे वह अपनी बहन की तरह मानते हैं। हाल ही में कृति सेनन की फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज हुई है। इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की।

हॉलीवुड मसाला

टेलर-ट्रैविस की शादी में चमकीं सेलेना

लॉस एंजेसिल। हॉलीवुड जगत की सबसे चर्चित शादियों में से एक, पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट और अमेरिकी फुटबॉलर ट्रैविस केल्स की शादी में टेलर स्विफ्ट की लगभग 18 साल पुरानी और बेहद करीबी दोस्त सेलेना गोमेज मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं, जो शादी में टेलर की ब्राइड्समेड बनी थीं। सेलेना गोमेज ने अपनी दोस्त टेलर स्विफ्ट की शादी के कार्यक्रमों के दौरान प्रसिद्ध फैशन ब्रांड ऑस्कर डे ला रेंटा की दो खूबसूरत ड्रेस पहनीं। रिहर्सल डिनर के मौके पर उन्होंने काले रंग का स्लीवलेस गाउन और डिजाइनर जूते पहने।

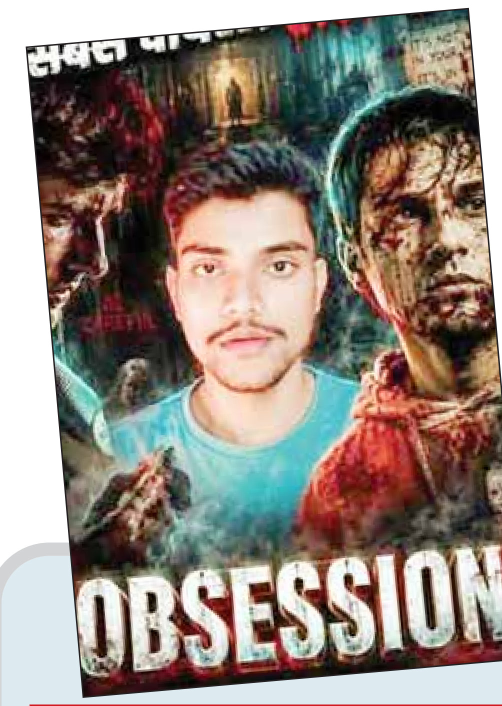

फ्री में नहीं देख सकेंगे हॉरर फिल्म 'ऑब्सेशन'

लॉस एंजेलिस। इस साल की सबसे बड़ी हॉरर सरप्राइज साबित हुई 'ऑब्सेशन' को प्राइम वीडियो और एप्पल टीवी जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज तो कर दिया गया है, लेकिन फिलहाल यह फिल्म प्लेटफॉर्म के सब्सक्राइबर्स के लिए मुफ्त में उपलब्ध नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे देखने के लिए दर्शकों को पैसे चुकाने होंगे। फिल्म को खरीदने के लिए 24.99 डॉलर (लगभग 2,000 रुपए) और किराये पर लेकर देखने के लिए 19.99 डॉलर (लगभग 1,600 रुपए) की कीमत तय की गई है। मेकर्स इस महीने के अंत में इसके फुल-फ्लेज्ड स्ट्रीमिंग रिलीज की घोषणा कर सकते हैं, लेकिन उसकी सटीक तारीख अभी साफ नहीं है। जो लोग इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए थे, उन्हें फिलहाल इसे किराए पर लेकर या खरीदकर ही देखना होगा।

पहली फिल्म के बारे में विद्या का खुलासा

मुंबई। मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'परिणीता' से लोगों का दिल जीत लिया था। लेकिन बॉलीवुड में कदम रखना उनके लिए आसान नहीं था। खबर के अनुसार, सिमी गरेवाल के टॉक शो में विद्या बालन ने उस पल को याद किया, जब उन्हें इस फिल्म 'परिणीता' के लिए चुना गया था। विद्या ने बताया कि वे इस फिल्म के लिए कई ऑडिशन दे चुकी थीं और उन्हें लगभग लग रहा था कि वे रिजेक्ट हो चुकी हैं। विद्या ने बताया, 'मैं मशहूर सिंगर एनरिक के एक कॉन्सर्ट में थी। मैंने अपना फोन बंद कर रखा था, ताकि कोई परेशान न करे। मेरे साथ मेरा एक दोस्त था, जो फिल्म के डायरेक्टर प्रदीप सरकार को जानता था। जब प्रदीप सरकार ने मेरे दोस्त को फोन किया और पूछा कि विद्या कहां है?

सेंसर बोर्ड के पेंच में सल्लू की फिल्म

मुंबई। सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि' सेंसर बोर्ड के पेंच में फंस गई है और कहा जा रहा है कि फिल्म को सर्टिफिकेट नहीं मिल पाया है। यह फिल्म इसी साल पहले अप्रैल में और फिर स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होनी थी। हालांकि, अब तक मेकर्स ने इसकी रिलीज को लेकर घोषणा नहीं की है। वहीं अब खबर है कि सीबीएफसी ने सलमान की इस फिल्म को अभी सर्टिफिकेट नहीं दिया है और इसे लेकर कोशिश जारी है। कहा जा रहा है कि सेंसर बोर्ड से इस फिल्म को क्लीयरेंस सर्टिफिकेट नहीं दिया गया है। सलमान की 'मातृभूमि' को लेकर कहा जा रहा था कि ये इस साल अगस्त में स्वतंत्रता दिवस वाले वीकेंड पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। हालांकि, न तो फिल्ममेकर्स की ओर से रिलीज डेट और न ही सेंसर बोर्ड से किसी तरह की दिक्कतों पर किसी तरह की कोई बात कही है।

टीवी मसाला

'लॉकअप 2' में आकांक्षा का चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई। चर्चित अभिनेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला इन दिनों 'लॉकअप सीजन 2' में नजर आ रही हैं। इस शो को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में एंट्री करने के साथ ही आकांक्षा ने अपनी

निजी जिंदगी को लेकर ऐसा खुलासा किया कि सबको तगड़ा झटका लगा। उन्होंने बताया था कि उनका और गौरव खन्ना का तलाक हो रहा है। अब निजी जिंदगी पर उन्होंने एक और हैरान करने वाली बात कही है। आकांक्षा चमोला 'लॉकअप 2' में एक के बाद एक बड़े खुलासे कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने शो में खुद को बाइसेक्सुअल बताया। उन्होंने स्पष्ट किया की गौरव खन्ना से शादी से पहले उनके लड़कियों के साथ रिलेशन रहे। आकांक्षा ने कहा, 'मैं शादी से पहले बायसेक्सुअल थी। मेरे कुछ लड़कियों के साथ रिलेशन रहे हैं। बहुत ज्यादा इंटिमेट रिलेशन नहीं रहे हैं, लेकिन मैं कुछ लड़कियों के साथ रिलेशनशिप में रही हूं। बस वही है। मुझे लड़कियां पसंद हैं। मैं लड़कियों की तरफ आकर्षित होती हूं। मुझे लगता है कि यही मेरा सेफ स्पेस है'। आकांक्षा चमोला के इस खुलासे के बाद नेटिजंस की सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रिया आ रही है। कुछ लोग इस बात को उनका पब्लिसिटी स्टंट करार दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि शो में ट्रेंड रहने के लिए और टीआरपी के लिए यह सब ड्रामा है।

फिल्म के टाइटल विवाद पर विराम

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की आगामी बायोपिक फिल्म 'ईथा' (**Eetha**) के नाम को लेकर चल रहा विवाद अब सुलझता नजर आ रहा है। यह फिल्म महाराष्ट्र की मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार दिवंगत विठाबाई नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित है। पिछले दिनों परिवार के ही एक सदस्य के फिल्म के टाइटल पर आपत्ति जताए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया था। हालांकि, अब विठाबाई की सबसे बड़ी बेटी ने सामने आकर इस पूरे मामले पर परिवार का रुख साफ कर दिया है और फिल्म के नाम का पूरा समर्थन किया है।

आने वाली फ़िल्म का टाइटल तब बहस का विषय बन गया जब ऐसी खबरें आईं कि विठाबाई के पोते मोहित नारायणगांवकर ने 'ईथा' नाम पर आपत्ति जताई और मांग की कि टाइटल में दिवंगत कलाकार का पूरा नाम शामिल किया जाए। इस विवाद पर बात करते हुए, विठाबाई की सबसे बड़ी बेटी, 75 वर्षीय मंगला बनसोडे करावडीकर ने चिंताओं को खारिज कर दिया और बताया कि परिवार पूरी तरह से इस टाइटल का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, हमें फ़िल्म के टाइटल से कोई आपत्ति नहीं है। मैंने मोहित से बात की है और उनसे अनुरोध किया है कि वे इस बारे में आगे कोई बयान न दें। यह टाइटल सही है क्योंकि उन दिनों, जिन गांवों में मेरी मां परफॉर्म करती थीं, वहां के लोग अक्सर उन्हें 'ईथा' कहकर बुलाते थे।

विक्की मानसून में भी कर रहे जोरदार वर्कआउट

मुंबई। हिंदी सिनेमा में बहुत कम समय में अपने अभिनय से पहचान बना चुके एक्टर विक्की कौशल फिटनेस को लेकर काफी सजग रहते हैं। उन्होंने फिटनेस के प्रति अपनी पूरी लगन की एक झलक फैंस के साथ साझा की। एक्टर ने अपने वर्कआउट सेशन का एक वीडियो शेयर किया और कहा कि कोई छुट्टी नहीं है। विक्की ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो क्लिप शेयर किया और कैप्शन में लिखा कि नो डेज ऑफ। वीडियो में एक्टर जबरदस्त 'बेयर क्रॉल' एक्सरसाइज करते हुए दिख रहे हैं। अनुशासित फिटनेस रूटीन बनाए रखने के लिए मशहूर विक्की अक्सर सोशल मीडिया पर अपने जिम सेशन की झलकियां फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। विक्की अब संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगे।

तमन्ना ने किया लीना संग बैंकॉक में स्टेज शेयर...

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और के-पॉप ग्रुप ब्लैकपिंक की सिंगर लीजा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों बैंकॉक के एक इवेंट में साथ नजर आ रही हैं। इस वीडियो में लीजा ने तमन्ना को हाथ जोड़कर नमस्ते करने के अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है, जिसके बाद दोनों के बीच किसी कोलेबोरेशन की अटकलें लगाई जा रही हैं।हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने 'ब्लैकपिंक' की सिंगर लीजा के साथ पोज देती नजर आई हैं। सोशल मीडिया पर इस समय उनका वीडियो लीजा के साथ काफी वायरल हो रहा है। तमन्ना में शानदार एक्टिंग और डांस के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस बैंकॉक के एक इवेंट में पहुंचीं और वहां पर मशहूर 'ब्लैकपिंक' की सिंगर के साथ नजर आईं है।

पहले मिलता था कलाकारों को सुधार करने का मौका : मधु
आज की अभिनेत्रियां शुरुआत से ही होती हैं परफेक्ट

मुंबई। 90 के दशक की चर्चित अभिनेत्री मधु ने अपनी फिल्मों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। उन्होंने 'फूल और कांटे', 'रोजा', 'जेंटलमैन' और 'योधा' जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। वह लंबे समय तक फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं। मधु का मानना है कि उनके दौर की अभिनेत्रियों को खुद को निखारने और दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने का समय मिलता था, जबकि आज की अभिनेत्रियों के सामने शुरुआत से ही खुद को साबित करने की बड़ी चुनौती होती है।

अब जल्द आ जाता है नया चेहरा

मधु ने कहा, हम सभी का करियर काफी लंबा रहा। मैंने अपनी इच्छा से करीब 9 साल बाद फिल्मों से दूरी बना ली, लेकिन मेरी साथ की अभिनेत्रियां लगातार काम करती रहीं। उन्होंने समय के साथ खुद को बदला, नए किरदार अपनाए और दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाए रखी। आज की अभिनेत्रियों को इतना लंबा समय नहीं मिल पाता। वे पहली ही फिल्म में बेहद खूबसूरत और पूरी तरह तैयार नजर आती हैं, कुछ फिल्में करती हैं और फिर उनके जगह पर कोई नया चेहरा आ जाता है।

अभिनेत्रियों के सामने बड़ी चुनौती

मधु ने आगे कहा, हमारे समय का फायदा यह था कि शुरुआत में परफेक्ट न होने के बावजूद हमें खुद को साबित करने का मौका मिलता था। आज की अभिनेत्रियां शुरुआत से ही परफेक्ट होती हैं, लेकिन उन पर पहली ही फिल्म से अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव रहता है। उन्हें काफी सपोर्ट मिलता है, लेकिन अगर पहली फिल्म में दर्शकों को प्रभावित नहीं कर पाईं तो उनके लिए आगे बढ़ना मुश्किल हो जाता है।

हमें मिलता था दूसरा मौका

मधु ने अपना उदाहरण देते हुए कहा, अगर दर्शकों को हम पसंद नहीं आते थे, तो हमें दूसरा और तीसरा मौका भी मिलता था। मेरे 9 साल के करियर में हर फिल्म मेरे लिए सीखने का एक नया अवसर थी। मैं शुरुआत में उतनी अच्छी नहीं थी, लेकिन धीरे-धीरे बेहतर होती गई। दर्शकों ने मुझे खुद को सुधारने का समय दिया। मेरी पहली फिल्म 'फूल और कांटे' में मैं बेस्ट नहीं थी, लेकिन लोगों ने मुझसे जुड़ाव महसूस किया। इसके बाद मुझे अपने अभिनय के साथ-साथ हेयरस्टाइल, मेकअप और स्क्रीन प्रेजेंस जैसी चीजों में भी सुधार करने का मौका मिला।

70वें मिनट में एमबाप्पे का 'मास्टरस्ट्रोक'

फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से हराया क्वार्टर फाइनल का टिकट पक्का

एमबाप्पे का 19वां वर्ल्ड कप गोल पराग्वे का सफर खत्म

एजेंसी ▶▶| फिलाडेल्फिया

स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे ने अपने पांव का जादू दिखाते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से पराजित करके विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पराग्वे के खिलाड़ियों ने एमबाप्पे को खुलकर खेलने से रोके रखा और इस बीच उन्हें भड़काने की भी कोशिश की। यह दिग्गज खिलाड़ी हालांकि शांत बना रहा और इस बीच मुस्कुरा कर खेल का पूरा आनंद भी लेता रहा। यही वजह थी कि जब फ्रांस को 70वें मिनट में पेनल्टी मिली तो उन्होंने बड़ी सहजता से पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल को छकाकर उस पर गोल कर दिया। एमबाप्पे के विश्व कप करियर का यह 19वां गोल था, जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

लगातार चौथी बार क्वार्टर फाइनल में फ्रांस

भीषण गर्मी में खेले गए इस मैच में एमबाप्पे के इस गोल ने फ्रांस को लगातार चौथी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। एमबाप्पे ने बाद में कहा, 'हम जानते थे कि इस मैच में क्या होने वाला है। हम भी आक्रामक हो सकते थे लेकिन हम जानते हैं कि कैसे खेलना है। हमें पता है कि आक्रामक फुटबॉल कैसे खेलते हैं। शायद वे सोच रहे थे कि हम सूट-बूट में आएंगे, लेकिन हम तैयार थे।' फ्रांस क्वार्टर फाइनल में गुरुवार को मैसाचुसेट्स के फॉक्सबोरो में मोरक्को का सामना करेगा।

मेस्सी के रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे एमबाप्पे

एमबाप्पे सभी विश्व कप में कुल मिलाकर सर्वाधिक गोल करने के मामले में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के करियर रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं। इस टूर्नामेंट में एमबाप्पे और मेस्सी दोनों के सात-सात गोल हैं और वे 'गोल्डन बूट' की दौड़ में शीर्ष पर हैं। एमबाप्पे ने पिछले विश्व कप में यह पुरस्कार जीता था लेकिन तब उनकी टीम फाइनल में अर्जेंटीना से हार गई थी।

तीन विश्व कप के नॉकआउट राउंड में एमबाप्पे ने किए तीन गोल

एमबाप्पे इसके साथ ही पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने तीन विश्व कप के नॉकआउट राउंड में कम से कम तीन गोल किए हैं। फ्रांस की जीत का अंतर अधिक हो सकता था लेकिन गिल ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दूसरे हाफ में एमबाप्पे के एक बेहतरीन प्रयास को नाकाम किया और ओस्मान डेम्बेले को भी गोल करने से रोका।

मोरक्को ने कनाडा के जादुई अभियान को रोका, अंतिम 8 में शानदार प्रवेश

एजेंसी ▶▶| ह्यूस्टन

अजेदीन ओउनाही के दो गोल की मदद से मोरक्को ने कनाडा को 3-0 से हराया और इस तरह से वह विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में एक से अधिक बार पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। पहला हाफ गोलरहित छूटने के बाद मोरक्को ने अपना असली रंग दिखाया और दनादन तीन गोल करके सह मेजबान कनाडा का जादुई अभियान आगे नहीं बढ़ने दिया। ओउनाही ने 50वें और 82वें मिनट में गोल किए। उसकी तरफ से तीसरा गोल सोफियान रहीमी ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में किया।

कनाडा नहीं उठा पाया अवसरों का फायदा

कनाडा ने भी अच्छा खेल दिखाया लेकिन वह अवसरों का फायदा नहीं उठा पाया। इसके बावजूद कनाडा के लिए यह विश्व कप यादगार बन गया, क्योंकि वहां फुटबॉल लोकप्रिय नहीं है और वहां के लोगों पर आइस हॉकी का जादू सर चढ़कर बोलता है। यही कारण है कि उसके कोच जेसी मार्श टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नजर आए। मार्श ने कहा, 'यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि कनाडा की टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे मुकाम पर है,जिसकी 10 साल पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। लोगों में गजब का उत्साह है और इसलिए अब हर कोई कहेगा कि अगले विश्व कप में राउंड ऑफ 16 से नीचे आना असफलता है।'

'गोल्डन बूट' की दौड़ बनी रोचक

फिलाडेल्फिया। फ्रांस के काइलियन एमबाप्पे ने पराग्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में पेनल्टी किक पर गोल दागकर अपने विश्व कप करियर का 19वां और मौजूदा टूर्नामेंट का सातवां गोल करके अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ 'गोल्डन बूट' की दौड़ रोचक बना दी। इन दोनों खिलाड़ियों ने वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक सात-सात गोल किए हैं और वह टूर्नामेंट में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को मिलने वाले 'गोल्डन बूट' की दौड़ में सबसे आगे हैं। नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड और इंग्लैंड के हैरी केन पांच-पांच गोल के साथ 'गोल्डन बूट' की दौड़ में अगले स्थान पर हैं। अपना छठा विश्व कप खेल रहे मेस्सी ने फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर सर्वाधिक 20 गोल किए हैं और इस तरह से एमबाप्पे इस रिकॉर्ड के मामले में उनसे केवल एक गोल पीछे हैं। यही नहीं एमबाप्पे का विश्व कप के नॉकआउट राउंड में यह 11वां गोल था और इस तरह से उन्होंने अपने रिकॉर्ड को आगे बढ़ाया। वह तीन विश्व कप में से प्रत्येक के नॉकआउट राउंड में कम से कम तीन गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

खबर संक्षेप

बीएमडब्ल्यू इंटरनेशल: कट से चूके शुभंकर

म्यूनिख। शुभंकर शर्मा लंबे ब्रेक के बाद वापसी करते हुए यहां बीएमडब्ल्यू इंटरनेशनल ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में कट से चूक गए। शुभंकर ने लगातार दो दौर में 73 का स्कोर बनाया, जो उन्हें कट में जगह दिलाने के लिए नाकाफी था। उनका कुल स्कोर दो ओवर रहा। जर्मनी के थॉमस रोसेम्युलर सात अंडर 65 के दिन के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ खिताब की दौड़ में शामिल हो गए है। उनका कुल स्कोर 11 अंडर है और वह संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं रोसेम्युलर संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे बर्नड वीसबर्गर और माइकल होलिक से दो शॉट पीछे हैं। इन दोनों का कुल स्कोर 13 अंडर है।

खिताबी दौड़ में बरकरार दीक्षा और अदिति अशोक

हुलेनकोर्ट। गोल्फर दीक्षा डागर और अदिति अशोक ने हुलेनकोर्ट महिला ओपन के तीसरे दौर के बाद संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंचकर खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी बनाए रखी है। दीक्षा ने लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) के इस टूर्नामेंट में भारत की उम्मीदों को कायम रखते हुए एक अंडर 71 और अदिति ने दो अंडर 70 का कार्ड खेला। दोनों ओलंपियन का कुल स्कोर पांच अंडर 211 है और वे तालिका में शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की केल्सी बेनेट से पांच स्ट्रोक पीछे हैं। बेनेट ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेला और कुल 10 अंडर के स्कोर के साथ बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने स्पेन की कैरोलिना चकार्रा पर दो स्ट्रोक की बढ़त बना ली है। दीक्षा ने दूसरे और नौवें होल पर बर्डी लगाई,

भारत-ए की श्रीलंका-ए पर शानदार जीत, बराड़ ने चटकाए 10 विकेट

एजेंसी ▶▶| गॉल

तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने दूसरे और अंतिम अनौपचारिक टेस्ट में कुल 10 विकेट लेकर भारत ए को श्रीलंका ए पर शानदार 10 विकेट की जीत दिलाकर अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ संभावित टेस्ट पदार्पण के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर दी।

साई सुदर्शन के 168 रन की बदौलत भारत ए ने पहली पारी में 543 रन का विशाल स्कोर बनाया और श्रीलंका ए पर 177 रनों की बढ़त हासिल की। भारत ए ने दिन की शुरुआत 8 विकेट पर 541 रन से की थी। मैच के चौथे और अंतिम दिन खेल तेजी से आगे बढ़ा। बराड़ ने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर श्रीलंका ए की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। पहली पारी में भी उन्होंने 4 विकेट लिए थे, जिससे पूरे मैच में उनके विकेटों की संख्या 10 हो गई।

श्रीलंका ए की बल्लेबाजी नाकाम

श्रीलंका ए की ओर से आशेन बंडारा ने 87 रन बनाए, लेकिन उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। श्रीलंका ए की दूसरी पारी 209 रन पर सिमटने के बाद भारत ए को जीत के लिए केवल 33 रन का लक्ष्य मिला। साई सुदर्शन और अमन मोखाड़े ने 6.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए यह लक्ष्य हासिल कर लिया और भारत ए ने 10 विकेट से आसान जीत दर्ज की।

आकिब की तुलना में बराड़ का प्रदर्शन प्रभावशाली

अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए टीम में जगह के एक अन्य दावेदार आकिब नबी की तुलना में बराड़ का प्रदर्शन कहीं अधिक प्रभावशाली रहा। पंजाब के इस तेज गेंदबाज ने पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला में भारत के लिए पदार्पण करते हुए भी प्रभावित किया था। वह टेस्ट टीम का भी हिस्सा थे, लेकिन उन्हें अब तक टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका नहीं मिला है।

हमें इंग्लैंड की परिस्थितियों के अनुरुप ढलना होगा : किशन

मैनचेस्टर। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का मानना है कि भारत को इंग्लैंड की परिस्थितियों में बेहतर तरीके से ढलना होगा और बीच के ओवरों में धीमी गति से बल्लेबाजी करने की समस्या से निजात पाना होगा, जिसके कारण उसे यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हार का सामना करना पड़ा। भारत अपने पिछले चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जीत हासिल नहीं कर पाया है। किशन ने कहा, 'बिल्कुल उनके पास गेंदबाजी के सबसे अच्छे विकल्प होंगे। उन्हें परिस्थितियों की बेहतर समझ होगी। लेकिन हम भी सुधार की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम सभी यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके खिलाड़ी हमारे खिलाफ क्या कर रहे हैं क्योंकि उनके पास ज्यादा जानकारी है।

आजम फिर बने टेस्ट टीम के कप्तान, मसूद बर्खास्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शान मसूद को टेस्ट टीम की कप्तानी से बर्खास्त करके उनकी जगह बाबर आजम तो फिर से कमान सौंपी है। मसूद को कप्तान पद से हटाना तय लग रहा था क्योंकि पाकिस्तान ने उनकी कप्तानी में जो 18 टेस्ट मैच खेले उनमें से 12 में उसे हार का सामना करना पड़ा। मसूद ने 2023 के शुरू में बाबर से कप्तानी संभाली थी। चयनकर्ता आकिब जावेद ने कहा, 'हम एक ऐसे कप्तान की तलाश में थे, जो टीम का बेहतर नेतृत्व कर सके। शान का व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन कप्तान के तौर पर हमें अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे थे।'

टेस्ट सीरीज: श्रीलंका ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजी आक्रमण की उडाई धज्जियां

एजेंसी ▶▶| नॉर्थ साउंड

सोनल दिनुशा (92) और कुसल मेंडिस (69) ने छठे विकेट के लिए 143 रन की साझेदारी की, जिससे श्रीलंका ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाकर दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 549 रन बनाकर समाप्त घोषित की।

वेस्टइंडीज ने इसके जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 1 विकेट पर

58 रन बनाए थे और वह अब भी श्रीलंका से 491 रन पीछे है। उसने जल्द ही सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग (17) का विकेट गंवा दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय जॉन कैंपबेल 31 और कैवेम हॉज छह रन पर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट एक पारी और 217 रन से जीतकर दो मैचों की श्रृंखला में बढ़त बना रखी है। दिनुशा और मेंडिस ने लाहिरु उदरा और कामिंदु मेंडिस की रखी नींव को आगे बढ़ाया।

विंबलडन

ज्वेरेव की क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने पर नजर

एजेंसी ▶▶| लंदन

विंबलडन में दूसरे सीड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अमेरिकी खिलाड़ी मार्कोस गिरोन के खिलाफ 6-2, 7-6(4), 6-4 से जीत दर्ज की। इसी के साथ ज्वेरेव ने अपने करियर में चौथी बार ऑल इंग्लैंड क्लब में चौथे राउंड में जगह बनाई। फ्रेंच ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, जर्मन खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास के साथ विंबलडन पहुंचे, हालांकि उन्होंने माना कि ग्रास (घास) उनका सबसे कम पसंदीदा सरफेस है। वह एसडब्ल्यू19 में कभी भी चौथे राउंड से आगे नहीं बढ़ पाए, लेकिन उनके हालिया प्रदर्शन से संकेत मिला कि शायद वह अब आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

ज्वेरेव ने अपनी सर्विस में लगाए 17 ऐस

29 वर्षीय ज्वेरेव ने अपनी सर्विस के दम पर एक और शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मुकाबले में 17 ऐस लगाए और पहली सर्विस पर खेले गए 70 में से 54 अंक (77 प्रतिशत) अपने नाम किए। हालांकि, अमेरिकी खिलाड़ी गिरोन ने लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन ज्वेरेव ने उनके खिलाफ अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। उन्होंने गिरोन के खिलाफ सभी पांच मुकाबले जीते हैं और दोनों के बीच खेले गए 14 सेटों में से 13 अपने नाम किए हैं।

ग्रैंड चेस टूर : ब्लिट्स वर्ग में पिछड़े, अलीरेजा ने बढ़त बनाई

रैपिड वर्ग वाला शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम प्रज्ञानानंदा

एजेंसी ▶▶| जागरेब

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड वर्ग वाला अपना शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम रहे और ब्लिट्ज वर्ग के शुरुआती 9 दौर में सिर्फ 3.5 अंक ही हासिल कर पाए।

इस बीच फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शानदार खेल दिखाते हुए एकल बढ़त बना ली है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है। अलीरेजा ने तेज खेल वाले प्रारुप में कमाल का खेल दिखाया और 9 में से 8 अंक हासिल किए। उन्होंने 20 अंक के साथ अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव पर तीन अंक की बड़ी बढ़त बना ली है।

प्रज्ञानानंदा चौथे स्थान पर खिसके

प्रज्ञानानंदा 15.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए जबकि विश्व चैंपियन डी. गुकेश का दिन भी औसत रहा और वे 14 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ग्रैंड चेस टूर के इतिहास में सबसे दमदार प्रदर्शन में से एक में अलीरेजा ने आधे खिलाड़ियों को कम से कम सात अंक पीछे छोड़ दिया है। जर्मनी के विन्सेंट कीमर 13 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं। नीदरलैंड के अनीश गिरी उनसे आधा अंक पीछे हैं जबकि रोमानिया के डीक बोगदान डैनियल के 11.5 अंक हैं। नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट उनसे दो अंक और पीछे हैं जबकि क्रोएशिया के इवान सारिक सिर्फ पांच अंक के साथ सबसे नीचे हैं।

प्रज्ञानानंदा ने ब्लिट्ज वर्ग में खोई लय

रैपिड वर्ग के बाद अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे प्रज्ञानानंदा ब्लिट्ज वर्ग में अपनी लय खो बैठे। दिन की शुरुआत कीमर पर जीत के साथ करने के बाद प्रज्ञानानंदा ने गिरी के साथ अगली बाजी ड्रॉ खेली लेकिन फिर लगातार चार हार ने उनके आत्मविश्वास को कम कर दिया। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ी ने आठ में से 3.5 अंक जुटाए। गुकेश के लिए भी स्थिति काफी अलग नहीं थी लेकिन उन्होंने प्रज्ञानानंदा से आधा अंक अधिक हासिल किया। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन ने चार बाजी गंवाई। ब्लिट्ज वर्ग में अब भी नौ दौर खेले जाने बाकी हैं लेकिन शीर्ष स्थान शायद पहले ही तय हो चुका है।

आईआईटी और सीआरआरआई के विशेषज्ञों ने किया निरीक्षण

68 साल पुराने शास्त्री ब्रिज की जगह बनेगा आधुनिक फोर-लेन पुल

जबलपुर। शहर के सबसे पुराने और व्यस्त शास्त्री ब्रिज को अब आधुनिक स्वरूप दिया जाएगा। करीब 68 वर्ष पुराने इस पुल को हटाकर उसकी जगह अत्याधुनिक तकनीक से फोर-लेन ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। प्रस्तावित परियोजना के निरीक्षण के लिए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों के साथ स्थल का दौरा किया। निरीक्षण दल में आईआईटी रुड़की के मोहित वर्मा, आईआईटी गुवाहाटी के श्रीनिवास, सीआरआरआई दिल्ली की चीफ साइंटिस्ट कविता रविंदर, वैज्ञानिक दिनेश यादव, वैज्ञानिक गणेश कुमार, पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर (ब्रिज) गोपाल सिंह तथा नेशनल हाईवे के चीफ इंजीनियर बोरासी शामिल रहे। मंत्री ने कहा कि बढ़ते यातायात और सुरक्षा की दृष्टि से यह परियोजना शहर के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

विशेषज्ञों की टीम ने पुल की वर्तमान स्थिति, डिजाइन और प्रस्तावित निर्माण की तकनीकी आवश्यकताओं का विस्तृत परीक्षण किया। अधिकारियों के अनुसार परियोजना से संबंधित औपचारिक प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जा रही हैं, ताकि शीघ्र ही टेंडर जारी कर निर्माण कार्य शुरू किया जा सके। नया पुल शहर के यातायात को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के साथ भविष्य की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा।

सिंगल पियर तकनीक से मिलेगी जाम से राहत

नए शास्त्री ब्रिज का निर्माण सिंगल पियर (एकल स्तंभ) तकनीक से किया जाएगा। इस प्रणाली में पुल के नीचे कम संख्या में पिलर होंगे, जिससे सड़क पर अधिक खुला स्थान उपलब्ध रहेगा और यातायात बाधित नहीं होगा। वर्तमान में पुराने पुल के नीचे अक्सर जाम की स्थिति बनती है, जिसे नई संरचना से काफी हद तक समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। विशेषज्ञों ने इस तकनीक को यातायात और सुरक्षा की दृष्टि से उपयुक्त बताया है।

डेकोरेटिव लाइटिंग और यूटिलिटी डक्ट्स की होगी व्यवस्था

प्रस्तावित फोर-लेन पुल को आधुनिक सुविधाओं से भी सुसज्जित किया जाएगा। योजना के तहत पुल पर आकर्षक डेकोरेटिव लाइटिंग लगाई जाएगी, जिससे रात के समय इसकी खूबसूरती बढ़ेगी। साथ ही भविष्य में केबल और पाइपलाइन जैसी सेवाओं के लिए यूटिलिटी डक्ट्स का प्रावधान रहेगा, जिससे बार-बार पुल को खोदने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि परियोजना की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए देश के शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञों का मार्गदर्शन लिया जा रहा है। निर्माण पूरा होने के बाद शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा और नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही जाम की समस्या से राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन आदि मौजूद थे।

रिमझिम बारिश के बाद छाए रहे बादल

जबलपुर। रविवार की दोपहर रिमझिम बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि मानसूनी बादल अब धीरे धीरे सक्रिय हो रहे हैं, मानसून की रफ्तार अभी धीमी है इसलिये झमाझम बारिश का इंतजार अभी बना हुआ है. पिछले चौबीस घंटे के दौरान 19.08 मिमि वर्षा दर्ज हुई. बादल छाए रहे गरजते रहे पर बरसे कम मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घण्टों के दौरान जिले के अधिकांश स्थानों में वर्षा हो सकती है। स्थानीय मौसाम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार हवा के कम दबाव का क्षेत्र बनने से रविवार की दोपहर रिमझिम बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 35.04 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री अधिक दर्ज किया गया, वही न्यूनतम तापमान 24.4 सामान्य से एक डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 90 प्रतिशत व सांय काल 87 प्रतिशत आंकी गई। कल शाम हुई बारिश 2.6 मिली मीटर दर्ज की गई। एक जून से अब तक कुल वर्षा 140.08 मिली मीटर (लगभग 6 इंच बारिश) दर्ज की जा चुकी है। सूर्योदय सुबह 5.27 बजे और सूर्यास्त 07.00 बजे हुआ। पश्चिमी हवाएं 6 से 7 किलोमीटर प्रति घण्टें की रफ्तार से चलीं अगले 24 घंटों के दौरान जबलपुर संभाग में कई स्थानों पर वर्षा की संभावना है।

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में चाची सास समेत तीन गिरफ्तार

जबलपुर। केन्ट थाना क्षेत्र में एक महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पुलिस ने चाची सास, चचेरी ननद और चचेरे देवर को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच मर्ग के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार एपीएन स्कूल के सामने सदर निवासी जावेद घोषी की पत्नी 35 वर्षीय शमा परवीन ने 17 जून को जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। उपचार के दौरान नेशनल अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी। जांच में पति जावेद घोषी और मृतका के मायके पक्ष के बयान दर्ज किए गए। जांच में सामने आया कि अतिक्रमण हटाने के दौरान गिरी ईंटें उठाने को लेकर पड़ोस में रहने वाली चाची सास नजमा घोषी से विवाद हुआ था। आरोप है कि नजमा की बेटी अमरीन ने भी शमा परवीन के चरित्र पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। वहीं नजमा के बेटे सद्दाम ने कथित रूप से कहा, तू मरती है तो मर जा, तेरे जैसी बहुत देखी हैं। इससे आहत होकर शमा परवीन ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई।पुलिस ने आरोपी 33 वर्षीय सद्दाम घोषी, 57 वर्षीय नजमा घोषी और 36 वर्षीय अमरीन घोषी को गिरफ्तार कर लिया है।मामला बीएनएस की धारा 108 एवं 3(5) के तहत दर्ज किया गया है।

कांबिंग गश्तः रात भर पुलिस ने दी दबिश 251 वारंट तामील, फरार आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर शनिवार रात शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक कांबिंग गश्त अभियान चलाया गया। रात 9 बजे से रविवार तड़के 2 बजे तक चले इस विशेष अभियान में पुलिस ने कई वर्षों से फरार आरोपियों पर शिकंजा कसते हुए 251 वारंट तामील किए। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने जिलेभर में दबिश देकर 127 गैर मियादी वारंट, 86 गिरफ्तारी वारंट और 38 जमानती वारंट तामील किए। लंबे समय से पुलिस और न्यायालय से बच रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। कांबिंग गश्त के दौरान गुंडे-बदमाशों की गतिविधियों की निगरानी की गई। देर रात घूमने वाले संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई, वहीं रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और मुसाफिरखानों में भी सघन चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की गई। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उनका कहना है कि जनता में सुरक्षा का भरोसा कायम रखना और कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वर्षों से फरार अपराधियों की गिरफ्तारी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए भविष्य में भी ऐसे विशेष अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे।

पैर फिसलने से डेम में बहे युवक की मौत

जबलपुर। मझौली थानांतर्गत कल सुबह लगभग ९.*० बजे कटाव नदी पर डेम को पार करते समय रपटे से पैर फिसलने से डेम में बहे युवक की मौत हो गई। आसपास के लोगों ने युवक कों पानी से बाहर निकाला तब तक उसका सांसे थम गई थी । बताया गया है कि युवक गांव गांव घूमकर मालायें बेचता था। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है। मझौली पुलिस ने बताया कि बरही कटनी निवासी बनाफर पारधी के परिवार के सदस्य गांव गांव घूमकर रूद्राक्ष की माला केसर कस्तूरी व चूड़ी कंगन बेचने का काम करते हैं। बनाफर का छोटा बेटा सचिन कल अपने मामा के घर रूकने कटाव आया था।जहां से घर लौटते समय वह कटाव नदी पर बने रपटे को पार कर रहा था तभी उसका पैर फिसल जाने से वह डैम में बह गया । तभी आसपास के लोगों ने उसे बाहर निकाला और देखा कि सचिन की मौत हो गई थी।

गुरुद्वारा एक्ट 2026 पर विरोध जताया

जबलपुर। महाराष्ट्र सरकार द्वारा सिक्खों के पांच पवित्र तख्तों में से एक तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ के प्रबंधन को नियंत्रित करने वाले 70 साल पुराने नांदेड़ सिख गुरुद्वारा एक्ट 1956 को समाप्त कर उसके स्थान पर गुरुद्वारा एक्ट 2026 को लागू करने के प्रस्ताव का विरोध देशभर के सिख समाज द्वारा लगातार किया जा रहा है। इस श्रृंखला में रविवार की शाम जबलपुर सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा एक वृहत्त बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने उक्त एक्ट का पुरजोर विरोध करते हुए प्रधानमंत्री के नाम ऑन लाइन ज्ञापन भेजकर पुराने एक्ट 1956 को यथावत रखने की मांग की । ज्ञापन में नए एक्ट को धार्मिक भावनाओं एवं ऐतिहासिक परंपराओं के खिलाफ बताया गया। ज्ञापन की प्रतिगृह मंत्री श्री अमित शाह, मा.

राज्यपाल, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र,प्रमुख सचिव एवं अध्यक्ष शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर, पंजाब आदि को भी प्रेषित की गई है। इस मौके गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष श्री रजिंदर सिंह छावड़ा, महासचिव मंजीत सिंह ननडा, प्रताप सिंह विरदी, काके आनंद,एच एस ब्रोका, अधिवक्ता एन एस रूपराह, मंजीत सिंह बेदी, रणजीत सिंह भोमराह, मनमोहन सिंह सलूजा, जतिंदर सिंह सैनी, अमरजीत सिंह धन्जल, प्रिंस भसीन, ,सरबजीत सिंह रील, हरजीत सिंह सूदन, जालम सिंह एवं करनैल सिंह छाबड़ा के साथ ही सिख समाज की धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक, संस्थाओं के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे । अधिवक्ता एन एस रूपराह एवं जतिंदरपाल सिंह ओबेरॉय ने नए कानून की व्याख्या और समीक्षा करते हुए कानून को सिख गुरुद्वारा, और सिख मर्यादा के खिलाफ बताया। कार्यक्रम का संचालन सचिव मंजीत सिंह ननडा ने किया ।

पुरानी रंजिश पर मजदूर पर राइजर पाइप से हमला

जबलपुर। शहपुरा थानांतर्गत कल ग्राम उमरिया से कुसली के बीच मजदूरी कर घर लौट रहे एक मजदूर के साथ पुरानी रंजिश को लेकर पिता व पुत्र ने मिलकर विवाद कर मारपीट करते हुए उस पर राइजर पाईप से हमला कर हाथ में गंभीर चोट पहुंचा दी । इसके बाद दोनों जान से मारने की धमकी देकर भाग गये। शहपुरा पुलिस ने बताया कि ग्राम नीमखेड़ा निवासी रामदयाल बर्मन कल दोपहर दो बजे मजदूरी कर वापस गांव लौट रहा था। तभी उसे ग्राम उमरिया व कुसली के बीच नहर पुलिया के समीप बल्लू यादव व उसका बेटा मिला जो पुराने विवाद को लेकर रामदयाल के साथ गालीगलौज करने लगा । मना करने पर दोनों ने रामदयाल के साथ मारपीट कर उस पर राइजर पाईप से हमला कर हाथ में गंभीर चोटें पहुंचा दी। आरोपी पिता पुत्र के खिलाफ मामल दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप, युवक गंभीर

माढोताल थाने के सामने पेट्रोल डालकर युवक ने आग लगाई

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रभात नगर निवासी एक युवक ने थाने के सामने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। युवक का आरोप है कि वह लंबे समय से एक पुराने मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहा था, लेकिन उसकी शिकायत पर सुनवाई नहीं होने से वह मानसिक रूप से परेशान था। घटना के बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल आग बुझाकर उसे बचाया और गंभीर हालत में नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक ने अचानक अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली, जिससे वहां मौजूद लोगों और पुलिसकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए आग पर काबू पाया और घायल युवक को अस्पताल रवाना किया। घटना के बाद थाने के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस कार्रवाई से नाराजगी बनी वजह!

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक किसी पुराने विवाद में पुलिस की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट था और इसी कारण उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। हालांकि पुलिस का कहना है कि घटना के पीछे की वास्तविक वजह का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। युवक के बयान दर्ज होने के बाद पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट होगी।

सीसीटीवी फुटेज और पेट्रोल खरीदने के पहलू की जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि युवक पेट्रोल कहां से लेकर आया था और घटना से पहले उसकी गतिविधियां क्या थीं। थाने के आसपास सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है। पूरे घटनाक्रम को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर जारी है और लोग घटना के पीछे की वास्तविक वजह जानने को उत्सुक हैं।

पुलिस के दो अधिकारियों पर 25-25 हजार का जुर्माना

आरटीआई में जानकारी छिपाना पड़ा भारी

जबलपुर। सूचना के अधिकार (RTI) के तहत मांगी गई जानकारी उपलब्ध न कराना जबलपुर पुलिस के दो वरिष्ठ अधिकारियों को भारी पड़ गया। मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग ने गोरखपुर थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी और तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही आयोग ने कड़ी टिप्पणी करते हुए उन्हें जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, 24 घंटे से अधिक समय तक थाने में रखे जाने के एक मामले से जुड़ी आरटीआई में आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जाने पर आयोग ने यह कार्रवाई की है। आयोग ने दोनों अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।

क्या है पूरा मामला

आदर्श नगर, गौरीघाट निवासी अजीत सिंह आनंद ने आरोप लगाया था कि उन्हें 20 जून 2023 को गोरखपुर पुलिस घर से थाने ले गई थी और अगले दिन 21 जून को छोड़ा गया। इस अवधि को लेकर उन्हें संदेह था कि उन्हें 24 घंटे से अधिक समय तक थाने में रखा गया। सत्यता की जांच के लिए उन्होंने आरटीआई के तहत थाने के रोजनामचा, रिहाई संबंधी अभिलेख और सीसीटीवी फुटेज की मांग की थी। लेकिन निर्धारित समय सीमा में जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। मामले की प्रथम अपील में तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल ने रिकॉर्ड देने के निर्देश जारी किए थे, इसके बावजूद आदेश का पालन नहीं हुआ। इसके बाद आवेदक ने राज्य सूचना आयोग में द्वितीय अपील दायर की।

आयोग की सख्ती

मामले की सुनवाई के बाद राज्य सूचना आयोग ने पाया कि तत्कालीन थाना प्रभारी अरविंद चौबे और तत्कालीन एएसपी संजय अग्रवाल ने बिना पर्याप्त कारण सूचना उपलब्ध कराने में लापरवाही बरती। आयोग ने दोनों पर 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। आयोग ने यह भी निर्देश दिए कि आवेदक को मांगे गए दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएं, हालांकि इसमें अन्य व्यक्तियों की पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी निशुल्क उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240